● वर्ष : 17 ● अंक : 95 ● मूल्य : 02 रुपया मात्र ● पृष्ठ : 08

LKS

RNI NO.: DELHIN / 2008 / 23928

www.loktantrakishaan.com

दैनिक लोकतंत्र की शान

लोकतंत्र का स्तंभ

दिल्ली से प्रकाशित

गुरुवार 22 जनवरी 2026

कैबिनेट ने अटल पेंशन योजना को 2031 तक जारी रखने को दी मंजूरी

एजेंसी। नई दिल्ली

सरकार ने बुधवार को अटल पेंशन योजना (एपीवाई) को वित्त वर्ष 2030-31 तक जारी रखने का फैसला किया तथा इसके प्रचार, विकासात्मक गतिविधियों और अंतर वित्तपोषण के लिए सरकारी सहायता बढ़ाने को मंजूरी दी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में लिये गये इस निर्णय से असंगठित क्षेत्र के करोड़ों श्रमिकों को वृद्धावस्था में नियमित आय सुरक्षा सुनिश्चित होगी। कैबिनेट के फैसले के अनुसार योजना को 2030-31 तक जारी रखा जाएगा। इसके अंतर्गत सरकार द्वारा असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों तक योजना की पहुंच बढ़ाने के लिए जनजागरूकता, क्षमता निर्माण जैसी प्रचार एवं विकासात्मक गतिविधियों के लिए सहायता दी जाएगी। साथ ही योजना की वित्तीय स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक अंतर वित्तपोषण भी उपलब्ध कराया जाएगा। इस योजना के विस्तार से कम आय वर्ग और असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को वृद्धावस्था में आर्थिक सुरक्षा मिलेगी। इससे वित्तीय समावेशन को बढ़ावा मिलेगा और देश को पेंशन आधारित समाज की दिशा में आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी। यह निर्णय विकसित भारत 2047 के लक्ष्य के अनुरूप एक मजबूत और टिकाऊ सामाजिक सुरक्षा ढांचे को सुदृढ़ करेगा। अटल पेंशन योजना की शुरुआत 9 मई 2015 को असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को वृद्धावस्था में आय सुरक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से की गई थी। योजना के तहत 60 वर्ष की आयु के बाद 1 हजार रुपये से 5 हजार रुपये तक की सुनिश्चित मासिक पेंशन का प्रावधान है, जो अंशदान पर आधारित है। 19 जनवरी 2026 तक योजना के अंतर्गत 8.66 करोड़ से अधिक अभिदाता जुड़ चुके हैं, जिससे यह देश की समावेशी सामाजिक सुरक्षा व्यवस्था की एक महत्वपूर्ण कड़ी बन चुकी है।

कैबिनेट की बैठक में आधुनिक कॉरिडोर को मिली मंजूरी

नई दिल्ली। अगले महीने दिल्ली में बीजेपी सरकार अपने गठन के एक साल पूरा करने जा रही है. ऐसे में रेखा गुप्ता सरकार अपने किए वादों को मद्देनजर सक्रिया नजर आ रही है. दरअसल, मंगलवार को मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट मीटिंग में वित्त व्यय समिति ने दक्षिण दिल्ली के लिए महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा परियोजना को मंजूरी दी है. परियोजना के तहत, एमबी रोड पर साकेत जी-ब्लॉक से पुल प्रह्लादपुर तक 6-लेन का एकीकृत एलिवेटेड रोड और दो अंडरपास भी बनेंगे. इनके निर्माण से दक्षिण दिल्ली के लोगों को लंबे समय से जाम की समस्या से मुक्ति मिलेगी. यह परियोजना न केवल यातायात के दबाव को कम करेगी, बल्कि आवागमन का समय भी घटाएगी. परियोजना को दिसंबर 2027 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है. परियोजना पर करीब 1471.14 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे।

स्पेन के विदेश मंत्री ने राष्ट्रपति से की मुलाकात

एजेंसी। नई दिल्ली

स्पेन के विदेश मंत्री जोस मैनुअल अल्बारेस ने बुधवार को राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से शिष्टाचार भेंट की। राष्ट्रपति भवन में अल्बारेस का स्वागत करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि भारत और स्पेन के संबंध सदियों पुराने हैं, जिन्हें व्यापार, संस्कृति तथा लोकतंत्र और बहुलतावाद जैसे साझा मूल्यों ने समृद्ध किया है। उन्होंने कहा कि साल 2026 दोनों देशों के कूटनीतिक संबंधों की 70वीं वर्षगांठ का वर्ष है, जिसे 'भारत–स्पेन द्वैध वर्षः संस्कृति, पर्यटन और कृत्रिम बुद्धिमत्ता' के रूप में मनाया जा रहा है। राष्ट्रपति ने कहा कि भारत और स्पेन के बीच आर्थिक संबंध निरंतर मजबूत हो रहे हैं तथा व्यापार और निवेश में विस्तार देखा जा रहा है। उन्होंने कहा कि इंजीनियरिंग, रेलवे, नवीकरणीय ऊर्जा, शहरी सेवाओं और रक्षा एयरोस्पेस जैसे क्षेत्रों में स्पेन की विशेषज्ञता भारत की विकास प्राथमिकताओं के अनुरूप है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि भारत–यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर हस्ताक्षर के बाद दोनों देशों के बीच व्यापारिक संबंध और मजबूत होंगे।

ज्वलंत मुद्दा **संपादकीय**

शेयर बाजार की गिरावट से निवेशकों को भारी झटका

भारत का वित्तीय बाजार इन दिनों अस्थिरता के दौर से गुजर रहा है। एक ओर शेयर बाजार में लगातार गिरावट से निवेशकों को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है, तो वहीं दूसरी तरफ सोने और चांदी की कीमतें रोजाना नया रिकॉर्ड बना रही हैं। इसी बीच डॉलर के मुकाबले रुपये के मूल्य में लगातार गिरावट होने से भारत में महंगाई और आयातित सामान की लागत बढ़ने से नई चिंताएं खड़ी हो गई हैं। शेयर बाजार में पिछले कुछ सत्रों में सेंसेक्स और निफ्टी में भारी गिरावट देखने को मिली है। पिछले तीन-चार सत्रों में 20 लाख करोड़ से ज्यादा का नुकसान हो चुका है। वैश्विक बाजारों में कमजोरी, अमेरिका में ब्याज दरों को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। पश्चिम एशिया और यूरोप में भू-राजनीतिक तनाव तथा भारत के शेयर बाजार में विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की बिकवाली ने भारतीय बाजार पर दबाव बढ़ा दिया है। आईटी, बैंकिंग और मेटल जैसे प्रमुख सेक्टरों के शेयरों में मुनाफा वसूली से छोटे निवेशकों को भारी नुकसान उठाना पड़ा है।

संस्थागत वित्तीय निवेशकों को भी भारी नुकसान हुआ है। आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है, जब तक वैश्विक स्तर पर इस तरह की अराजकता देखने को मिल रही है, तब तक बाजार में यह उतार-चढ़ाव बना रहेगा। शेयर बाजार की इस स्थिति को देखते हुए सोना और चांदी को सुरक्षित निवेश का विकल्प माना जा रहा है। वही शेयर बाजार की गिरावट से बैंकिंग सेक्टर में भी जिस तरह की स्थिति देखने को मिल रही है, ऐसी स्थिति में निवेशक बैंक और शेयर बाजार से अपना पैसा निकालकर सोने एवं चांदी में निवेश कर रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने और चांदी के दाम निरंतर बढ़ रहे हैं। चीन से सबसे ज्यादा चांदी का निर्यात होता है। चीन सरकार ने चांदी के निर्यात पर लाइसेंस प्रणाली लागू कर दी है, जिसके कारण चांदी में भारी तेजी देखने को मिल रही है। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में सोने और चांदी की कीमतों में तेजी, डॉलर के मुकाबले रुपये की कमजोरी से घरेलू बाजार में सोना महंगा होता जा रहा है। चांदी की कीमतों में भी तेज उछाल बना हुआ है।

चांदी की औद्योगिक मांग और निवेश दोनों में मांग बढ़ रही है। आर्थिक विश्लेषकों का कहना है, ट्रंप के टैरिफ एवं उनकी आक्रामक नीतियों के कारण आर्थिक जगत में वैश्विक अनिश्चितता बढ़ती जा रही है। रिजर्व बैंक यदि बैंक ब्याजदरों में कटौती करता है तो ऐसी स्थिति में, आने वाले महीनों में सोने-चांदी की कीमतें और भी बढ़ सकती हैं। सोने एवं चांदी में जिस तरह से सट्टेबाजी बढ़ गई है, उसके कारण बाजार में उतार-चढ़ाव बना रहेगा। डॉलर के मुकाबले रुपये का लगातार कमजोर होना, भारत की आर्थिक स्थिति को और भी गंभीर बना रहा है।

सैयद जकी हैदर | सम्पादक/प्रकाशक
MOBE NO.**9911371802**
EMAIL. SYEDZAKIHAIDER**786**@GMAIL.COM

संक्षिप्त समाचार

सीटें टूटी, टॉयलेट गंदे और बदबूदार खाने-पीने की गुणवत्ता भी खराब

नई दिल्ली। दिल्ली के जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग ने एयर इंडिया को एक यात्री और उसकी बेटी को 1.5 लाख मुआवजा देने का आदेश दिया है। यह फैसला एक लंबी अंतरराष्ट्रीय उड़ान के दौरान खराब सेवाओं को लेकर सुनाया। बता दें शैलेन्द्र भटनागर और उनकी बेटी ने सितंबर 2023 में एयर इंडिया की दिल्ली–न्यूयॉर्क–दिल्ली फ्लाइट से यात्रा की थी। उन्होंने मेकमायट्रिप के जरिए इकोनॉमी क्लास के टिकट बुक किए थे। यात्रियों ने शिकायत की थी कि उड़ान के दौरान उन्हें कई परेशानियों का सामना करना पड़ा। विमान की सीटें टूटी और असहज थीं। इन-फ्लाइट एंटरटेनमेंट सिस्टम काम नहीं कर रहा था। सीट के बटन और कॉल बटन भी खराब थे। इसके अलावा, टॉयलेट गंदे थे और उनमें बदबू आ रही थी। यात्रियों का कहना था कि खाने-पीने की गुणवत्ता भी बहुत खराब थी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सबसे बड़ी परेशानी बार-बार शिकायत करने के बाद भी केबिन क्रू ने कोई उचित मदद नहीं की। इससे यात्रियों को काफी मानसिक तनाव और असुविधा झेलनी पड़ी। उपभोक्ता आयोग ने माना कि यात्रियों से भारी किराया लिया गया था, लेकिन उन्हें बुनियादी सुविधाएं नहीं दी गई। आयोग की अध्यक्ष और सदस्य ने कहा कि यह सेवा में स्पष्ट कमी है और यात्रियों को मुआवजा मिलना चाहिए।

9 बार अंतरिक्ष की यात्रा और 608 दिन स्पेस में बिताने का रिकार्ड बनाने वाली सुनीता हुई रिटायर

नई दिल्ली। अंतरिक्ष विज्ञान की दुनिया में अपनी अमिट छाप छोड़ने वाली भारतीय मूल की प्रसिद्ध अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स ने अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा को अलविदा कह दिया है। नासा ने आधिकारिक तौर पर घोषणा की है कि 27 वर्षों तक एजेंसी को अपनी सेवाएं देने के बाद विलियम्स की सेवानिवृत्ति पिछले साल 27 दिसंबर से प्रभावी हो गई है। यह घोषणा उस समय हुई है जब सुनीता विलियम्स वर्तमान में भारत के दौरे पर हैं और अपने पैतृक देश की यादें ताजा कर रही हैं। 1998 में नासा के लिए चुनी गईं विलियम्स ने अपने करियर के दौरान तीन महत्वपूर्ण अंतरिक्ष मिशनों में हिस्सा लिया और कुल 608 दिन अंतरिक्ष में बिताए। उनके नाम 9 बार अंतरिक्ष में चहलकदमी (स्पेस वॉक) करने का रिकॉर्ड दर्ज है, जो कुल 62 घंटे 6 मिनट की रही। यह किसी भी महिला अंतरिक्ष यात्री के लिए सबसे अधिक और नासा के इतिहास में चौथा बड़ा रिकॉर्ड है। इसके अतिरिक्त, वह अंतरिक्ष में मैराथन दौड़ पूरी करने वाली दुनिया की पहली यात्री भी बनी थीं। अमेरिकी नौसेना की पूर्व कैप्टन रहीं सुनीता विलियम्स का जन्म 19 सितंबर, 1965 को अमेरिका के ओहियो में हुआ था।

प्रयागराज में क्रैश हुआ एयरक्राफ्ट, पालयटों ने लगाई तालाब में छलांग

एजेंसी। प्रयागराज

संगम नगरी में बुधवार दोपहर उस वक्त हड़कंप मच गया जब एक टू-सीटर माइक्रोलाइट एयरक्राफ्ट अचानक अनियंत्रित होकर तालाब में जा गिरा। तकनीकी खराबी के कारण हुए इस हादसे ने सबको दहला दिया, लेकिन राहत की बात यह है कि दोनों पायलट सुरक्षित हैं। हादसे के वक्त मौके पर मौजूद सुरेंद्र कुमार ने बताया कि उन्होंने आसमान में विमान को अजीब तरह से लड़खड़ाते देखा। अगले ही पल विमान से दो पैराशूट खुलते दिखाई दिए और दोनों पायलट विमान गिरने से पहले ही हवा में तैरने लगे। जैसे ही विमान तालाब के बीचों-बीच जोरदार धमाके के साथ गिरा, वहां मौजूद लोग दौड़ पड़े। तालाब में पानी होने की वजह से विमान में आग नहीं लगी, जिससे बड़ा हादसा टल गया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक तालाब किनारे रेलवे पटरी पर खड़े लोगों ने देखा कि दोनों पायलट पानी में सुरक्षित उतर गए और हाथ से इशारे कर मदद मांग रहे हैं। यह देखते ही लोग तालाब में कूद पड़े। युवाओं ने तैरकर पायलटों को अपने कंधों पर बैठाकर सुरक्षित बाहर निकाला। घटनास्थल पर मौजूद लोगों का कहना है कि विमान संगम की दिशा से आ रहा था और अचानक उसमें गड़बड़ी दिखने लगी। देखते ही देखते वहां हजारों की भीड़ जमा हो गई।

बीजेपी के नए अध्यक्ष नितिन नबीन को अब राज्यसभा लाने पर विचार कर रही पार्टी

एजेंसी। नई दिल्ली

बीजेपी के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन को जल्द ही राज्यसभा में प्रवेश मिलेगा। पार्टी सूत्रों के मुताबिक इस साल कई राज्यसभा सीटें खाली होने वाली हैं और पार्टी उन्हें राज्यसभा में लाने पर विचार कर रही है। हालांकि, फिलहाल उन्हें केंद्रीय मंत्रिमंडल में शामिल नहीं किया जाएगा, क्योंकि पार्टी एक व्यक्ति, एक पद के सिद्धांत का पालन कर रही है। 45 साल के नितिन नबीन बिहार के पांच बार के विधायक हैं। वह बीजेपी के सबसे युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष बने गए हैं। उनका जन्म रांची (झारखंड) में हुआ था। उनके पिता नवीन किशोर प्रसाद सिन्हा भी वरिष्ठ बीजेपी नेता थे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मंगलवार को उन्होंने पार्टी मुख्यालय में औपचारिक रूप से अध्यक्ष पद की कमान संभाली, जहां पीएम मोदी समेत कई वरिष्ठ नेताओं ने उन्हें बधाई दी। मोदी ने उन्हें मिलेनियल बॉस कहकर संबोधित किया और पार्टी में नई ऊर्जा का संकेत दिया। पार्टी सूत्रों का कहना है कि नितिन नबीन को उनकी नई जिम्मेदारी के अनुरूप संसद में लाया जाएगा। बिहार से राज्यसभा की कोई सीट अभी खाली नहीं है, लेकिन पड़ोसी राज्य झारखंड से एक विकल्प उपलब्ध है। झारखंड से बीजेपी सांसद दीपक प्रकाश का कार्यकाल जून 2026 में खत्म हो रहा है। सूत्रों ने बताया कि नितिन नबीन का जन्म रांची में होने के कारण उन्हें वहां से नामांकित किया जा सकता है। हालांकि पार्टी की केंद्रीय नेतृत्व किसी भी राज्य से उन्हें भेज सकती है, जहां उपयुक्त सीट उपलब्ध हो। इस साल कुल 71 राज्यसभा सदस्य रिटायर हो रहे हैं, जिनमें से 30 बीजेपी के हैं। इनमें यूपी से 8, गुजरात से 3, महाराष्ट्र, राजस्थान, मध्य प्रदेश, असम, कर्नाटक, ओडिशा और हरियाणा से दो-दो सीटें शामिल हैं। झारखंड, अरुणाचल प्रदेश, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और मणिपुर से एक-एक सीट खाली हो रही है। बीजेपी के दो प्रमुख सदस्यों- केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी और राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह की यूपी से सीटें भी खाली होंगी। नितिन नबीन के राज्यसभा में आने से पार्टी को युवा और संगठनात्मक रूप से मजबूत चेहरा मिलेगा, जो संसद में सक्रिय भूमिका निभाएगा। उन्हें हाल ही में लुटियंस दिल्ली में आधिकारिक आवास भी आवंटित किया गया है।

झारखंड से जून 2026 में खाली हो रही सीट वहां से किया जा सकता है नामांकित

भाजपा ने अमित मालवीय मामले में हाई कोर्ट के फैसले के बाद उदयनिधि पर कार्रवाई की मांग की

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने तमिलनाडु के उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन की टिप्पणियों को तोड़-मरोड़कर पेश करने के आरोप में पार्टी की आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय के खिलाफ दर्ज एफआईआर मद्रास उच्च न्यायालय द्वारा रद्द किए जाने के बाद द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (द्रमुक) पर निशाना साधा है। साथ ही पार्टी ने उदयनिधि को उनके पद से हटाने और उनके विरुद्ध मामला दर्ज करने की मांग की है।भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने बुधवार को पार्टी मुख्यालय में पत्रकार वार्ता में कहा कि उच्च न्यायालय का यह फैसला द्रमुक की 'हिंदू-विरोधी और संविधान-विरोधी सोच' को उजागर करता है। उन्होंने कहा कि यह एफआईआर बदले की भावना से दर्ज की गई थी, जिसका उद्देश्य केवल सच बोलने पर अमित मालवीय को परेशान करना और दंडित करना था।पूनावाला ने कहा, "सत्यमेव जयते। सच हमेशा जीतता है। मद्रास उच्च न्यायालय ने उस एफआईआर को रद्द किया है, जो केवल राजनीतिक प्रतिशोध के तहत दर्ज की गई थी।" उन्होंने कहा कि वर्ष 2023 में तमिलनाडु के उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन एक ऐसे सम्मेलन में शामिल हुए थे, जहां सनातन धर्म के 'पूर्ण उन्मूलन' की बात की गई थी।

अगर नोटिस वापस नहीं लिया तो करेंगे विधिक कार्यवाही : अविमुक्तेश्वरानंद

प्रयागराज। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती को प्रयागराज मेला प्राधिकरण द्वारा नोटिस दिए जाने के बाद विवाद और गहरा गया है। अब इस मामले में सियासत भी शुरू हो गई है, वहीं अब स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने सुप्रीम कोर्ट के वकील के जरिए प्राधिकरण को आठ पन्नों का जवाब भेजा है। अपने जवाब में स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने मेला प्राधिकरण के आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया और कहा कि वे शंकराचार्य हैं। जवाब में कहा गया है कि ब्रह्मलीन शंकराचार्य स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती ने अपने जीवनकाल में ही उन्हें उत्तराधिकारी नियुक्त किया था। बताया गया है 11 सितंबर 2022 को शंकराचार्य स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती ब्रह्मलीन हुए थे और 12 सितंबर 2022 को वैदिक विधि-विधान के साथ स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद का विधिवत अभिषेक किया गया था। सार्वजनिक समारोह में उनका शंकराचार्य पद पर प्रतिष्ठापन किया गया। यह बात सुप्रीम कोर्ट के संज्ञान में भी लाया गया कि अभिषेक पहले ही हो चुका था। 14 अक्टूबर 2022 के आदेश में यह तथ्य दर्ज है। इतना ही नहीं शंकराचार्य पद पर बने रहने को लेकर किसी भी कोर्ट से कोई स्थगन आदेश नहीं है। साथ ही श्रृंगेरी, द्वारका और पुरी पीठ के शंकराचार्यों का समर्थन होने का दावा भी जवाब में किया गया है।

राहुल गांधी हरियाणा दौरे पर जिला अध्यक्षों को दे रहे ट्रेनिंग, संगठन मजबूत करने कर रहे फोकस

एजेंसी। कुरुक्षेत्र

कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी बुधवार को हरियाणा दौरे पर पहुंचे हैं। उनका विमान सुबह करीब 10:20 बजे अंबाला एयरफोर्स स्टेशन पर उतरा, जहां कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रभारी बीके हरिप्रसाद, प्रदेश अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह और पूर्व मुख्यमंत्री व नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने उनका स्वागत किया। इसके बाद राहुल गांधी सड़क मार्ग से कुरुक्षेत्र पहुंचे। कुरुक्षेत्र में राहुल गांधी पंजाबी धर्मशाला में आयोजित कांग्रेस के 'संगठन सृजन अभियान' के तहत चल रहे ट्रेनिंग कैंप में शामिल हो रहे हैं। इस कैंप का उद्देश्य संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करना बताया जा रहा है। कार्यक्रम की शुरुआत में राहुल गांधी ने हरियाणा और उत्तराखंड के कांग्रेस जिला अध्यक्षों के परिवारों से मुलाकात की। इसके बाद वे जिला अध्यक्षों को एक बंद हॉल में ट्रेनिंग दे रहे हैं। पार्टी सूत्रों का कहना है, कि इस ट्रेनिंग सत्र में जिला अध्यक्षों के अलावा किसी अन्य नेता को प्रवेश की अनुमति नहीं दी गई है। वरिष्ठ नेता और सांसद अलग कमरे में मौजूद हैं। धर्मशाला परिसर में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह, भूपेंद्र सिंह हुड्डा, सिरसा से सांसद कुमारी सैलजा, राज्यसभा सांसद रणदीप सुरजेवाला सहित कई विधायक और सांसद मौजूद हैं, लेकिन वे ट्रेनिंग सत्र का हिस्सा नहीं हैं। बताया जा रहा है कि राहुल गांधी संगठनात्मक ढांचे, जमीनी स्तर पर कार्यकर्ताओं की भूमिका और आगामी राजनीतिक रणनीति को लेकर जिला अध्यक्षों से सीधे संवाद कर रहे हैं। सूत्रों की मानें तो राहुल गांधी का जोर जिला स्तर पर मजबूत नेतृत्व तैयार करने और संगठन को नए सिरे से सक्रिय करने पर है। ट्रेनिंग कैंप के बाद राहुल गांधी शाम को कुरुक्षेत्र के ब्रह्मसरोवर में आयोजित आरती में भी शामिल हो सकते हैं।

एआई अब दूरसंचार के भविष्य के साथ वर्तमान की जरूरत भी: ट्राई

एजेंसी। नई दिल्ली

दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) और भारतीय सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क (एसटीपीआई) द्वारा बुधवार को आयोजित सम्मेलन में बताया गया कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) से ग्राहक अनुभव बेहतर हो रहा है और पारदर्शिता व उपभोक्ता विश्वास बनाए रखने के लिए जिम्मेदार एआई ढांचे की जरूरत है। केंद्रीय संचार मंत्रालय के अनुसार, कार्यक्रम में ट्राई अध्यक्ष अनिल कुमार लाहोटी, सदस्य ऋतु रंजन मित्तर और डॉ. एमपी तंगिराला, सचिव अतुल कुमार चौधरी, एसटीपीआई महानिदेशक अरविंद कुमार तथा आईआईटी गांधीनगर निदेशक प्रो. राजत मूना मौजूद रहे। एसटीपीआई महानिदेशक अरविंद कुमार ने कहा कि पहले नेटवर्क को केवल पाइप कहा जाता था, लेकिन अब कृत्रिम बुद्धिमत्ता की वजह से यह "बुद्धिमान पाइप" बन गया है। ट्राई सचिव अतुल कुमार चौधरी ने कहा कि एआई से सेवा की गुणवत्ता बेहतर होगी और इसके लिए उचित नियम कानून आवश्यक हैं। ट्राई अध्यक्ष अनिल कुमार लाहोटी ने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता भविष्य की बात नहीं है बल्कि दूरसंचार का आधार बन चुकी है। नेटवर्क स्वचालन से लेकर स्पैम कॉल रोकने तक, एआई पहले ही सेवाओं को बदल रहा है। इसका प्रयोग पारदर्शी, जिम्मेदार और निष्पक्ष तरीके से होना चाहिए ताकि उपभोक्ता का विश्वास बना रहे। कार्यक्रम में इस बात पर सहमति बनी कि दूरसंचार क्षेत्र में तेजी से कृत्रिम बुद्धिमत्ता के प्रयोग को देखते हुए इसके लिए सुरक्षित तैनाती, स्वदेशी शोध और क्षमता निर्माण पर ध्यान देना होगा। तकनीकी चर्चाओं में बताया गया कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता से नेटवर्क की देखभाल, यातायात प्रबंधन और गड़बड़ी पहचान आसान हो रही है। विशेषज्ञों ने कहा कि 5जी और फाइबर नेटवर्क में एआई की मदद से कंपनियां अब केवल प्रतिक्रिया देने वाली नहीं बल्कि भविष्यवाणी करने वाली और स्वयं सुधार करने वाली प्रणालियां बना रही हैं। एक अन्य सत्र में जिम्मेदार एआई पर विचार हुआ जिसमें बताया गया कि एआई आधारित विश्लेषण और सुझाव इंजन से ग्राहकों को बेहतर योजनाएं, स्मार्ट डेटा पैक और लक्षित प्रस्ताव दिए जा रहे हैं।

पीएम ने मेघालय, मणिपुर और त्रिपुरा के राज्य स्थापना दिवस पर दी शुभकामनाएं

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को मेघालय, मणिपुर और त्रिपुरा के राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर इन राज्यों के लोगों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि इन राज्यों ने देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है और आगे भी प्रगति के नए शिखर छुएं, यही कामना है। प्रधानमंत्री ने आज एक्स पोस्ट पर मेघालय के लोगों को बधाई देते हुए कहा कि राज्य की सांस्कृतिक जीवंतता और प्राकृतिक सुंदरता देश-विदेश में सराही जाती है। उन्होंने विश्वास जताया कि मेघालय भविष्य में विकास की नई ऊंचाइयों को छुएगा। प्रधानमंत्री ने मणिपुर राज्य के लोगों से कहा कि मणिपुर के लोग भारत की प्रगति में अहम भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने खेल, संस्कृति और प्रकृति के प्रति राज्य के जुनून की सराहना की और मणिपुर के निरंतर विकास की कामना की। त्रिपुरा के लोगों को बधाई देते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि राज्य की यात्रा परंपरा और आधुनिकता के सुंदर संगम से परिपूर्ण रही है।

Mfg & mkt by.. ANGEN PHARMACEUTICALS (OPC) PRIVATE LIMITED

Distributorship ke liye contact Karen .
(9315755133 / ya email Karen)
angenpharmaceuticals@gmail.com

ख़ास ख़बर

कैबिनेट ने अटल पेंशन योजना को 2031 तक जारी रखने को दी मंजूरी

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। सरकार ने बुधवार को अटल पेंशन योजना (एपीवाई) को वित्त वर्ष 2030-31 तक जारी रखने का फैसला किया तथा इसके प्रचार, विकासात्मक गतिविधियों और अंतर वित्तपोषण के लिए सरकारी सहायता बढ़ाने को मंजूरी दी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में लिये गये इस निर्णय से असंगठित क्षेत्र के करोड़ों श्रमिकों को वृद्धावस्था में नियमित आय सुरक्षा सुनिश्चित होगी। कैबिनेट के फैसले के अनुसार योजना को 2030-31 तक जारी रखा जाएगा। इसके अंतर्गत सरकार द्वारा असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों तक योजना की पहुंच बढ़ाने के लिए जनजागरूकता, क्षमता निर्माण जैसी प्रचार एवं विकासात्मक गतिविधियों के लिए सहायता दी जाएगी। साथ ही योजना की वित्तीय स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक अंतर वित्तपोषण भी उपलब्ध कराया जाएगा। इस योजना के विस्तार से कम आय वर्ग और असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को वृद्धावस्था में आर्थिक सुरक्षा मिलेगी। इससे वित्तीय समावेशन को बढ़ावा मिलेगा और देश को पेंशन आधारित समाज की दिशा में आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी। यह निर्णय विकसित भारत 2047 के लक्ष्य के अनुरूप एक मजबूत और टिकाऊ सामाजिक सुरक्षा ढांचे को सुदृढ़ करेगा। अटल पेंशन योजना की शुरुआत 9 मई 2015 को असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को वृद्धावस्था में आय सुरक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से की गई थी। योजना के तहत 60 वर्ष की आयु के बाद 1 हजार रुपये से 5 हजार रुपये तक की सुनिश्चित मासिक पेंशन का प्रावधान है, जो अंशदान पर आधारित है। 19 जनवरी 2026 तक योजना के अंतर्गत 8.66 करोड़ से अधिक अभिदाता जुड़ चुके हैं, जिससे यह देश की समावेशी सामाजिक सुरक्षा व्यवस्था की एक महत्वपूर्ण कड़ी बन चुकी है। योजना की निरंतर सफलता और दीर्घकालिक स्थिरता के लिए सरकारी सहायता का विस्तार आवश्यक माना गया है।

दिल्ली भाजपा ने सौरभ भारद्वाज को पदमुक्त करने और एससी-एसटी समाज से की माफी की मांग

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने आम आदमी पार्टी (आआपा) के प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज के एक बयान को लेकर कड़ी आपत्ति जताते हुए कहा है कि यह बयान बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर, उनके द्वारा निर्मित संविधान और देश के अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति समाज का अपमान है। उन्होंने मांग की कि आम आदमी पार्टी सौरभ भारद्वाज को तत्काल पदमुक्त करे और देश के एससी-एसटी समाज से सार्वजनिक रूप से माफी मांगे। बुधवार को पत्रकारों से बातचीत में वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि चुनावी हार से हताश आम आदमी पार्टी के नेता रोजाना विवादित बयान देकर सुर्खियों में बने रहना चाहते हैं। इसी क्रम में सौरभ भारद्वाज ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा भाजपा के नवनिर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन के स्वागत भाषण पर टिप्पणी की, जो निंदनीय है। सचदेवा ने विशेष रूप से सौरभ भारद्वाज के पत्रकार वार्ता की अंतिम पंक्ति पर आपत्ति जताते हुए कहा कि इसमें एनडीए सरकार के कार्यकाल में हुई राष्ट्रपति नियुक्तियों पर आपत्तिजनक टिप्पणी की गई है। उन्होंने भारद्वाज के बयान का हवाला देते हुए कहा कि यहां तक कि राष्ट्रपति के पद पर भी ढूंढ़-ढूंढ़ कर ऐसे लोग बिठाए, जिनके सामने मोदी एकमात्र बड़े नेता दिखें। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि एनडीए शासन के दौरान पहले डॉ. प्रणब मुखर्जी राष्ट्रपति रहे, जिनके साथ सरकार के सौहार्दपूर्ण संबंध थे। इसके बाद एनडीए सरकार ने संविधान निर्माता बाबा साहब अम्बेडकर की भावनाओं का सम्मान करते हुए अनुसूचित जाति से आने वाले डॉ. रामनाथ कोविंद और अनुसूचित जनजाति से आने वाली द्रौपदी मुर्मु को राष्ट्रपति पद पर आसीन किया। सचदेवा ने आरोप लगाया कि अरविंद केजरीवाल के इशारे पर दिया गया सौरभ भारद्वाज का यह बयान न केवल राष्ट्रपति पद की गरिमा के खिलाफ है, बल्कि यह एससी-एसटी समाज का भी अपमान है। उन्होंने कहा कि दिल्ली भाजपा इस बयान की कड़ी निंदा करती है और आम आदमी पार्टी से तत्काल कार्रवाई की मांग करती है।

नितिन नवीन की अध्यक्षता में हुई पदाधिकारियों की अहम बैठक, चुनावी राज्यों पर रहा फोकस

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नवनियुक्त राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने बुधवार को पार्टी मुख्यालय में पार्टी के सभी पदाधिकारियों और प्रदेश अध्यक्षों के साथ महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में पार्टी की संगठनात्मक मजबूती और भविष्य की रणनीति पर राज्य अध्यक्षों, राष्ट्रीय सचिवों के साथ गहन मंथन किया गया। सुबह साढ़े दस बजे शुरू हुई बैठक शाम पांच बजे तक चली। बैठक में चुनावी राज्यों के प्रदेश अध्यक्ष के साथ राष्ट्रीय महासचिव भी मौजूद रहे। बैठक में हाल ही में संपन्न संगठन पर्व, सदस्यता अभियान और पार्टी की आंतरिक लोकतांत्रिक प्रक्रिया की समीक्षा भी की गई। प्रदेश अध्यक्षों ने अपने राज्यों में संगठन पर्व के दौरान हुए कार्यों, कार्यकर्ता सम्मेलन और प्रशिक्षण कार्यक्रमों की जानकारी दी। बैठक के बाद मीडिया से बातचीत में भाजपा के महासचिव अरुण सिंह ने बताया कि बैठक में संगठन और अधिक मजबूत करने पर जोर दिया गया। बैठक में आगामी विधानसभा चुनावों को ध्यान में रखते हुए चुनावी रणनीति पर भी चर्चा हुई। जमीनी फीडबैक, क्षेत्रीय मुद्दों और विपक्ष की रणनीतियों का विश्लेषण किया गया। बूथ और मंडल स्तर को और अधिक मजबूत करने पर जोर दिया गया। उन्होंने कहा कि भाजपा की सरकार पश्चिम बंगाल में बन रही है और असम में भी दोबारा आ रही है। केरल और तमिलनाडु में भी भाजपा सरकार बनाने जा रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में अलग-अलग राज्यों में भाजपा तेजी से आगे बढ़ रही है। स्थानीय स्तर पर सभी एनडीए के साथियों की प्रचंड जीत हुई है। राष्ट्रीय पदाधिकारियों की बैठक संपन्न होने के बाद पार्टी नेता अपराजिता सारंगी ने कहा कि सभी पदाधिकारियों को कई निर्देश दिए गए हैं। अध्यक्ष नितिन नवीन ने स्पष्ट रूप से दो बिंदुओं पर जोर दिया। पहला, हमें बहुत मेहनत करनी होगी और सख़्त निगरानी सुनिश्चित करनी होगी ताकि बूथ स्तर से लेकर राज्य स्तर तक सभी निर्देशों का सही तरीके से पालन हो और सभी योजनाओं का प्रभावी ढंग से क्रियान्वयन हो सके। दूसरा, उन्होंने कहा कि सभी को जिम्मेदारियां सौंपी जानी चाहिए और समाज के सभी वर्गों के लोगों को इसमें शामिल किया जाना चाहिए।

दिल्ली कंज्यूमर फोरम ने एयर इंडिया को दिया खराब सर्विस के लिए 1.5 लाख रुपये का मुआवजा देने का आदेश

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। टाटा की अगुवाई वाली एयर इंडिया एयरलाइन को दिल्ली-न्यूयॉर्क फ्लाइट में खराब सीटों, गंदे वॉशरूम और खराब खाने की वजह से यात्रियों को हुए मानसिक कष्ट के लिए 1.5 लाख रुपये का मुआवजा देने का आदेश दिया गया है। दिल्ली जिला उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग ने पिता-पुत्री को यह राशि देने का निर्देश दिया है, एयरलाइन ने आरोपों को बेबुनियाद बताया था। कंज्यूमर फोरम ने एयर इंडिया को साल 2023 में उसकी दिल्ली-न्यूयॉर्क उड़ान में टूटी हुई सीटें, गंदे वॉशरूम और खराब खानपान सेवा के साथ भयावह हालात का सामना करने का आरोप लगाने वाले एक पिता-पुत्री को 'मानसिक यातना और उत्पीड़न' के लिए 1.5 लाख रुपये का मुआवजा देने का आदेश दिया है। दिल्ली जिला उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग ने एयर इंडिया को दोनों यात्रियों को कुल 1.5 लाख रुपये देने का आदेश दिया है। हालांकि, एयरलाइन ने इन सभी आरोपों को बेबुनियाद बताया था। एयरलाइन ने ये दावा किया था कि शिकायत करने वालों ने एयर इंडिया से 'गलत तरीके से फायदा उठाने' के लिए 'बेबुनियाद आरोप' लगाए थे।

MRI गाइडेड वैक्यूम-असिस्टेड ब्रेस्ट बायोप्सी से स्तन कैंसर की शुरुआती पहचान में क्रांति

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली : अपोलो एथेना महिला कैंसर केंद्र स्तन कैंसर की जल्दी और अधिक सटीक पहचान की दिशा में एक बड़ा कदम उठा रहा है। यहाँ अब MRI गाइडेड वैक्यूम-असिस्टेड ब्रेस्ट बायोप्सी (MRI-Guided VABB) की सुविधा उपलब्ध है। यह एक आधुनिक, कम चीरा लगाने वाली (मिनिमली इनवेसिव) जांच तकनीक है, जिससे डॉक्टर स्तन कैंसर को बहुत शुरुआती अवस्था—स्टेज 0 या स्टेज 1 में ही पहचान और पुष्टि कर सकते हैं, जब बीमारी अभी छोटी होती है, कोई लक्षण नहीं होते और इलाज सबसे प्रभावी होता है। अध्ययनों से पता चलता है कि लगभग हर तीन में से एक महिला में मैमोग्राफी के दौरान कैंसर छूट सकता है। जिन महिलाओं के स्तन घने (डेंस ब्रेस्ट) होते हैं, उनमें यह खतरा और भी अधिक होता है—ऐसे मामलों में 50% तक कैंसर पहचान में नहीं आ पाते। ये कैंसर बिना गांठ, बिना दर्द और बिना किसी लक्षण के चुपचाप बढ़ते रहते हैं, और सामान्य जांचों से पकड़ में नहीं आते। यह समस्या भारत में और भी गंभीर है, क्योंकि यहाँ कम उम्र की महिलाओं में स्तन कैंसर तेजी से बढ़ रहा है, और अक्सर पश्चिमी देशों की तुलना में लगभग 10 साल पहले इसका पता चलता है। दुर्भाग्य से, कई मामलों में बीमारी तब सामने आती है जब वह काफी आगे बढ़ चुकी होती है, जिससे इलाज लंबा, कठिन और परिणामों पर असर डालने वाला हो जाता है। डॉ. प्रीथा रेड्डी, एग्जीक्यूटिव वाइस चेयरपर्सन, अपोलो हॉस्पिटल्स ग्रुप ने कहा, "एशिया के पहले समर्पित महिला कैंसर केंद्र—अपोलो एथेना—में भारत की पहली उन्नत MRI गाइडेड वैक्यूम-असिस्टेड ब्रेस्ट बायोप्सी की शुरुआत महिलाओं के कैंसर इलाज में एक ऐतिहासिक बदलाव है। इससे पूरे ब्रेस्ट डायग्नोस्टिक सिस्टम को अधिक सटीकता, तेज़ी और भरोसे के साथ मजबूत किया गया है। हमारा उद्देश्य है हर महिला को समय पर, कम तकलीफ वाला इलाज और बेहतर जीवन की संभावना देना।" अपोलो एथेना निवारक स्क्रीनिंग और उन्नत निदान से लेकर सर्जिकल ऑन्कोलॉजी, स्तन ऑन्कोप्लास्टी, प्रजनन क्षमता संरक्षण और रीकंस्ट्रक्टिव केयर तक, महिलाओं के लिए व्यापक कैंसर देखभाल प्रदान करता है। यह अस्पताल बहु-विषयक विशेषज्ञता और परिशुद्ध ऑन्कोलॉजी की सहायता से पोषण, फिजियोथेरेपी, ऑन्को-साइकोलॉजी और उपशामक देखभाल भी प्रदान करता है, जहाँ निरंतर सेवा के साथ-साथ महिलाओं के स्वास्थ्य, गरिमा और कल्याण को सर्वोपरि रखा जाता है। पर लॉग इन करें:: https://www.apollohospitals.com/hospitals/apollo-athenaa-womens-cancer-centre

चोरी के मामले में आरोपित गिरफ्तार

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। पश्चिम जिले के सुभाष नगर पुलिस चौकी टीम ने तीन अलग-अलग चोरी के मामलों का खुलासा करते हुए एक शातिर अपराधी को गिरफ्तार किया है। आरोपित के कब्जे से दो चोरी के दोपहिया वाहन और एक चोरी का मोबाइल फोन बरामद किया है। जांच में पता चला है कि आरोपित पहले भी आठ आपराधिक मामलों में संलिप्त रह चुका है। पश्चिमी जिले के पुलिस उपायुक्त दराडे शरद भास्कर ने बुधवार को जानकारी देते हुए बताया कि इलाके में बढ़ती आपराधिक घटनाओं को देखते हुए राजौरी गार्डन थाना पुलिस को विशेष रूप से शाम और रात के समय गश्त तेज करने तथा सक्रिय व फरार अपराधियों पर नजर रखने के निर्देश दिए गए थे। इसी क्रम में सुभाष नगर पुलिस चौकी के प्रभारी एसआई विक्रांत सिंह की देखरेख में पुलिस टीम ने 19 जनवरी की रात सुभाष नगर के पास गश्त के दौरान एक व्यक्ति को संदिग्ध परिस्थितियों में स्कूटी घसीटते हुए देखा। पुलिस ने उसे रुकने का इशारा किया, लेकिन वह भागने की कोशिश करने लगा। भागते समय वह फिसलकर गिर पड़ा और कुछ ही दूरी पर पुलिस ने उसे दबोच लिया। जांच में स्कूटी राजौरी गार्डन थाने से चोरी की पाई गई। आरोपित की तलाशी लेने पर उसके पास से एक सैमसंग मोबाइल फोन भी बरामद हुआ, जो 13 दिसंबर 2025 को विकासपुरी थाने में दर्ज चोरी के मामले से संबंधित

निकला। पुलिस उपायुक्त के अनुसार पकड़े गए आरोपित की पहचान रघुबीर नगर निवासी रवि (35) के रूप में हुई है। पूछताछ के दौरान आरोपित की निशानदेही पर एक और चोरी की मोटरसाइकिल बरामद की गई, जो 29 नवंबर 2025 को आदर्श नगर थाने में दर्ज चोरी के मामले में शामिल थी। सभी बरामद सामान को मालखाने में जमा करा दिया गया है। पुलिस के अनुसार, आरोपित रवि पहले भी डकैती, आर्म्स एक्ट, धोखाधड़ी और चोरी सहित कुल आठ आपराधिक मामलों में शामिल रहा है।

मनरेगा कानून को खत्म किए जाने के विरोध में दिल्ली में जुटेंगे देशभर के मनरेगा कार्यकर्ता

लोकतंत्र की शान ,संवाददाता जीशान अली

नई दिल्लीः मोदी सरकार द्वारा मनरेगा कानून को खत्म किए जाने के विरोध में कांग्रेस 22 जनवरी को दिल्ली के जवाहर भवन में देशभर के मनरेगा कार्यकर्ताओं के राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन करेगी। कांग्रेस कार्यालय में पत्रकार वार्ता करते हुए रचनात्मक कांग्रेस के अध्यक्ष संदीप दीक्षित ने कहा कि जवाहर भवन में सुबह 10 बजे से दोपहर लगभग डेढ़ बजे तक आयोजित होने वाले इस सम्मेलन में 20-25 राज्यों से करीब 300-400 मनरेगा श्रमिक शामिल होंगे। ये मजदूर स्वेच्छा से आ रहे हैं और अपने-अपने क्षेत्रों की मनरेगा साइट्स से एक-एक मुट्ठी मिट्टी साथ लाएंगे। इन सभी मिट्टियों को एकत्र कर एकजुट संघर्ष का प्रतीकात्मक संदेश दिया जाएगा। कार्यक्रम में मनरेगा से जुड़े लोग अपने अनुभव साझा करेंगे, नए कानून की कमियों पर चर्चा करेंगे और आगे के संघर्ष की रणनीति तय करेंगे। उन्होंने बताया कि यह आयोजन रचनात्मक कांग्रेस के मंच के तहत किया जा रहा है। दीक्षित ने बताया कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी भी इस कार्यक्रम में शामिल होंगे तथा मनरेगा कार्यकर्ताओं से सीधा संवाद करेंगे। इसके अलावा कई वरिष्ठ नेता, कांग्रेस-शासित राज्यों के ग्रामीण विकास मंत्री और संसद की संबंधित समितियों के पूर्व व वर्तमान सदस्य सांसद भी अपनी बात रखेंगे। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा मनरेगा को कमज़ोर कर उसकी जगह वीबी ग्राम जी कानून लाए जाने के विरोध में कांग्रेस देश भर में 'मनरेगा बचाओ संग्राम' चला रही है। दीक्षित ने याद दिलाया कि मनरेगा कार्यक्रम कोविड काल में लाखों-करोड़ों लोगों के लिए संजीवनी साबित हुआ था। उन्होंने बताया कि कांग्रेस ने तमाम ऐसी संस्थाओं से संवाद किया जो किसानों और मजदूरों के अधिकारों के लिए काम करती रही हैं। इसमें इन चर्चाओं में एक ही बात सामने आई है कि लोगों के अधिकार छीने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार अधिकार-आधारित मनरेगा कार्यक्रम की जगह इसे रहम-राहत आधारित योजना बनाने पर तुली है।

जमाअत के मर्कज़ी तालीमी बोर्ड ने इलाहाबाद हाई कोर्ट के फैसले का स्वागत किया

लोकतंत्र की शान ,संवाददाता मुदस्सर अली

नई दिल्लीः जमाअत-ए-इस्लामी हिंद के मर्कज़ी तालीमी बोर्ड (MTB) ने इलाहाबाद हाई कोर्ट (लखनऊ बेंच) के 16 जनवरी, 2026 के हालिया फैसले का स्वागत किया जिसमें अल्पसंख्यक शैक्षणिक संस्थान के संवैधानिक अधिकारों को बरकरार रखा गया है। साथ ही उत्तर प्रदेश में गैर-मान्यता प्राप्त मदरसों के काम करने के बारे में कानूनी स्थिति को को भी स्पष्ट कर गया। फ़ैसले के प्रसंग से जमाअत-ए-इस्लामी हिंद के मर्कज़ी तालीमी बोर्ड के सेक्रेटरी सैयद तनवीर अहमद ने कहा कि हाई कोर्ट के इस फ़ैसले का अल्पसंख्यक शिक्षा पर दूरगामी असर होगा। उन्होंने कहा कि यह फ़ैसला भारत के संविधान के अनुच्छेद 30 की आत्मा को सुदृढ़ करता है, जो धार्मिक और भाषाई अल्पसंख्यक को अपनी शैक्षिक संस्था स्थापित करने और प्रबंधन का अधिकार देता है। उन्होंने देश भर के मदरसों के व्यवस्थापकों को भी अपनी शुभकामनाएं दीं। माननीय अदालत ने एक ऐसे सरकारी आदेश को रद्द कर दिया है जिसमें एक गैर-मान्यता प्राप्त मदरसे को बंद करने और सील करने का आदेश दिया गया था। अदालत ने साफ़ किया कि ऐसा कोई कानूनी नियम नहीं है जो संबंधित अधिकारियों को सिर्फ़ मंज़ूरी न मिलने के आधार पर मदरसे को बंद करने का अधिकार देता हो। कोर्ट ने साफ़ तौर पर कहा कि जो अल्पसंख्यक शैक्षणिक संस्थान सरकारी मदद या औपचारिकताओं को पूरी नहीं करते हैं, वे संविधान के आर्टिकल 30(1) के तहत सुरक्षा के हकदार हैं।

पोलो एलिवेटर्स को मिला 'द ग्रेट खली' का साथ, मजबूती, सुरक्षा और भरोसे का प्रतीक

लोकतंत्र की शान

नई दिल्लीः एलिवेटर सेक्टर में भारत की जानी-मानी और भरोसेमंद कंपनी पोलो एलिवेटर्स ने दुनिया के मशहूर रेसलर 'द ग्रेट खली' को अपना नया ब्रांड एंबेसडर बनाया है। इस कदम से ब्रांड अपनी कैंपेन को "नो झटके, ओनली हटके" टैगलाइन के साथ और मज़बूत करने जा रहा है। यह टैगलाइन पोलो एलिवेटर्स की बेजोड़ ताकत, भरोसेमंद और सुरक्षा को दर्शाती है। एलिवेटर इंडस्ट्री में मशहूर नाम 'पोलो एलिवेटर्स' ने अपनी पहचान मज़बूत इंजीनियरिंग, सटीक मैन्युफैक्चरिंग और कस्टमर-सेंट्रिक इनोवेशन पर ज़ोर देकर बनाई है। कंपनी रेजिडेंशियल, कमर्शियल, हॉस्पिटल, हाई-राइज़ और प्रीमियम आर्किटेक्चरल जगहों के लिए एलिवेटर डिज़ाइन, मैन्युफैक्चर, इंस्टॉल और सर्विस करती है। पोलो एलिवेटर्स के हर एलिवेटर को स्मूथ परफॉर्मेंस, एडवांस्ड सुरक्षा और लंबे समय तक चलने के लिए बनाया गया है। रीजेनरेटिव ड्राइव, स्मार्ट कंट्रोल, हाई-ग्रेड मटीरियल और कड़े मल्टी-स्टेज टेस्टिंग जै सी अत्याधुनिक सुविधाओं के साथ पोलो एलिवेटर्स भारतीय एक्सपर्टीज पर आधारित वर्ल्ड क्लास क्वालिटी को प्रदान करता है।

पोलो एलिवेटर्स के बारे मे-पोलो एलिवेटर्स कस्टमाइज़्ड वर्टिकल मोबिलिटी सॉल्यूशंस के मामले में भारत के सबसे भरोसेमंद कंपनियों में से एक है। यह कंपनी एडवांस्ड इंजीनियरिंग को डिज़ाइन-आधारित कारीगरी के साथ मिलाकर एलिवेटर्स बनाती है। मेक इन इंडिया कंपनी के तौर पर पोलो एलिवेटर्स खास तौर पर बनाए गए रेजिडेंशियल और कमर्शियल एलिवेटर्स में माहिर है। कंपनी अपने एलिवेटर्स में सुरक्षा, सुंदरता और परफॉर्मेंस को प्राथमिकता देती हैं। अपनी पेटेंटेड सेल्फ-सपोर्टिंग एलिवेटर टेक्नोलॉजी, एनर्जी एफिशिएंट सिस्टम और प्रीमियम मैटेरियल के इस्तेमाल के लिए जानी जाने वाली यह कंपनी सख्त क्वालिटी स्टैंडर्ड्स के साथ फ्यूचर रेडी सॉल्यूशंस देती है। एक अत्याधुनिक मैन्युफैक्चरिंग फैसिलिटी और सस्टेनेबिलिटी पर मज़बूत फोकस के साथ पोलो एलिवेटर्स इनोवेशन, विश्वसनीयता और कस्टमर-सेंट्रिक डिज़ाइन में नए बेंचमार्क स्थापित कर रहा है।

मेहनत जब रंग लाती है

लोकतंत्र की शान : रामचरण अपनी फिटनेस और मेहनत से सबको प्रेरित कर रहे हैं। रोज़ाना कड़ी वर्कआउट और अनुशासन के साथ वह साबित कर रहे हैं कि सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता—एक-एक कदम, एक-एक पसीने की बूंद के साथ।

बजट सत्र में पेश हो सकता है लागत-अनुरूप प्रावधानों वाला विद्युत संशोधन विधेयकः मनोहर लाल

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। केंद्रीय विद्युत मंत्री मनोहर लाल ने बुधवार को कहा कि आगामी बजट सत्र में विद्युत (संशोधन) विधेयक 2025 पेश किया जा सकता है। इस विधेयक का उद्देश्य संघीय संतुलन बनाए रखना, सहकारी संचालन को बढ़ावा देना, स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को प्रोत्साहित करना और क्षेत्र की दक्षता में सुधार करना भी है।केंद्रीय विद्युत मंत्री ने नई दिल्ली में आयोजित अखिल भारतीय बिजली वितरण कंपनियों के संघ (एआईडीए) के पहले वार्षिक सम्मेलन 'ईडीआईसीओएन 2026' के दौरान पूछे गए एक सवाल के जवाब में यह बात कही। मनोहर लाल ने इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि बिजली आपूर्ति मूल्य श्रृंखला- उत्पादन, पारेषण एवं वितरण में बिजली वितरण कंपनियां एक अहम कड़ी हैं। मनोहर लाल ने कहा कि "आने वाले समय में पावर सेक्टर बहुत बड़ा होने वाला है और बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था को ऐसे पावर सेक्टर की जरूरत है, जो आज हमारी सोच से कहीं ज्यादा मज़बूत हो। ऐसे हालात में हमारे बिजली वितरण कंपनियों (डिस्कॉम) का मजबूत, समृद्ध और फाइनेंशियली पावरफुल होना बहुत जरूरी है।'' केंद्रीय विद्युत मंत्री ने कहा कि बिजली वितरण कंपनियां उपभोक्ताओं को प्रत्यक्ष रूप से 'बी2सी' (व्यवसाय-से-उपभोक्ता) सेवाएं प्रदान करती हैं और सेवा गुणवत्ता तथा अन्य मुद्दों पर ग्राहकों की शिकायतें सबसे पहले इन्हीं के पास आती हैं। मनोहर लाल ने कहा, "हम बिजली वितरण कंपनियों के घाटे को कम करने के लिए लागत-अनुरूप शुल्क का प्रावधान ला रहे हैं। इसमें बिजली आपूर्ति से जुड़ी सभी लागतों को शुल्क में शामिल किया जाएगा, जिससे बिजली वितरण कंपनियों के घाटे कम होंगे। यह विधेयक संसद के इस (बजट) सत्र में लाया जा सकता है। इसके सुचारु पारित होने के लिए सहमति बनाने का प्रयास किया जाएगा।'' उन्होंने बताया कि मसौदा राष्ट्रीय विद्युत नीति 2026 में भी बिजली वितरण कंपनियों (डिस्कॉम) के घाटे तथा कर्ज को कम करने के लिए लागत-अनुरूप शुल्क का प्रावधान किया गया है। विद्युत मंत्रालय ने हितधारकों से इस पर सुझाव मांगे हैं। मंत्री ने कहा कि लागत-अनुरूप शुल्क से बिजली वितरण कंपनियों को लाभ कमाने में मदद मिलेगी जिसका उपयोग 'क्रॉस-सब्सिडी' के लिए किया जा सकता है। हालांकि, उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि 'क्रॉस-सब्सिडी' नियमों के अनुसार ही दी जानी चाहिए। विद्युत मंत्री मनोहर लाल बिजली वितरण कंपनियों (डिस्कॉम) के घाटे को कम करने के लिए लागत-अनुरूप शुल्क की अवधारणा को विद्युत संशोधन विधेयक में शामिल किया गया है। इसे आगामी बजट सत्र में पेश किया जा सकता है। देश में लंबे समय से कर्ज में डूबी और घाटे में चल रही बिजली वितरण कंपनियों की पृष्ठभूमि में लागत-अनुरूप शुल्क का महत्व बढ़ जाता है। उन्होंने एआईडीए की अवॉर्ड पहल की तारीफ की और फिर से कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के गतिशील नेतृत्व में, हम एक मज़बूत, टिकाऊ और भविष्य के लिए तैयार डिस्ट्रीब्यूशन इकोसिस्टम के लिए प्रतिबद्ध हैं।

संक्षिप्त समाचार

हसनपुर चीनी मिल द्वारा फैल रहे प्रदूषण से किसान परेशान, जी एम को ज्ञापन सौंपा

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहाः हसनपुरः बुधवार को भारतीय किसान यूनियन ,(भारत भूमि) ने क्षेत्र की कला खेड़ा चीनी मिल दी किसान सहकारी चीनी मिल के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए फैक्ट्री द्वारा फैलाए जा रहे प्रदूषण से हो रहे नुकसान का आरोप लगाते हुए एक ज्ञापन मिल के जी. एम. को सौंपा, बुधवार को संगठन के जिला अध्यक्ष शमशेर अली सैफी के नेतृत्व में चीनी मिल के जी एम गुलशन कुमार को यूनियन के कार्यकर्ताओं ने ज्ञापन सोपा, जिसमें आरोप लगाया कि चीनी मिल से निकलने वाली राख (छाई) से आसपास के वातावरण में भारी प्रदूषण फैल रहा है उनका कहना है कि मिल प्रबंधन को बार-बार अवगत कराने के बावजूद इस पर नियंत्रण नहीं पाया जा सका किसानों ने यह भी बताया कि मिल द्वारा किए जा रहे दीवार निर्माण के कार्य के दौरान कई किसानों की खाड़ी फैसले नष्ट हो गई है इससे किसानों को भारी आर्थिक नुकसान हुआ है वही ज्ञापन में चीनी मिल से निकलने वाली राख व छाई पर तत्काल रोक लगाने की मांग की गई है इसके साथी नष्ट हुई फसलों का उचित मुआवजा किसानों को दिलाने और किसानों के हितों को ध्यान में रखते हुए मिल प्रबंधन से अपनी नीतियों में सुधार करने की अपील की गई है वही यूनियन ने चेतावनी दी है कि यदि किसानों की समस्याओं को जल समाधान नहीं किया गया तो संगठन उग्र आंदोलन के लिए वाद्य होगा इस मौके पर शमशेर अली सैफी मोहम्मद फरीद डॉक्टर मिंटू सिंह सादुल्लाह शहाबुद्दीन अली मोहम्मद नन्हे सिंह नदीम सैफी इश्तियाक मोहम्मद फरीद मारूफ प्रधान आदि सहित दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद रहे

कानपुर से गिरफ्तार 50 हजार का ईनामी राम सागर

लोक तंत्र की शान : लखनऊ। उत्तर प्रदेश की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने 50 हजार के ईनामी बदमाश को कानपुर के जाजमऊ इलाके से गिरफ्तार किया है। अभियुक्त गैंगस्टर एक्ट के मामले में जाजमऊ थाने से वांछित था। पुलिस उपाधीक्षक धर्मेश कुमार शाही ने बुधवार देर शाम को बताया कि ईनामी बदमाशों की धर पकड़ के लिए अभियान चलाया जा रहा हैं। इसी दौरान सूचना मिली कि 50 हजार का ईनामी बदमाश जाजमऊ स्थित पुरानी चुंगी चौराहे के पास किसी से मिलने यहां आया है। इस सटीक सूचना पर एसटीएफ के निरीक्षक राघवेन्द्र सिंह ने घेराबंदी कर वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया। अभियुक्त की पहचान आजमगढ़ जिले हैंगापुर ग्राम निवासी राम सागर यादव के रूप में हुई है। पूछताछ में उसने बताया कि वह 2010 से अवैध गांजा की तस्करी कर रहा है। 2010 में ही पहली बार 2.60 कुंतल गांजा के साथ आजमगढ़ से गिरफ्तार हुआ था, जिसमें वह जेल भी गया था। जमानत पर रिहा होने के बाद फिर वह आजमगढ़ के रौनापुर थाना क्षेत्र में एक मामले में जेल गया था। इसके बाद जाजमऊ थाना से एक मामले में वह वांछित था। उसकी गिरफ्तारी के लिए 50 हजार रुपये का ईनाम रखा गया था। एसटीएफ ने अग्रिम कार्रवाई के लिए अभियुक्त को कानपुर के जाजमऊ पुलिस के सुपुर्द किया हैं।

बरेली प्रीमियर टी-20 क्रिकेट लीग का बिगुल

लोक तंत्र की शान : बरेली। शकुंतला देवी की स्मृति में आयोजित सातवीं बरेली प्रीमियर टी-20 प्राइजमनी क्रिकेट लीग का आयोजन 23 से 30 जनवरी तक निशांत पटेल स्पोर्ट्स स्टेडियम (जीपी), दोहरा रोड पर किया जाएगा। प्रतियोगिता का शुभारम्भ 23 जनवरी को सुबह 9 बजे से होगा। आयोजन को लेकर हुई पत्रकार वार्ता में अध्यक्ष सुनील सक्सेना और सचिव प्रशांत रायजादा ने बताया कि हर साल की तरह इस बार भी लीग का आयोजन पूरे जोश और भव्यता के साथ किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रतियोगिता में कुल 12 टीमें भाग लेंगी, जिनमें स्थानीय टीमों को भी मौका दिया गया है। लीग के विजेता को एक लाख रुपये जबकि उपविजेता टीम को 50 हजार रुपये की प्राइजमनी दी जाएगी। सभी टीमें कलर किट में मैदान पर उतरेंगी, जो आयोजन समिति की ओर से उपलब्ध कराई जाएंगी। यह लीग बरेली क्रिकेट एसोसिएशन से संबद्ध है। आयोजकों ने बताया कि इस लीग से कई बड़े खिलाड़ी निकलकर सामने आए हैं। पूर्व में यहां आईपीएल खिलाड़ी समीर रिजवी, आर्यन जुयाल, दीक्षांशु नेगी समेत रणजी स्तर के मो. कैफ, अनूप अहलावत, मयंक मिश्रा, सौरभ रावत, सागर रावत, सत्यम सांगू, शिवम शर्मा और शिवा सिंह जैसे नामचीन खिलाड़ी अपना हुनर दिखा चुके हैं। इस बार भी युवा क्रिकेटरों से शानदार प्रदर्शन की उम्मीद है। पत्रकार वार्ता में मीडिया प्रभारी विवेक मिश्रा, संरक्षक संजय सक्सेना, अजीत सक्सेना, ओ.पी. कोहली और क्षेत्रीय क्रीड़ा अधिकारी चंचल मिश्रा मौजूद रहे। आयोजकों ने शहरवासियों से बड़ी संख्या में पहुंचकर खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाने की अपील की।

आज दिनांक : 21.01.2026 को नई दिल्ली स्थित राष्ट्रीय रंगशाला कैंप में उत्तर प्रदेश को मिला सांस्कृतिक कार्यक्रम में प्रथम पुरस्कार।

खुशखबरी : अब अपने गांव में ही मिलेंगी आधार से जुड़ी सेवाएं

लोकतंत्र की शान

लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल सेवाओं की पहुंच को मजबूत करने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। पंचायती राज विभाग ने लखनऊ में ग्राम पंचायत स्तर पर आधार केंद्रों की शुरुआत कर दी है, जिससे ग्रामीणों को आधार से जुड़ी सेवाएं अब अपने गांव में ही उपलब्ध हो सकेंगी। प्रदेश की राजधानी लखनऊ के ब्लॉक सरोजनीनगर की ग्राम पंचायत भटगवां पांडेय तथा चिनहट ब्लॉक की सैरपुर ग्राम पंचायत में आधार सेवाएं सफलतापूर्वक प्रारंभ कर दी गई हैं। इन दोनों ग्राम पंचायतों में अब तक 40 से अधिक ग्रामीणों को आधार से संबंधित सेवाएं प्रदान की गई हैं, जिससे उन्हें अब शहरों के चक्कर नहीं लगाने पड़ रहे हैं।

चरणबद्ध तरीके से 57,694 ग्राम पंचायतों तक मिलेगी सुविधा-यह पहल पंचायत स्तर पर नागरिक सेवाओं की सहज, पारदर्शी और सुलभ उपलब्धता की दिशा में ऐतिहासिक कदम है। विभाग की योजना के अनुसार, पहले चरण में प्रदेश की 1000 ग्राम पंचायतों में आधार सेवाएं प्रारंभ की जाएंगी, जिसके बाद इसे चरणबद्ध तरीके से प्रदेश की सभी 57,694 ग्राम पंचायतों तक विस्तारित किया जाएगा। इस महत्वाकांक्षी योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए पंचायती राज विभाग द्वारा पंचायत सहायकों का व्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है। अब तक 800 से अधिक पंचायत सहायकों को प्रारंभिक प्रशिक्षण दिया जा चुका है, जबकि शेष पंचायत सहायकों का प्रशिक्षण कार्य प्रगति पर है।

इनर व्हील क्लब की डिस्ट्रिक चैयरमैन ने किया क्लब के कार्यों का अवलोकन

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल
जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुर : बुधवार को इनर व्हील क्लब ऑफ हसनपुर का कार्यक्रम क्लब अध्यक्ष आरती गुप्ता के निवास पर हुआ जिसमें मुख्य अतिथि डिस्ट्रिक्ट चैयरमेन शालिनी गुप्ता रही एवं विशिष्ट अतिथि नीरू गुप्ता रही, सर्वप्रथम मुख्य अतिथि द्वारा क्लब द्वारा किए जा रहे पुरुषोत्तम शरण बालिका इंटर कॉलेज में कार्यों का अवलोकन किया एवं कार्यों से पूर्ण संतुष्ट हो अन्य और भी कार्य करने के लिए निर्देशित किया, उसके पश्चात अतिथियो एवम क्लब के सदस्यों द्वारा महाराजा अग्रसेन चौक पर स्थापित महाराजा अग्रसेन जी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि एवं दीप प्रज्वलंकर महाराजा जी को नमन किया, इसके उपरांत क्लब अध्यक्ष के निवास पर क्लब की अन्य कार्यवाही प्रारंभ हुई सर्वप्रथम क्लब सदस्यों द्वारा अतिथियों का स्वागत गीत प्रस्तुत कर स्वागत किया गया, एवं एक गरीब बेटी की शादी के लिए फ्रिज आदि प्रदान किया गया, अतिथियों द्वारा क्लब द्वारा किए गए अब तक के कार्यों का बारीकी से निरीक्षण किया गया तथा पाया कि क्लब द्वारा किए गए सभी कार्य प्रेस एवं जनप्रतिनिधियों के देखरेख में हुए थे उसके उपरांत अतिथियों ने क्लब के कार्य को काफी सराहा, कार्यक्रम में मुख्य रूप से अध्यक्षा आरती गुप्ता, सचिव सोनिया रस्तोगी, आइसो शालिनी, एडिटर कविता, ट्रेजर सॉरीका गर्ग के अतिरिक्त आंचल, सीनू, वंदना, रजनी, प्रियांशी, पूनम, प्रियंका, रिशु, सुनीता, भावना के आदि सभी इनर व्हील सदस्य उपस्थित रहे।

यूपी ने मिटाया 'बीमारू राज्य' का दाग

लोक तंत्र की शान

लखनऊ। हर वर्ष 24 जनवरी को उत्तर प्रदेश दिवस मनाया जाता है। यह दिन केवल प्रदेश के गठन की स्मृति मात्र नहीं है, वरन यह आत्ममंथन का भी अवसर है कि उत्तर प्रदेश आज कहां खड़ा है और किस दिशा में आगे बढ़ रहा है। एक समय था जब उत्तर प्रदेश को देश के बीमारू राज्यों की श्रेणी में रखा जाता था। बदहाल कानून-व्यवस्था, कमजोर बुनियादी ढांचा, पलायन करती आबादी और निवेशकों की उदासीनता इस पहचान का सबसे बड़ा कारण थी। वर्ष 2017 में योगी आदित्यनाथ के मुख्यमंत्री बनने के बाद प्रदेश की तस्वीर और तकदीर, दोनों में उल्लेखनीय ठोस बदलाव परिलक्षित होने लगे। जब योगी आदित्यनाथ ने मुख्यमंत्री के रूप में सत्ता संभाली तब उन्हें मात्र 12.88 लाख करोड़ रुपये की अर्थव्यवस्था वाला प्रदेश मिला था, जिसे उनकी सरकार ने अपने पौने नौ वर्षों के कार्यकाल में लगभग 31 लाख करोड़ रुपये के स्तर तक पहुंचा दिया है। अब उन्होंने 2029-30 तक उत्तर प्रदेश को एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य रखा है।

कानून-व्यवस्था से शुरुआत बदले विश्वास की बुनियाद-सत्ता में आने के बाद योगी सरकार ने सबसे पहले अपना खास ध्यान कानून-व्यवस्था पर केंद्रित किया। संगठित अपराध, माफिया राज और दंगों की राजनीति ने उत्तर प्रदेश की छवि को लंबे समय तक हानि पहुंचाने का काम किया था। मुख्यमंत्री बनने के बाद योगी आदित्यनाथ ने स्पष्ट संदेश दिया कि अपराध और अपराधियों के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई जाएगी, पुलिस सुधार अभियानों, संगठित अपराधियों पर कार्रवाई और माफिया की संपत्तियों की जब्ती ने अपराधियों का मनोबल तोड़ने के साथ-साथ आम नागरिकों और निवेशकों में सुरक्षा का भरोसा भी लौटाया। योगी सरकार में बड़े दंगों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया गया और आपराधिक घटनाओं में लगातार गिरावट दर्ज की गई। यह बदलाव सामाजिक वातावरण में भी दिखाई देने लगा है। जहां लोग देर रात तक काम और यात्रा करने में पहले से अधिक सुरक्षित महसूस करने लगे हैं, महिलाओं के लिए तो उत्तर प्रदेश अब पूर्ण सुरक्षित हो गया है।

जनभागीदारी से और भव्य होगा उत्तर प्रदेश दिवस- 2026: मुख्यमंत्री

लोक तंत्र की शान

लखनऊ :- प्रदेश के प्रत्येक जनपद की सक्रिय सहभागिता, सांस्कृतिक विविधता और विकास की साझा चेतना के साथ उत्तर प्रदेश दिवस-2026 इस वर्ष एक भव्य जनोत्सव के रूप में मनाया जाएगा। 24 से 26 जनवरी 2026 तक आयोजित होने वाले इस आयोजन में उत्तर प्रदेश की संस्कृति, शिल्प, व्यंजन और विकास यात्रा को जनभागीदारी के माध्यम से एक ही मंच पर प्रस्तुत किया जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को उत्तर प्रदेश दिवस की तैयारियों की समीक्षा करते हुए कहा कि यह आयोजन केवल औपचारिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि प्रदेश की पहचान, उपलब्धियों और संभावनाओं को जनसहयोग के साथ प्रदर्शित करने का अवसर है। उन्होंने निर्देश दिए कि उत्तर प्रदेश दिवस को जनोत्सव के रूप में आयोजित किया जाए, जिसमें प्रदेश की आत्मा हर स्तर पर दिखाई दे। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस वर्ष उत्तर प्रदेश दिवस के मुख्य अतिथि के रूप में भारत सरकार के माननीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह जी की गरिमामयी उपस्थिति आयोजन को राष्ट्रीय स्तर पर विशिष्ट पहचान प्रदान करेगी। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी व्यवस्थाएं गरिमा, अनुशासन एवं समयबद्धता के साथ सुनिश्चित की जाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राजधानी लखनऊ स्थित राष्ट्र प्रेरणा स्थल पर मुख्य समारोह आयोजित किया जाएगा, जिसका सीधा प्रसारण प्रदेश के सभी जनपदों में किया जाएगा, ताकि उत्तर प्रदेश दिवस का उत्सव एक साथ पूरे प्रदेश में मनाया जा सके। बैठक में अवगत कराया गया कि उत्तर प्रदेश दिवस के अवसर पर 'विकसित भारत-विकसित उत्तर प्रदेश' की थीम पर आधारित विशेष प्रदर्शनी और शिल्प मेला आयोजित किया जाएगा, जिसमें प्रदेश की विकास यात्रा, नवाचार, बुनियादी ढांचे, उद्योग, कृषि, महिला सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता की उपलब्धियों को प्रदर्शित किया जाएगा। इस वर्ष 'एक जनपद-एक व्यंजन' को आयोजन का प्रमुख आकर्षण होगा। इसके अंतर्गत प्रदेश के प्रत्येक जनपद के पारंपरिक और विशिष्ट व्यंजन एक ही परिसर में उपलब्ध कराए जाएंगे, ताकि आगंतुक उत्तर प्रदेश के विविध स्वाद, खान-पान परंपराओं और स्थानीय पहचान से परिचित हो सकें।

लोकतंत्र की आत्मा हैं न्याय, समता व बंधुताः मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

लोक तंत्र की शान

लखनऊः मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राजधानी लखनऊ में बुधवार को तीन दिवसीय 86वें अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारी सम्मेलन के समापन समारोह को संबोधित किया। मुख्यमंत्री ने उत्तर प्रदेश आए सभी अतिथियों का स्वागत किया और कहा कि विधायिका लोकतंत्र की आधारभूत इकाई है। संविधान संरक्षक के रूप में यह अपनी भूमिका का निर्वहन करते हुए देश में न केवल विधायी कार्यों के लिए रूपरेखा तैयार करती है, बल्कि यह समग्र विकास की कार्ययोजना का मंच भी होती है। संविधान के तीन शब्द (न्याय, समता और बंधुता) भारत के लोकतंत्र की आत्मा के रूप में काम करते हैं। न्याय कैसे प्राप्त होना है, इसका कानून विधायिका के मंच पर तैयार होता है। समतामूलक समाज की स्थापना में सरकार की योजनाएं योगदान दे सकें, उसकी कार्ययोजना का स्थल भी विधायिका का मंच बनता है। विधायिका बंधुता का उदाहरण प्रस्तुत करती है, जहां सहमति व असहमति के बीच भी संवाद के माध्यम से समन्वय होता है।

लोकतंत्र की सर्वोच्च संस्था देश में अत्यंत मजबूत -सीएम योगी ने कहा कि देश में लोकतंत्र की सर्वोच्च संस्था अत्यंत मजबूत है और यह दुनिया के लिए प्रेरणा है। सदन में जनप्रतिनिधि के माध्यम से अंतिम पायदान पर बैठे व्यक्ति की आवाज मजबूती से सुनी जा सकती है और संसद इसकी प्रेरणा का केंद्रबिंदु है। उसके माध्यम से देश में योजनाएं बनती हैं। पांच बार लोकसभा सदस्य रहे योगी आदित्यनाथ ने कहा कि संसद में रहकर सीखा कि सामान्य जीवन में सरकार की गतिविधियों, आपसी व्यवहार और नियम के अंतर्गत इन कार्यक्रमों को कैसे आगे बढ़ाया जा सकता है। विधान सभा-विधान परिषद केवल संसद के नियमों-परिनियमों का अवलोकन-प्रशिक्षण ले ले तो उसे अपने सदन संचालन में काफी आसानी होगी।

संसद के प्रति श्रद्धा का भाव हर भारतवासी का दायित्व -सीएम ने कहा कि सतीश महाना ने 2022 में विधानसभा अध्यक्ष का दायित्व संभाला तो मैंने उनसे कहा कि प्रश्नकाल में 20 तारांकित प्रश्न सूचीबद्ध होते हैं, लेकिन सवा घंटे के प्रश्नकाल में केवल दो-तीन सदस्य ही बोल पाते हैं। क्या हम भी इसे संसद की तर्ज पर आगे बढ़ा सकते हैं। इस पर उन्होंने तत्काल नियमावली में परिवर्तन किया। अब सवा घंटे में 20 तारांकित प्रश्न और हर प्रश्न के साथ दो-तीन अनुपूरक प्रश्न भी पूछ लिए जाते हैं। प्रश्न करने वाले और उत्तर देने वाले मंत्रीगण, दोनों पूरी तैयारी के साथ आते हैं। सदन में अधिक से अधिक जनप्रतिनिधियों की सहभागिता दिखती है। संसद हमारे लिए प्रेरणा बनी। हमारे पास सबसे बड़ी लोकतांत्रिक संस्था के रूप में संसद है। यदि हम कुछ कर रहे हैं तो संसद ही उसका आधार बनती है, उसके प्रति श्रद्धा हर भारतवासी का दायित्व है।

एक भाव-एक भंगिमा के साथ बोलता और सोचता है भारत-सीएम योगी ने प्रधानमंत्री के वक्तव्य 'भारत लोकतंत्र की जननी है' का जिक्र किया, फिर कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी कहते थे कि ग्राम स्वराज की परिकल्पना को गांवों ने साकार किया। देश में रूपरंग, खानपान, वेशभूषा अलग हो सकते हैं, लेकिन पूरा भारत एक भाव-एक भंगिमा के साथ बोलता और सोचता है। उसकी आस्था एक होती है। संसद उस आस्था को जोड़ने का सबसे सशक्त माध्यम है। संसद को आदर्श के रूप में बढ़ाएंगे तो विधायिका और मजबूत-सशक्त होगी।

हसनपुर में सहकारी चुनाव को लेकर हंगामा सपा नेता ने प्रशासन पर लगाए गंभीर आरोप

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल
जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुरः बुधवार को उत्तर प्रदेश सहकारी शाखा प्रतिनिधि चुनाव के दौरान उस वक्त हंगामा खड़ा हो गया, जब समाजवादी पार्टी के नेता और उम्मीदवार ने प्रशासन पर जबरन नामांकन खारिज कराने के आरोप लगाए। मामला हसनपुर सहकारिता ब्लॉक से जुड़ा हुआ है, जहां चुनाव प्रक्रिया को लेकर जमकर विवाद हुआ। सहकारिता शाखा प्रतिनिधि के चुनाव में समाजवादी पार्टी के जिला महासचिव चंद्रपाल सैनी उम्मीदवार थे। चंद्रपाल सैनी का आरोप है कि प्रशासन ने उनके अनुमोदक का वोटर लिस्ट में क्रमांक जानबूझकर बदल दिया। उन्होंने कहा कि नामांकन पत्र दाखिल करने के बाद वोटर लिस्ट में छेड़छाड़ की गई, जिसके चलते उनका पर्चा खारिज कर दिया गया। नामांकन खारिज होने के बाद पुलिस क्षेत्राधिकारी और सपा नेता चंद्रपाल सैनी के बीच तीखी नोकझोंक भी देखने को मिली। मौके पर मौजूद लोगों ने किसी तरह स्थिति को शांत कराया। फिलहाल सहकारी चुनाव को लेकर लगाए गए आरोपों से प्रशासनिक हलकों में भी हलचल मच गई।

इलाज में लापरवाही का आरोप,अस्पताल के बाहर शव रखकर हंगामा, स्वास्थ्य विभाग जांच में जुटा

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल
जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुरः बुधवार को हसनपुर नगर के गजरौला-हसनपुर बाईपास मार्ग नुमाइश ग्राउंड के सामने स्थित एक निजी अस्पताल में उपचार के दौरान 15 वर्षीय छात्र की मौत हो गई। परिजनों ने चिकित्सकों पर इलाज में घोर लापरवाही बरतने का आरोप लगाते हुए अस्पताल के बाहर एंबुलेंस में शव रखकर जमकर हंगामा किया। सूचना मिलने पर स्वास्थ्य विभाग और पुलिस मौके पर पहुंची। बता दें कि हसनपुर कोतवाली क्षेत्र के गांव लुहारी खादर निवासी जय नारायण ने अपने बेटे गौतम (15 वर्ष) की तबीयत बिगड़ने पर उसे 19 जनवरी की शाम को 'केयर 24' हॉस्पिटल एंड ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया था। परिजनों का आरोप है कि 19 जनवरी को गौतम को लैट्रिन के रास्ते बिल्डिंग तथा शरीर में इंफेक्शन होने पर भर्ती कराया गया था। जिसका चिकित्सक ने पूरी गारंटी के साथ इलाज का वादा किया था। लेकिन बुधवार को उसकी मौत के बाद चिकित्सकों ने उसे गंभीर हालत की बात कह कर रेफर कर दिया। चिकित्सकों ने उपचार में ढिलाई बरती, जिसके कारण बुधवार सुबह करीब छात्र ने दम तोड़ दिया। इकलौते बेटे की मौत से गुस्साएं परिजनों ने अस्पताल के गेट पर एंबुलेंस खड़ी कर दी और नारेबाजी शुरू कर दी। मृतक के माता-पिता का रो-रोकर बुरा हाल था। घटना की सूचना मिलते ही सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. धुर्वेंद्र कुमार और कोतवाली पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। पुलिस ने आक्रोशित परिजनों को समझा-बुझाकर शांत कराया, जिससे स्थिति नियंत्रण में आई। इस मामले में हसनपुर चिकित्सा अधीक्षक डॉ. धुर्वेंद्र कुमार ने बताया कि"मृतक के परिजनों के बयान दर्ज कर लिए गए हैं। पूरे मामले की गहनता से जांच की जा रही है। यदि अस्पताल प्रबंधन या चिकित्सक दोषी पाए जाते हैं, तो उनके विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।" अधिकारियों के आश्वासन के बाद परिजन शव को लेकर अपने गांव लौट गए। फिलहाल स्वास्थ्य विभाग मामले की जांच में जुटा है।

अयोध्या के 87 गो-आश्रय स्थलों में सीसीटीवी से 24 घंटे निगरानी, योगी आदित्यनाथ सरकार की पहल

लोक तंत्र की शान

अयोध्या। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप निराश्रित गोवंशों के संरक्षण एवं गो-आश्रय स्थलों की व्यवस्थाओं को सुदृढ़ बनाने की दिशा में अयोध्या जनपद में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। जिले के सभी 87 गो-आश्रय स्थलों में अब वाई-फाई, सोलर एवं सिम बेस्ड सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से 24 घंटे निगरानी सुनिश्चित की गई है। प्रत्येक गो-आश्रय स्थल पर दो-दो कैमरे लगाए गए हैं। एक कैमरा प्रवेश द्वार पर स्थापित किया गया है, जिससे आने-जाने वाली गतिविधियों पर नजर रखी जा सके, जबकि दूसरा कैमरा गोशाला के अंदर लगाया गया है, जिसके माध्यम से गोवंशों की स्थिति, भूसा, हरा चारा, पानी, साफ-सफाई एवं अन्य व्यवस्थाओं की निगरानी की जा रही है।

सोलर व सिम बेस्ड कैमरों से निर्बाध निगरानी-कैमरे सोलर बेस्ड होने के कारण सूर्य की रोशनी से चार्ज होकर बिना बिजली बाधा के लगातार कार्य कर रहे हैं। वाई-फाई एवं सिम आधारित प्रणाली के चलते मोबाइल फोन व ऐप के माध्यम से लाइव स्ट्रीमिंग को कहीं से भी आसानी से देखा जा सकता है। सभी कैमरों की स्थापना ग्राम पंचायत निधि से की गई है।

विकास भवन में कंट्रोल रूम से निगरानी-सभी 87 गो-आश्रय स्थलों की निगरानी के लिए अयोध्या विकास भवन में एक केंद्रीय कंट्रोल रूम संचालित किया गया है। यहां 11 विकास खंडों के अलग-अलग ग्रुप बनाकर टेलीविजन स्क्रीन पर एक बार में चार-चार कैमरों की लाइव स्थिति देखी जाती है। कंट्रोल रूम में तैनात कर्मचारी बारी-बारी से सभी गो-आश्रय स्थलों की सतत निगरानी करते हैं और किसी भी कमी के पाए जाने पर तत्काल निवारण की कार्रवाई सुनिश्चित की जाती है।

कैमरा प्रणाली की प्रमुख विशेषताएं-सीसीटीवी कैमरे 360 डिग्री रोटेशन की क्षमता से युक्त हैं, जिससे गोशाला के अंदर और आसपास के क्षेत्रों की निगरानी संभव है। स्मार्ट डिटेक्शन सेंसिटिविटी के माध्यम से गतिविधियों का स्वतः पता चलता है। ह्यूमन डिटेक्शन एवं स्मार्ट ट्रैकिंग से केयरटेकर व अन्य मानव गतिविधियों की पहचान कर नोटिफिकेशन और क्लिप क्लाउड स्टोरेज में सुरक्षित होती है।डिटेक्शन एरिया सेटिंग से नाद, बैठने के स्थान, साफ-सफाई व भूसा भंडारण की निगरानी की जा सकती है। सायरन सेटिंग अवांछनीय गतिविधियों को रोकने में सहायक है। नाइट विजन मोड से रात्रि में भी स्पष्ट दृश्य उपलब्ध होते हैं, जिससे चोरी और गोवंशों के बाहर निकलने की घटनाओं पर रोक लगी है। डिवाइस कॉल सुविधा के माध्यम से ऐप से गोशाला में मौजूद लोगों से सीधे संवाद भी किया जा सकता है।

संक्षिप्त समाचार

पवन सिंह युवक को मारने के लिए बढ़े

लोकतंत्र की शान : पटना। भोजपुरी के पावर स्टार पवन सिंह एक पार्टी के दौरान अचानक गुस्से में आ गए। वे स्टेज से युवक मारने के लिए आगे बढ़ने लगे। वहां मौजूद लोगों और सुरक्षाकर्मियों ने उन्हें पकड़ लिया। इस दौरान फैन्स बोलते रहे कि, भइया को रोक लो नहीं तो वो उसे पीट देंगे। इसी बीच पार्टी में मौजूद बाउंसर्स ने उस युवक को पकड़ लिया और खींचकर बाहर किया। इस दौरान युवक के साथ धक्का-मुक्की भी की गई। उनके साथ भोजपुरी सिंगर गुंजन सिंह, मिस्ट्री गर्ल जिनसे हाल में उनकी शादी की चर्चा हो रही थी वो भी मौजूद थीं।

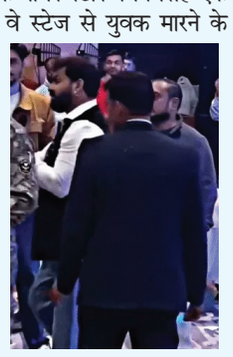

पूरा मामला: पवन सिंह 20 जनवरी को लखनऊ में भोजपुरी सिंगर गुंजन सिंह की बर्थ-डे पार्टी में शामिल हुए थे। इसमें एक्ट्रेस महिमा सिंह भी मौजूद थीं। मंच से पवन सिंह गीत गा रहे थे। इसी बीच युवक ने कुछ कमेंट किया। इस पर पवन सिंह को गुस्सा आ गया। इस पूरी घटना का वीडियो भी सामने आया है। वीडियो में पवन सिंह कहते दिख रहे हैं कि, मैं आज कुछ अच्छा सुनने के मूड में हूं। तभी भीड़ से कोई कुछ कहता है। इस पर पवन सिंह माइक लिए आगे बढ़ने लगते हैं। उनके आसपास खड़े लोग पवन सिंह को रोकते हैं। पीछे से आवाज आती है, भइया को रोके नहीं तो वो मार देंगे। इतने देर में कुछ लोग पवन सिंह को घेर लेते हैं। गुंजन सिंह भी स्टेज से नीचे आते हैं और पवन सिंह को समझाकर वापस ले जाते हैं। इस दौरान पीछे से आवाज आती है, सब लोग कैमरा बंद कर लो। इसके बाद बाउंसर्स एक युवक को घेर लेते हैं।

पुलिस पर पथराव, फायरिंग का वीडियो वायरल, छापेमारी के दौरान भीड़ भड़की

लोकतंत्र की शान : हाजीपुर। वैशाली के जुड़ावनपुर थाना क्षेत्र में देसी शराब की सूचना पर छापेमारी करने गई पुलिस टीम पर स्थानीय लोगों ने पथराव कर दिया। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को हवाई फायरिंग करनी पड़ी। घटना सोमवार रात की है। वहीं, इस घटना का वीडियो मंगलवार रात से सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें थानाध्यक्ष को गोली चलाते हुए देखा जा सकता है। यह घटना पहाड़पुर पश्चिमी वार्ड में रात करीब 8 बजे हुई। सहायक उपनिरीक्षक (एसआई) धीरेंद्र कुमार के नेतृत्व में पुलिस बल नवल राय के घर पहुंचा था। पुलिस को घर से कोई शराब नहीं मिली। हालांकि, आरोप है कि पुलिस ने सोनू कुमार और बिजली राय नामक दो युवकों को जबरन वाहन में बैठाया, जिसके बाद स्थानीय लोग भड़क गए। लगभग 30-35 लोगों की भीड़ ने पुलिस वाहन के सामने ठेला लगाकर रास्ता रोक दिया और पुलिसकर्मियों पर ईंट-पत्थर फेंके। इस हमले में कई पुलिसकर्मी और बिहार विशेष सशस्त्र पुलिस (बीएसएपी) के जवान घायल हो गए। भीड़ को नियंत्रित करने के प्रयास में, थानाध्यक्ष एसआई धीरेंद्र कुमार ने अपनी 9 मिमी पिस्तौल से हवाई फायरिंग की। इस घटना का वीडियो तेजी से वायरल हुआ है, जिसमें थानाध्यक्ष को फायरिंग करते हुए स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है। स्थानीय लोगों ने पुलिस की इस कार्रवाई पर नाराजगी व्यक्त की है। पीड़ित पक्ष का आरोप है कि छापेमारी में शराब न मिलने के बावजूद पुलिस ने उनके साथ गाली-गलौज की और हथियार दिखाकर धमकाया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि थानाध्यक्ष नशे की हालत में थे।

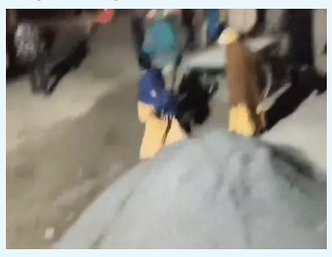

पुलिस ने इस मामले में आठ नामजद और कई अज्ञात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी (FIR) दर्ज की है। नामजद आरोपियों में नवल राय, रामा राय, सन्त्री, विक्रम राय, ओम प्रकाश राय, मुकेश राय, नवल राय की पत्नी और माया कुमारी शामिल हैं। पुलिस ने अपनी कार्रवाई का बचाव करते हुए कहा है कि हवाई फायरिंग और बल प्रयोग केवल अपने कर्मियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए किया गया था। घायल पुलिसकर्मियों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने बताया है कि मामले की गहन जांच की जा रही है और दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इस संबंध में सदर एसडीपीओ सुबोध कुमार ने बताया कि जुड़ावनपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत अवैध शराब कारोबार को लेकर छापेमारी हुई थी। जहां एक शराब कारोबारी को पुलिस द्वारा पकड़ा गया था। पकड़ने के उपरांत वहां के लोगों ने पुलिस टीम पर हमला किया। इसके बाद पुलिस ने आत्मरक्षा के लिए हवाई फायरिंग की। इसके बाद पुलिस के पक्ष से प्राथमिक दर्ज की गई है, दर्ज प्राथमिकी में 19 लोगों को अभियुक्त बनाया गया है। एक को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया है। उन्होंने बताया कि एक पुलिसकर्मी चोटिल हुए थे जो फिलहाल ठीक है।

बुजुर्ग दंपति की गंडक नदी में डूबने से मौत, पुलिस ने की पहचान, महिला ने इलाज के दौरान तोड़ा दम

लोकतंत्र की शान : हाजीपुर। हाजीपुर में गंडक नदी में डूबने से बुजुर्ग दंपती की मौत हो गई। मंगलवार शाम हुई इस घटना में पति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पत्नी ने अस्पताल में दम तोड़ा। पुलिस ने दोनों शवों की पहचान कर ली है।यह घटना मंगलवार शाम करीब 4:30 बजे कोनहारा श्मशान घाट स्थित दियारा के पास हुई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, एक महिला और एक पुरुष गंडक नदी में डूबते हुए देखे गए। 'बचाओ-बचाओ' की आवाज सुनकर रेत पर काम कर रहे मजदूर मौके पर पहुंचे और उन्होंने पुलिस को सूचना दी। नगर थाना पुलिस ने स्थानीय लोगों, मछुआरों और वहां मौजूद अन्य लोगों की मदद से दोनों को नदी से बाहर निकाला। पुरुष की मौके पर ही मौत हो चुकी थी, जबकि महिला की सांसें चल रही थीं। महिला को तुरंत सदर अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी भी मौत हो गई। मृतकों की पहचान गरौल थाना क्षेत्र के साधोपुर जीवन गांव निवासी 70 वर्षीय अर्जुन पंडित और उनकी 65 वर्षीय पत्नी शैली देवी के रूप में हुई है। मृतक के छोटे बेटे मुकेश कुमार ने बताया कि उनके माता-पिता गंगा स्नान के लिए घर से निकले थे। मुकेश कुमार के अनुसार, देर शाम तक जब वे घर नहीं लौटे तो उनकी तलाश शुरू की गई। रात करीब 10 बजे उन्हें सूचना मिली कि कोनहारा घाट पर गंडक नदी में पैर फिसलने से उनके माता-पिता की डूबने से मौत हो गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और शवों को परिजनों को सौंप दिया गया है।

वैशाली में भूकंप सुरक्षा पखवाड़ा शुरू, जिलाधिकारी ने जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

लोकतंत्र की शान : हाजीपुर। वैशाली में बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण और आपदा प्रबंधन विभाग के देखरेख में भूकंप सुरक्षा पखवाड़े का शुभारंभ किया गया। यह पखवाड़ा 20 जनवरी से 03 फरवरी 2026 तक चलेगा। जिला समाहरणालय परिसर से जिलाधिकारी श्रीमती वर्षा सिंह ने एक जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर जिले के विभिन्न क्षेत्रों के लिए रवाना किया। यह अभियान 20 जनवरी से 03 फरवरी तक जिले के सभी प्रखंडों, पंचायतों और नगर निकाय क्षेत्रों में चलाया जाएगा। इसका मुख्य उद्देश्य भूकंप के प्रति संवेदनशील इस जिले के नागरिकों को आपदा से बचाव और सुरक्षा उपायों की जानकारी देना है। इस अवसर पर जिलाधिकारी श्रीमती वर्षा सिंह ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि इस पखवाड़े के माध्यम से आम जनता तक पहुंचकर उन्हें प्रशिक्षित करना आवश्यक है। इसका लक्ष्य आपदा के समय जान-माल की क्षति को न्यूनतम करना और एक सशक्त आपदा-प्रतिरोधी समाज का निर्माण करना है। जागरूकता अभियान के तहत, एक एलईडी स्क्रीन से सुसज्जित रथ जिले के विभिन्न इलाकों में भ्रमण करेगा। इसके माध्यम से भूकंप से बचाव संबंधी लघु फिल्में और दृश्य संदेश प्रदर्शित किए जाएंगे। इसके अतिरिक्त, 'कला कुंज' समूह के कलाकार नुक्कड़ नाटक और गीतों के जरिए भी लोगों को जागरूक करेंगे। जिला प्रशासन ने प्रमुख सार्वजनिक स्थलों पर भूकंप सुरक्षा से जुड़े पोस्टर और बैनर भी लगाए हैं, जिन पर भूकंप के दौरान क्या करें और क्या न करें, इसकी सचित्र जानकारी दी गई है। इस शुभारंभ कार्यक्रम में अपर समाहर्ता (आपदा प्रबंधन) श्री राम दुलार राम, सहायक आपदा प्रबंधन पदाधिकारी श्री आकाश कुमार सहित जिला प्रशासन के अन्य वरीय पदाधिकारी, मीडिया प्रतिनिधि और बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

नीट छात्रा केस, राजद महिला प्रकोष्ठ ने किया प्रदर्शन

कहा-महिलाओं पर अत्याचार हो रहे, क्या यही सुशासन

लोकतंत्र की शान , पटना

बिहार में महिलाओं के खिलाफ लगातार हो रही हृदयविदारक घटनाओं को लेकर राष्ट्रीय जनता दल (RJD) ने आज सड़कों पर उतरकर सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। राजद महिला कार्यकर्ताओं ने राजधानी पटना में इनकम टैक्स गोलंबर से एक विशाल आक्रोश मार्च निकाला। यह मार्च दोपहर 2 बजे से शुरू हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में महिला नेताओं और कार्यकर्ता शामिल हुए। राजद नेताओं का आरोप है कि पूरे बिहार में महिलाओं के खिलाफ अपराध लगातार बढ़ रहे हैं, लेकिन सरकार इसे रोकने में पूरी तरह विफल साबित हो रही है। हैरानी की बात यह है कि राजधानी पटना में भी महिलाएं और बेटियां सुरक्षित नहीं हैं।

महिला कार्यकर्ता बोलीं- महिलाओं पर अत्याचार हो रहे, क्या यही है सुशासन: राजद की महिला प्रकोष्ठ की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि सरकार की नाक के नीचे महिलाओं के साथ अत्याचार हो रहे हैं, लेकिन दोषियों पर सख्त कार्रवाई नहीं की जा रही। इससे अपराधियों का मनोबल बढ़ रहा है और आम महिलाओं में भय का माहौल बनता जा रहा है। महिला कार्यकर्ताओं का कहना है कि, प्रशासन ठोस कार्रवाई करने के बजाय केवल

औपचारिकता निभा रहा है, जबकि सत्ताधारी दल इस गंभीर मुद्दे पर संवेदनहीन रवैया अपनाए हुए है।

सुशासन राज में 4 साल की बच्चियां भी सुरक्षित नहीं- महिला कार्यकर्ता: राजद महिला प्रकोष्ठ की कार्यकर्ता मीरा यादव ने कहा, यह प्रोटेस्ट इसीलिए हो रहा है कि यहां जुल्मी सरकार है, और कब तक जुल्मी व्यवस्था चलेगा। जिस तरह से चोरी करके अपने सरकार बनाकर सुशासन राज कह रही है। जिस तरह से आज देश में हत्याएं हो रही है, लूट हो रही है, बलात्कार हो रहा है, छोटी-छोटी 4 साल की बच्चियां सुरक्षित नहीं है तो ऐसा मंगलराज में हम लोगों को न्याय मंगाने के लिए मजबूर किया जा रहा है। जो मंगलराज की बात करता था, आज किस तरह से हमारे इज्जत प्रतिष्ठा को शर्मसार करने का काम कर रहे हैं। जो जंगलराज की संज्ञा देता था, उसके राज्य में बेटियां सुरक्षित नहीं हैं। - मीरा यादव, महिला कार्यकर्ता, राजद

बिलकिस बानो के हत्यारों को लड्डू खिला रही सरकार- महिला कार्यकर्ता: हमारे राज में फूलनदेवी जैसी महिला को जेल से निकालकर सदन तक पहुंचाया जा रहा था और आज बिलकिस बानो के हत्यारा को लड्डू खिलाया जाता है। माला पहनाया जाता है और गुंडई करने वाले, बलात्कार करने वालों को पोस्ट मिलता है और सही बात बोलने वाला को जेल भेजा जा रहा है।

राजद हमेशा महिलाओं के मान-सम्मान के लिए लड़ती: राष्ट्रीय जनता दल ने दोहराया कि पार्टी हमेशा से महिलाओं के मान-सम्मान और सुरक्षा के लिए संघर्ष करती रही है। महिला राजद ने हर दौर में अन्याय के खिलाफ आवाज बुलंद की है और आगे भी चुप नहीं बैठेगी। पार्टी का कहना है कि जब तक महिलाओं को सुरक्षित वातावरण नहीं मिलेगा, तब तक संघर्ष जारी रहेगा। आज होने वाले आक्रोश मार्च में महिला राजद की सभी जिलाध्यक्षों, प्रदेश पदाधिकारियों और बड़ी संख्या में महिला कार्यकर्ता मौजूद रहीं। मार्च के दौरान सरकार के खिलाफ नारेबाजी की गई और महिलाओं की सुरक्षा को लेकर ठोस कदम उठाने की मांग की गई।

कटिहार नगर थाना परिसर में सरस्वती पूजा को लेकर शांति समिति की बैठक आयोजित

लोकतंत्र की शान, सुमन सिंह कटिहार

कटिहार: नगर थाना परिसर में बुधवार को शांति समिति की बैठक आयोजित की गई।वही जिला प्रशासन ने सरस्वती पूजा को शांतिपूर्ण और सौहार्द पूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के लिए कमर कस ली है।जिला पदाधिकारी आशुतोष द्विवेदी ने बताया कि पूजा के दौरान सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। उन्होंने बताया कि विसर्जन के दौरान ड्रोन कैमरे से निगरानी की जाएगी।ताकि असामाजिक तत्वों पर नजर रखी जा सके। पुलिस अधीक्षक शिखर चौधरी ने बताया कि सरस्वती पूजा को लेकर मुख्यालय से पर्याप्त संख्या में अतिरिक्त पुलिस बल मिला है। जिन्हें संवेदनशीलता के आधार पर विभिन्न थाना क्षेत्रों में प्रतिनियुक्ति किया जाएगा। उन्होंने बताया कि तीन QRT टीम तैयार की गई है और पुलिस लाइन में भी रिजर्व पुलिस बल रखा गया है। जिला पदाधिकारी आशुतोष द्विवेदी ने कटिहार जिले वासियों से अपील की है कि वे अनुशासन पूर्वक सौहाद्र पूर्ण वातावरण में इस पर्व को मनाऐ। उन्होंने भरोसा जताया कि सभी इस सरस्वती पूजा के पर्व को शांतिपूर्वक मनाएंगे।बैठक में एसडीओ प्रदुमन सिंह यादव उप नगर आयुक्त संतोष कुमार सीडीपीओ अभिजीत कुमार सिंह सीईओ अंशु कुमार प्रखंड विकास पदाधिकारी राहुल कुमार नगर थाना प्रभारी कुंदन कुमार सिंह के अलावे डिप्टी मेयर मंजूर खान मानवाधिकार के प्रदेश अध्यक्ष भोला महतो वार्ड पार्षद प्रमोद महतो भाजपा नेता विजय सिंह,राम यादव,पवन पोद्दार समाजसेवी अनिल चमारिया,विमल सिंह बेगानी सहित पूजा पंडाल के कार्यकर्ता उपस्थित थे।

न्यू मार्केट स्थित ज्वेलरी शॉप में चोरों ने लगभग 30 लाख का आभूषण पर किया हाथ साफ

लोकतंत्र की शान, सुमन सिंह कटिहार

कटिहार : नगर थाना क्षेत्र के न्यू मार्केट स्थित वर्मा ज्वैलर्स में बीती रात भीषण चोरी की घटना हुई। चोरों ने दुकान का ताला तोड़कर लगभग 8 किलोग्राम चांदी के आभूषण,18 ग्राम सोने के आभूषण और गल्ले में रखे 5000 हजार रुपए नकद चुरा लिए। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। चोरी की यह वारदात प्रकाश टॉकीज के सामने स्थित वर्मा ज्वैलर्स में हुई। घटनास्थल से करीब 50 मीटर की दूरी पर लगे सीसीटीवी कैमरे में चोरी की घटना कैद हो गई है,जिसके फुटेज के आधार पर पुलिस चोरों की पहचान करने का प्रयास कर रही है। वर्मा ज्वैलर्स के प्रोपराइटर शिवम कुमार गुप्ता ने बताया कि उन्होंने देर रात 8 बजे अपनी दुकान बंद की थी। सुबह करीब 7 बजे मकान मालिक

ललित गुप्ता ने उन्हें फोन कर दुकान का दरवाजा खुला होने की सूचना दी। दुकान पर पहुंचने पर उन्होंने देखा कि ताला टूटा हुआ है ओर सारा सामान बिखरा पड़ा है। पुलिस को सूचना मिलते ही मौके पर नगर थाना प्रभारी कुंदन कुमार सिंह दल-बल के साथ पहुंचे और जांच शुरू की। उन्होंने आश्वासन दिया कि शहर में हो रही चोरी की वारदातों और उनमें शामिल चोरों का जल्द ही पता लगाकर उन्हें गिरफ्तार किया जाएगा।

महिला की गोली मारकर हत्या जांच में जुटी पुलिस

लोकतंत्र की शान, सुमन सिंह कटिहार

कटिहार: जिले के बलिया बेलौन थाना क्षेत्र के खाडी गांव में मंगलवार देर शाम एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई।अज्ञात अपराधियों ने एक महिला की गोली मारकर हत्या कर दी। मृतका की पहचान 35 वर्षीय नुजहत बानो के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार नुजहत बानो अपने घर की गली में गई थीं, तभी पहले से घात लगाए बैठे अपराधियों ने उन पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। इस घटना में नुजहत बानो को पांच से छह गोलियां लगीं जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही बलिया बेलौन पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए कटिहार भेज दिया। पुलिस ने अपराधियों को पकड़ने के लिए विभिन्न स्थानों पर नाकेबंदी करते हुए मामले की जांच में जुट गई है। मृतका नुजहत बानो

पति सिकंदर की दूसरी पत्नी थीं। सिकंदर अपनी पहली पत्नी के साथ दिल्ली में रहते हैं। घटना के समय घर में केवल नुजहत के ससुर मौजूद थे। थाना प्रभारी शाहिद हुसैन ने बताया कि घटना की जानकारी वरीय अधिकारियों को दे दी गई है और अपराधियों की पहचान कर जल्द हीउन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा। पुलिस ने आश्वासन दिया है कि घटना के हर बिंदु पर गहनता से जांच की जा रही है।

उमानाथ मंदिर में जेसीबी पर रील बना रहा युवक, श्रद्धालुओं ने जताया विरोध

लोकतंत्र की शान , पटना

बाढ़ अनुमंडल के ऐतिहासिक उमानाथ मंदिर में जेसीबी मशीन के बकेट पर चढ़कर रील बनाते युवकों का वीडियो सामने आया है। मंदिर परिसर में चल रहे सौंदर्यीकरण कार्य के दौरान हुई इस घटना पर श्रद्धालुओं ने कड़ी आपत्ति जताई है और इसे आस्था का अपमान बताया है। जानकारी के अनुसार, उमानाथ मंदिर में करोड़ों रुपए की लागत से कॉरिडोर का निर्माण कार्य प्रगति पर है। बाढ़ नगर परिषद की जेसीबी मशीन मंदिर परिसर से अतिक्रमण हटाने के कार्य में लगी हुई थी। इसी दौरान कुछ युवक रील बनाने के उद्देश्य से जेसीबी के बकेट पर चढ़ गए। जेसीबी चालक ने युवकों को बार-बार नीचे उतरने के लिए कहा, लेकिन वे डांस स्टेप करते रहे। काफी देर तक जेसीबी चालक मलबा हटाने का काम छोड़कर उनका तमाशा देखता रहा। स्थानीय लोगों के समझाने के बाद ही युवक जेसीबी से नीचे उतरे।

श्रद्धालुओं ने नाराजगी दिखाई: इस घटना

को लेकर मंदिर में मौजूद श्रद्धालुओं ने गहरी नाराजगी व्यक्त की है। श्रद्धालुओं ने मंदिर परिसर में इस तरह की गतिविधियों को आस्था का अपमान बताया है। उन्होंने प्रशासन से ऐसे तत्वों के खिलाफ उचित कार्रवाई की मांग की है ताकि धार्मिक स्थलों की पवित्रता बनी रहे। मंदिर के पुजारी ने इस कृत्य को गलत बताते हुए कहा, "मंदिर परिसर में इस तरह का कार्य आस्था के साथ खिलवाड़ है। लोगों को मंदिर में श्रद्धा भाव से आना चाहिए। किसी भी प्रकार की ऐसी घटना से धार्मिक संस्थान की बदनामी होती है।"

कहा- बकेट पर चढ़कर नाचना खतरनाक, दुर्घटना हो सकती

जेसीबी पर चढ़कर रील बनाना खतरनाक: सनातनी चंदन नामक एक स्थानीय व्यक्ति ने कहा कि जेसीबी पर चढ़कर रील बनाना खतरनाक हो सकता है और किसी दुर्घटना की स्थिति में प्रशासन तथा ठेकेदार पर सवाल उठेंगे। संजय कुमार ने भी रील बनाने के चक्कर में होने वाली दुर्घटनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि मंदिर आस्था का केंद्र है और यहां ऐसी गतिविधियों से बचना चाहिए। विडियो मंगलवार शाम का है। इस मामले में उमानाथ मंदिर परिसर में जेसीबी के बकेट पर चढ़कर रील बनाया जा रहा है, इसका हिन्दू संगठन विरोध कर रहे हैं। इस दौरान किसी प्रकार की घटना होने पर धार्मिक संस्थान की बदनामी होती है, पुलिस को शिकायत नही की गई है।

पुलिस अधीक्षक ने कटिहार पुलिस केंद्र में नवयुक्त सिपहियो के बुनियादी प्रशिक्षण कार्यक्रम का किया निरीक्षण

लोकतंत्र की शान, सुमन सिंह कटिहार

कटिहार: कटिहार पुलिस केंद्र में बुधवार को पुलिस अधीक्षक शिखर चौधरी ने नवनियुक्त सिपाहियों के बुनियादी प्रशिक्षण कार्यक्रम का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने प्रशिक्षुओं की शैक्षणिक एवं व्यावहारिक गतिविधियों, अनुशासन,परेड अभ्यास तथा शारीरिक दक्षता का गहन एवं सूक्ष्म अवलोकन किया। पुलिस अधीक्षक ने प्रशिक्षुओं की प्रगति और प्रशिक्षण की गुणवत्ता का अवलोकन किया। प्रशिक्षण की गुणवत्ता को और अधिक सुदृढ़ बनाने हेतु संबंधित पदाधिकारियों को सुझाव दिए गए,निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक ने प्रशिक्षुओं को दिए जा रहे प्रशिक्षण की गुणवत्ता में सुधार के लिए कई महत्वपूर्ण बातें बताई। प्रशिक्षुओं की शैक्षणिक एवं व्यावहारिक गतिविधियों का अवलोकन करते हुए,प्रशिक्षण की गुणवत्ता में सुधार के लिए संबंधित पदाधिकारियों को दिशा-निर्देश दिया गया।

बिहार की सभी बंद चीनी मिलें होंगी चालू: उपमुख्यमंत्री

लोकतंत्र की शान , पटना

बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने बड़ा ऐलान करते हुए कहा है कि राज्य की सभी बंद पड़ी चीनी मिलों को चरणबद्ध तरीके से चालू किया जाएगा। साथ ही बिहार में बड़े पैमाने पर उद्योगों का जाल बिछाया जा रहा है, ताकि राज्य के युवाओं को रोजगार के लिए बाहर न जाना पड़े। उन्होंने कहा कि अब बिहार शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क और बिजली के साथ-साथ उद्योग और रोजगार के क्षेत्र में भी तेजी से आगे बढ़ रहा है।

राज्य में बिछ रहा उद्योगों का जाल, युवाओं को मिलेगा यहीं रोजगार: सम्राट चौधरी ने आगे कहा कि सरकार की प्राथमिकता है कि बिहार के युवाओं को अपने ही राज्य में रोजगार मिले। इसके लिए उद्योगों को बढ़ावा दिया जा रहा है और बिहार में देश की सबसे बेहतर औद्योगिक नीति लागू की गई है। बिहार में उद्योग लगाने के लिए

बिहार में बड़े पैमाने पर उद्योगों का जाल बिछाया जा रहा है, ताकि राज्य के युवाओं को रोजगार के लिए बाहर न जाना पड़े

सरकार मात्र एक रुपए में जमीन उपलब्ध करा रही है और 15 दिनों के भीतर लोन स्वीकृत किया जा रहा है। इसी का परिणाम है कि अब बिहार में सेमीकंडक्टर जैसी अत्याधुनिक फैक्ट्रियां भी लग रही हैं।

मुख्यमंत्री की यात्राओं से पड़ी विकास की मजबूत नींव: उपमुख्यमंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार यात्राओं के लिए जाने जाते हैं। न्याय यात्रा, प्रगति यात्रा और समृद्धि यात्रा के माध्यम से उन्होंने जनता से सीधा संवाद स्थापित कर बिहार के विकास की मजबूत नींव रखी है। इन

यात्राओं के दौरान जनता की जरूरतों को समझते हुए सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य और बिजली जैसे बुनियादी क्षेत्रों में ऐतिहासिक कार्य किए गए हैं।

घर-घर पहुंची बिजली, 1.70 करोड़ परिवारों का बिल हुआ शून्य: उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार के नेतृत्व में घर-घर

सम्राट चौधरी बोले- एक रुपये में जमीन, 15 दिन में लोन बिहार में लग रहीं सेमीकंडक्टर फैक्ट्रियां

बिजली पहुंचाने का सपना साकार हुआ है। एक समय था जब बिहार के शहरों में भी मुश्किल से पांच घंटे बिजली मिलती थी, लेकिन आज गांवों में भी 24 घंटे बिजली की आपूर्ति हो रही है। वर्तमान में राज्य के करीब एक करोड़ 90 लाख परिवारों को 125 यूनिट तक मुफ्त बिजली दी जा रही है, जिससे लगभग एक करोड़ 70 लाख परिवारों का बिजली बिल शून्य हो गया है।

गली-गली तक बनी सड़कें, जल्द बनेगा छपरा एयरपोर्ट: उपमुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार में सड़कों का अभूतपूर्व विकास हुआ है। गांव-गांव ही नहीं, बल्कि गली-गली तक सड़कों का निर्माण कराया गया है। जल्द ही छपरा में एयरपोर्ट का निर्माण कराया जाएगा, जिससे सारण और आसपास के जिलों की कनेक्टिविटी बेहतर होगी और व्यापार तथा पर्यटन को नई गति मिलेगी।

युवाओं के लिए कौशल विकास, 5 साल में मिले 50 लाख रोजगार: युवाओं के भविष्य को सुरक्षित करने के लिए सरकार ने युवा कौशल विकास विभाग का गठन किया है। बिहार के युवाओं को कौशल युक्त बनाया जा रहा है ताकि वे नए उद्योगों में बेहतर अवसर पा सकें। पिछले पांच वर्षों में राज्य में 50 लाख सरकारी नौकरी और रोजगार दिए गए हैं, जबकि अगले पांच वर्षों में एक करोड़ नौकरी और रोजगार देने का लक्ष्य तय किया गया है।

ख़ास ख़बर

मारपीट के आरोपी को 01 वर्ष का कठोर कारावास व अर्थदण्ड की सजा

लोकतंत्र की शान सीधी। मध्य प्रदेश के सीधी जिले के बहरी थाना के भरुही गांव में जमीन से मिट्टी खनन करने के मामले में मारपीट कर घायल करने वाले आरोपी को एक वर्ष के सश्रम कारावास की सजा से दंडित करने का फैसला सुनाया है। बताया गया कि फरियादी रामलखन प्रजापति पिता सुकाली प्रजापति उम्र 55 साल निवासी भरूही थाना बहरी ने थाना बहरी में दिनांक 06.04.2021 को रिपोर्ट दर्ज कराई कि दिनांक 12.03.2021 को वह अपने खेत में मकान बनाने के लिए उसके हिस्से की जमीन में मिट्टी खोद रहा था तभी अभियुक्त उदयराज सिंह गोड़ आया और उससे झगड़ा विवाद करने लगा बोला कि वह उसके हिस्से की जमीन में मिट्टी खोद रहा है तब वह बोला कि अपने हिस्से की जमीन में खोद रहा है इसी बात से नाराज होकर उदयराज सिंह उसे डण्डा से मारपीट करने लगा। मारपीट से उसके बाएं हाथ की नाड़ी में सूजनदार चोट आई। फरियादी का मेडिकल कराने पर एक्स.रे रिपोर्ट में फ्रैक्चर होना पाया गया। उक्त सूचना के आधार पर थाना बहरीए जिला सीधी में अपराध क्रमांक 210ध्2021 अंतर्गत धारा 325 भादवि का अपराध पंजीबद्ध कर मामला विवेचना में लिया। विवेचना उपरांत अभियोग पत्र माननीय न्यायालय सीधी में पेश किया गया। जिसके न्यायालयीन प्रकरण क्रमांक 578ध्2021 में शासन की ओर से पैरवी करते हुए सहायक जिला अभियोजन अधिकारी श्रीमती पूजा गोस्वामी के द्वारा अभियुक्त को संदेह से परे प्रमाणित कराया गया जिस पर न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी सीधी की न्यायालय के द्वारा अभियुक्त उदयराज सिंह तनय बुद्धू सिंह उम्र 72 वर्ष निवासी ग्राम भरूहीए थाना बहरी जिला सीधी;मप्र को धारा 325 भादवि में दोषी पाते हुए 01 वर्ष के सश्रम कारावास व 1000. रूपए के अर्थदण्ड से दण्डित किया गया।

सहकारी बैंक से जुड़ी सभी संस्थाएं बनीं ई-पैक्स, किसानों को मिलेगा सीधा लाभ - पी.एस. धनवाल

लोकतंत्र की शान सीधी : जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक सीधी से संबद्ध सीधी एवं सिंगरौली जिलों की समस्त 93 प्राथमिक साख सहकारी संस्थाओं को भारत सरकार की पैक्स कम्प्यूटरीकरण योजना के अंतर्गत सफलतापूर्वक ई-पैक्स प्रणाली में परिवर्तित कर दिया गया है। इस उपलब्धि के साथ जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक, सीधी प्रदेश की 16वीं तथा बघेलखण्ड क्षेत्र की दूसरी ऐसी जिला सहकारी बैंक बन गई है, जिसने अपनी सभी संबद्ध पैक्स को पूर्णतः डिजिटल प्रणाली से जोड़ने का लक्ष्य हासिल किया है। जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक सीधी के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री पी.एस. धनवाल ने बताया कि यह महत्वपूर्ण उपलब्धि कलेक्टर एवं प्रशासक, जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित सीधी श्री स्वरोचिष सोमवंशी के कुशल मार्गदर्शन एवं निर्देशन में प्राप्त हुई है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2022 से सहकारी संस्थाओं के कर्मचारियों द्वारा नाबार्ड एवं शासन के निर्देशानुसार चरणबद्ध रूप से इस दिशा में कार्य किया जा रहा था, जो अब पूर्ण हो गया है। ई-पैक्स प्रणाली लागू होने से अब सभी प्राथमिक साख सहकारी संस्थाओं में लेन-देन, लेखांकन, ऋण वितरण, वसूली एवं रिकॉर्ड संधारण की प्रक्रिया पूर्णतः डिजिटल, पारदर्शी एवं त्वरित हो जाएगी। इससे किसानों को समय पर ऋण उपलब्धता, अद्यतन जानकारी, कम कागजी कार्यवाही तथा बैंकिंग सेवाओं तक सरल एवं सुगम पहुंच सुनिश्चित होगी। साथ ही सहकारी संस्थाओं की कार्यप्रणाली अधिक प्रभावी, जवाबदेह एवं तकनीक आधारित बनेगी, जिससे सहकारिता आंदोलन को नई मजबूती मिलेगी। किसानों को होंगे अनेक लाभ ई-पैक्स के माध्यम से किसानों को तेज एवं पारदर्शी ऋण सुविधा मिलेगी, जिससे ऋण आवेदन, स्वीकृति एवं वितरण में समय की बचत होगी। डिजिटल रिकॉर्ड के माध्यम से खातों, ऋण, ब्याज एवं भुगतान की सही जानकारी किसी भी समय उपलब्ध रहेगी। कई सेवाएं संस्था स्तर पर ही डिजिटल रूप से मिलने से किसानों की भाग-दौड़ कम होगी। साथ ही सब्सिडी, बीमा एवं अन्य भुगतान सीधे और ट्रैक योग्य होने से पारदर्शिता बढ़ेगी। सहकारी संस्थाओं को मिलेगा सशक्त आधार डिजिटलीकरण से संस्थाओं में ऑनलाइन लेखांकन संभव होगा, जिससे ऑडिट प्रक्रिया आसान और त्रुटियां कम होंगी। रीयल-टाइम डेटा उपलब्ध होने से लेन-देन, वसूली एवं बकाया की तत्काल जानकारी मिलेगी तथा सिस्टम आधारित नियंत्रण से धोखाधड़ी में कमी आएगी। जिला, राज्य एवं एपेक्स बैंक को रिपोर्टिंग भी त्वरित एवं सटीक होगी। बैंक एवं शासन के लिए भी लाभकारी ई-पैक्स से बैंक एवं शासन को बेहतर निगरानी, नीति निर्माण हेतु सटीक आंकड़े तथा अधिक किसानों को औपचारिक बैंकिंग व्यवस्था से जोड़ने में सहायता मिलेगी। साथ ही शासकीय योजनाओं का क्रियान्वयन अधिक तेज एवं प्रभावी ढंग से हो सकेगा। उन्नत डिजिटल सुविधाएं होंगी उपलब्ध ई-पैक्स के अंतर्गत सीबीएस/कोर बैंकिंग इंटीग्रेशन, मोबाइल एवं वेब आधारित कार्यप्रणाली, सुरक्षित डेटा बैक-अप तथा भविष्य में ऑनलाइन सेवाओं के विस्तार की सुविधा उपलब्ध होगी। इस प्रकार प्राथमिक कृषि साख सहकारी संस्थाओं के पूर्ण डिजिटलीकरण से किसानों, संस्थाओं एवं बैंक, तीनों को व्यापक लाभ मिलेगा और सहकारिता व्यवस्था को नई दिशा प्राप्त होगी।

हरियाणा में वेटनरी सर्जन की 162 पदों की भर्ती रद्द

लोकतंत्र की शान : **चंडीगढ़**। हरियाणा लोक सेवा आयोग ने प्रदेश में वेटनरी सर्जन के 162 पदों की भर्ती प्रक्रिया को रद्द कर दिया है। यह विज्ञापन 14 जनवरी को जारी किया गया था, जिसे मंगलवार रात वापस ले लिया गया है। आयोग ने इस संबंध में पत्र जारी कर दिया है। हरियाणा लोक सेवा आयोग के द्वारा वेटनरी सर्जन के 162 के लिए भर्ती प्रक्रिया शुरू की गई थी। जिसमें जनरल के लिए 46, डीएससी के लिए 21, ओएससी के लिए 21, बीसी ए के लिए 46, बीसीबी के लिए 12 व ईडब्ल्यूएस के लिए 16 पद रिजर्व रखे गए हैं। इस भर्ती में करीब रिजर्व कैटेगरी के 40 पद बैकलॉग के शामिल हैं, जिसमें डीएससी के लिए 5, ओएससी के लिए 4, बीसी ए के लिए 29, बीसी बी के 2 पद शामिल हैं। अब आयोग द्वारा इन भर्तियों को लेकर नए सिरे से आदेश

रोहतक : आत्महत्या करने वाले एएसआई की पत्नी को मिली सरकारी नौकरी

लोकतंत्र की शान : **चंडीगढ़**। हरियाणा सरकार ने रोहतक के एएसआई संदीप लाठर की आत्महत्या के बाद उनकी पत्नी संतोष कुमारी को ग्रुप बी (पोस्ट ग्रेजुएट टीचर) पद पर नियुक्ति प्रदान कर दी है। इस संबंध में मंगलवार रात आदेश जारी किए गए हैं। संतोष कुमारी को कैम्पस स्कूल, महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय (एमडीयू), रोहतक में पीटीजी मैथ के पद पर नियुक्त किया गया है। एएसआई संदीप लाठर ने 14 अक्टूबर को गांव लाढौत से धामड़ रोड पर अपने मामा के खेतों में बने कोठड़े की छत पर जाकर अपनी सर्विस रिवाल्वर से गोली मारकर आत्महत्या की थी। उससे पहले उन्होंने एक वीडियो भी रिकॉर्ड किया था और चार पेज का एक सुसाइड नोट भी लिखा था, जिसमें संदीप ने आईपीएस वाई पूरन कुमार पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाए थे। एएसआई संदीप लाठर द्वारा आत्महत्या किए जाने के बाद पिछले साल 16 अक्टूबर को केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने उनकी पत्नी को नौकरी प्रदान करने का ऐलान किया था। एक जनवरी को हुई मंत्रिमंडल की बैठक में इस प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की गई थी। अब सरकार ने मंगलवार की रात संदीप कुमार की पत्नी संतोष कुमारी की नियुक्ति के आदेश जारी किए गए हैं। हरियाणा में ग्रुप बी के तहत(पोस्ट ग्रेजुएट टीचर) का वेतन सातवें वेतन आयोग के अनुसार 47,600 रुपए से 1,51,100 रुपए प्रति माह के वेतनमान में होता है, जिसमें ग्रेड पे 4800 रुपए शामिल है, साथ ही महंगाई भत्ता, मकान किराया भत्ता और अन्य भत्ते भी जुड़कर कुल इन-हैंड सैलरी मिलती है, जो लगभग 85,000 रुपए या उससे अधिक भी हो सकती है।

फतेहाबाद कोर्ट में वकीलों ने कामकाज ठप कर दिया धरना

लोकतंत्र की शान

फतेहाबाद। कोर्ट काम्पलैक्स में गाड़ी पार्किंग को लेकर डीएसपी के रीडर और पार्किंग कर्मचारी के बीच हुए चल रहे विवाद में पुलिस प्रशासन द्वारा सार्वजनिक माफी मांगने के बावजूद मामला निपटा नहीं है। बुधवार को वकीलों ने तीसरे दिन भी वर्क सस्पेंड करते हुए अदालतों में कामकाज ठप्प रखा। केसों में सिर्फ प्रॉक्सी काउंसिल के जरिए अगली तारीख ही ली गई। धरना देकर बैठे वकीलों ने पुलिस प्रशासन के खिलाफ जमकर रोष जताया। वकील आरोपी पुलिस कर्मचारी पर कार्रवाई की मांग पर अड़े हैं। इस मामले में फतेहाबाद बार एसोसिएशन ने हरियाणा व पंजाब के सभी जिलों की बार एसोसिएशनों से समर्थन मांगा है। बता दें कि सोमवार को कोर्ट परिसर की पार्किंग में कार खड़ी करने

को लेकर डीएसपी जगदीश काजला के रीडर मुकेश कुमार का सिक्योरिटी गार्ड गुल्लू के साथ विवाद हो गया था। पुलिस कर्मचारी गाड़ी लेकर आया और कोर्ट में वकीलों के लिए बने पार्किंग में अपनी गाड़ी खड़ी करने लगा। यहां पार्किंग को लेकर डीएसपी के रीडर और कर्मचारी गुल्लू के बीच पहले कोई बातचीत हुई और बाद में विवाद बढ़ गया। इसके बाद बार एसोसिएशन के पूर्व प्रधान नरेश सोनी मौके पर पहुंचे और उन्होंने कारण पूछा तो पुलिसकर्मी के साथ उनकी बहस हो गई। वकीलों का आरोप है कि पुलिसकर्मी ने वकीलों के साथ अभद्र भाषा का प्रयोग किया। घटना की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में अप्य वकील भी मौके पर एकत्र हो गए और वर्क सस्पेंड की घोषणा कर दी। इसके बाद नाराज वकीलों ने कोर्ट में धरना शुरू कर दिया था। इस मामले में जिला पुलिस प्रशासन द्वारा भी सफाई दी गई है। इसमें कहा गया है कि अधिवक्ताओं द्वारा कार्य स्थगित करने के सम्बन्ध में जारी किए गया रेजोल्यूशन के सम्बन्ध में यह स्पष्ट करना अनिवार्य है कि, फतेहाबाद पुलिस सभी अधिवक्ताओं के साथ मिलकर कार्य करती आई है और आगे भी करती रहेगी। इस सम्बन्ध में कभी भी किसी भी अधिवक्ता के साथ किसी प्रकार का न तो कोई दुव्यवहार किया गया है और न ही भविष्य में किया जाएगा। इस समस्या के समाधान के लिए न सिर्फ थाना एवं चौकी प्रबंधक, डीएसपी बल्कि स्वयं पुलिस अधीक्षक द्वारा जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं बार एसोसिएशन के प्रधान एवं वरिष्ठ अधिवक्ताओं के साथ बातचीत की गई है , एवं समस्या के समाधान के लिए बार एसोसिएशन प्रधान महोदय द्वारा मीटिंग में सहमति भी जताई गई थी।

सोनीपतः गोहाना भाजपा एससी मोर्चा की जिला कार्यकारिणी घोषित

लोकतंत्र की शान

सोनीपत। गोहाना शहर में सोनीपत रोड स्थित भाजपा जिला गोहाना कार्यालय पर भाजपा एससी मोर्चा की जिला कार्यकारिणी की बुधवार को घोषणा की गई। यह घोषणा जिला एससी मोर्चा अध्यक्ष नरेश खानपुरने जिला गोहाना अध्यक्ष बिजेंद्र मलिक तथा शीर्ष नेतृत्व से विचार-विमर्श के बाद की। कार्यक्रम में संगठन को मजबूत करने और समाज के अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने का संकल्प दोहराया गया। जिला उपाध्यक्ष के रूप में रवि नैना, प्रवीण राजोरा, पवन सरपंच कोहला, बबली एमसी, सतीश उरलाना और पूनम सरपंच माहरा को जिम्मेदारी सौंपी गई। महामंत्री पद पर राजकुमार वाल्मीकि, मंजीत दोदवा और मुकेश की नियुक्ति की गई। जिला सचिव के दायित्व विकास मोर, पूजा कैहलपा, विजय एमसी, सुनील सरपंच, राखी और वेद रामफल खटक को दिए गए। जिला मीडिया प्रमुख संजय धानक, सोशल मीडिया प्रमुख अमित सहरावत, कोषाध्यक्ष लछमन सिंह और सूचना प्रौद्योगिकी प्रमुख राजकुमार किराड़ बनाए गए। मंडल अध्यक्षों में संदीप सरोहा खानपुर, अनिल कुमार गोहाना, ब्रह्मानंद जुआं, सुनील मुहाना, दलबीर बूटाना, डॉ. दिनेश मीरासी मुंडलाना, बिजेंद्र पहलवान भैंसवाल और मनोज कथूरा को नियुक्त किया गया। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष बिजेंद्र मलिक ने नवनियुक्त पदाधिकारियों को संगठनात्मक अनुशासन, जनसेवा और समर्पण के साथ कार्य करने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि पार्टी समाज के हर वर्ग को साथ लेकर विकास के मार्ग पर आगे बढ़ेगी। सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों ने नेतृत्व के प्रति आभार जताते हुए ईमानदारी से कार्य करने का आश्वासन दिया। कार्यक्रम में जिला महामंत्री महेंद्र चिड़ाना सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

देवगांव में धान ओपन कैप में बड़े पैमाने पर अवैध वसूली किए जाने के गंभीर आरोप सामने आए हैं, स्थानीय

लोकतंत्र की शान हसन रसीद जिला ब्यूरो चीफ जबलपुर कटनी मध्य प्रदेश

रीठी–देवगांव क्षेत्र के ओपन कैप में बड़े पैमाने पर अवैध वसूली किए जाने के गंभीर आरोप सामने आए हैं। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, जहां-जहां भंडारण किया जा रहा है, वहां कागजों में दर्शाई गई मात्रा से अलग तरीके से धन/सामग्री रखी जा रही है, और इसके एवज में मोटी रकम की वसूली की जा रही है। आरोप है कि इस पूरे मामले में सरवाइवर और सुपरवाइजर की मिलीभगत से अवैध वसूली का नेटवर्क सक्रिय है। बताया जा रहा है कि वसूली का खेल सुपरवाइजर उपेंद्र सिंह की जानकारी और संरक्षण में चल रहा है। इसके बावजूद जिला प्रशासन/डीएम स्तर पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं होने से मामले को लेकर क्षेत्र में रोष बढ़ता जा रहा है। सूत्रों ने अवैध वसूली से जुड़े कुछ नाम भी उजागर किए हैं, जिनमेंरोहित यादव, अंकेश्वर कुशवाहा, अतुल नायक, अनिल मिश्रा, रामानंद पांडेय और अक्षय गर्ग शामिल बताए जा रहे हैं। आरोप है कि ये लोग सुपरवाइजर के करीबी/गुट से जुड़े हैं और वसूली में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं।स्थानीय लोगों और संबंधित पक्षों ने उच्च स्तरीय जांच, जिम्मेदार अधिकारियों पर कड़ी कार्रवाई, तथा ओपन कैप के रिकॉर्ड और भंडारण की निष्पक्ष ऑडिट की मांग की है।

मुस्कान ड्रीम्स फाउंडेशन के प्रदेश अध्यक्ष युवा छात्र समाजसेवी समाट गौतम को हरिद्वार रुड़की में राष्ट्रीय विभूति सम्मान से किया सम्मानित

- कटनी के लाल समाजसेवी सम्राट गौतम ने उत्तराखंड में लहराया परचम
- उत्तराखंड हरिद्वार फोनिक्स यूनिवर्सिटी में समाजसेवी सम्राट गौतम के साथ देश की 150 विभूतियों का हुआ सम्मान

लोकतंत्र कि शान हसन रशीद जिला ब्यूरो चीफ जबलपुर कटनी मध्य प्रदेश

उत्तराखंड हरिद्वार रुड़की में राष्ट्रीय विभूति सम्मान समारोह 2025 का आयोजन फोनिक्स यूनिवर्सिटी में भव्य रूप से संपन्न किया गया। यह आयोजन शिक्षा कला संस्कृति धर्म चिकित्सा के अलावा पर्यावरण उत्थान ट्रस्ट एवं फोनिक्स यूनिवर्सिटी रुड़की के संयुक्त तत्वाधान में इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया इसमें भारत देश के लगभग सभी राज्यों से 150 राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय विभूतियां चयनित की गई थी। इस कार्यक्रम में कटनी जिले से मुस्कान ड्रीम्स फाउंडेशन समाजसेवी संस्था के युवा प्रदेश अध्यक्ष युवा छात्र समाजसेवी सम्राट गौतम का चयन किया गया था। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि शहीद ए आजम भगत सिंह के भतीजे डॉक्टर किरनजीत सिंह सिंधु एवं कार्यक्रम के आयोजक श्री संजय वत्स जी के द्वारा शॉल एवं पगड़ी पहनकर सर्टिफिकेट एवं मोमेंटो एवं उपहार भेंट कर कटनी के लाल जिले के समाजसेवी सम्राट गौतम को सम्मानित किया गया। जूनियर समाजसेवी एवं युवा छात्र सम्राट गौतम जो की स्कूली शिक्षा के साथ-साथ बचपन से ही समाज सेवा के कार्यों में सक्रिय रूप से अपनी भूमिका निभाते आ रहे हैं जिसके लिए उन्हें कई राज्यों के मंचों पर सम्मानित किया जा चुका है। कार्यक्रम में मुख्य रूप से फोनिक्स यूनिवर्सिटी के कुलपति मनीष पांडे जी एवं कई गणमान्य भारतवर्ष की हस्तियों के अलावा उद्योगपति राजनेताओं एवं समाज सेवियों की उपस्थिति रही कार्यक्रम के आयोजक श्री संजय वत्स जी और फोनिक्स यूनिवर्सिटी के सभी पदाधिकारी के मार्गदर्शन में सफल और शानदार कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

जिला सत्र न्यायालय परिसर स्थित प्रभु श्रीराम भक्त हनुमान मंदिर मे विधिवत पूजा-पाठ कर आत्मीय भव्य सुंदर काण्ड का पाठ एंव आरती के पश्चात विशाल भंडारे का आयोजन ...समाजसेवी व अधिवक्ता रेखा अंजू तिवारी...

लोकतंत्र कि शान हसन रशीद जिला ब्यूरो चीफ जबलपुर कटनी मध्य प्रदेश

जिला कटनी.../ समाजसेवी सोनू दुबे के सौजन्य से जिला सत्र न्यायालय परिसर स्थित प्रभु श्रीराम भक्त हनुमान मंदिर परिसर मे विशाल भंडारे का आयोजन किया गया ..कार्यक्रम संबंधित जानकारी देते हुए समाजसेवी व अधिवक्ता रेखा अंजू तिवारी ने कहा कि यह कार्यक्रम आप हम सब के आपसी सौहार्दपूर्ण,धार्मिक आस्था एंव सामाजिक समरसता का प्रतीक है ...उक्त आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित सम्मानित अधिवक्ताओ और बड़े-बुजूर्गो की गरिमामय उपस्थित मे विधिवत अंजनी के लाला के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर माल्यार्पण कर आत्मीय भव्य सुंदर काण्ड पाठ कर आरती की गई तत्पश्चात विशाल भंडारे का प्रारंभ हुआ. इस पुनीत पावन अवसर पर विशेष धार्मिक मधुर वातावरण मे संपन्न हुए इस कार्यक्रम मे श्रद्धा और उत्साह का माहौल देखने को मिला सभी सम्मानित बड़े-बुजूर्ग सहित सम्मानित अधिवक्तागण एक दूसरे को जय श्रीराम भक्त हनुमान की जयकारे लगाते हुए मीठी मीठी खीर प्रसाद ग्रहण की और आगे भी ऐसे ही अदभुत वातावरण में कार्यक्रम संपन्न होते रहे अपेक्षा की...कार्यक्रम मे जिला अधिवक्ता संघ अध्यक्ष अमित कुमार शुक्ला उपाध्यक्ष संतु परौहा.कोषाध्यक्ष निर्मल दुबे कार्यकारिणी सदस्य मांडवी पाण्डेय. सीनियर अधिवक्ता एस डी चतुर्वेदी ,अधिवक्ता सुदेश कुमार. पांडेय जे पी जालौना, अधिवक्ता प्रमोद मिश्रा,अधिवक्ता अनुज तिवारी,अधिवक्ता मनीष शुक्ला,अधिवक्ता सनत शुक्ला अधिवक्ता शिवम गर्ग,मातृशक्ति अधिवक्ता अंजूलता परौहा,अधिवक्ता रीनू पटेल,अधिवक्ता गुड़िया धनवती,सीनियर अधिवक्ता डी पी दुबे,शिवमं पांडेय .सहित अन्य सम्मानित अधिवक्ताओ की उपस्थिति मे कार्यक्रम सम्पन्न हुआ..

कलेक्टर श्री तिवारी का सख्त रूख

उपार्जन में लापरवाही पर चार केंद्र प्रभारियों को किया गया दो वर्षों तक उपार्जन कार्य से पृथक

लोकतंत्र की शान हसन रसीद जिला ब्यूरो चीफ जबलपुर कटनी मध्य प्रदेश

कटनी – खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में धान उपार्जन केंद्रों में लापरवाही बरतने वाले उपार्जन केन्द्र प्रभारियों के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही करने के कलेक्टर आशीष तिवारी के सख्त निर्देश और कड़े रूख की वजह से उपार्जन केन्द्रों में अनियमितता पाये जाने पर चार उपार्जन केन्द्र प्रभारियों को आगामी दो वर्षों के लिए उपार्जन कार्य से पृथक कर दिया है। जिला आपूर्ति अधिकारी श्री सज्जन सिंह परिहार ने बताया कि कलेक्टर श्री तिवारी द्वारा गठित अधिकारियों के संयुक्त जांच दल द्वारा निरीक्षण के दौरान उपार्जन केन्द्र कौड़िया, हथियागढ़, निगहरा एवं विजयराघवगढ़ में दस्तावेजों का संधारण नियमानुसार नहीं किया जाना, धान की बोरियों में स्टेंसिल और टैग का न होना और तौल कार्य में खामियां पाई गई। जिसके बाद चारों उपार्जन केन्द्र प्रभारियों को 'कारण बताओ नोटिस' जारी किया गया था। परंतु उपार्जन केन्द्र प्रभारियों द्वारा कारण बताओ नोटिस का समाधानकारक जवाब नहीं दिये जाने पर पर उपार्जन केंद्र विजयराघवगढ़ के प्रभारी रामनारायण गर्ग, उपार्जन केंद्र निगहरा के प्रभारी बसंत सिंह, उपार्जन केंद्र कौड़िया के प्रभारी पंकज पाण्डेय और उपार्जन केंद्र हथियागढ़ के प्रभारी गजराज पटेल को आगामी 2 वर्ष के लिये उपार्जन कार्य से पृथक कर दिया गया।

ग्रामोदय से अभ्युदय कार्यक्रम में बोले भाजपा नेता, समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति को लाभान्वित करना सरकार का उद्देश्य

- रामपुर नैकिन के जनपद सभागार में आयोजित हुआ कार्यक्रम

लोकतंत्र कि शान

सीधी। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के तत्वावधान में ग्रामोदय से अभ्युदय अभियान का कार्यक्रम जनपद सभागार रामपुर नैकिन में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। यह कार्यक्रम मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के कुशल निर्देशन, जन अभियान परिषद के उपाध्यक्ष डॉ. मोहन नागर तथा कार्यपालक निदेशक बकुल लाड के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन संभागीय समन्वयक प्रवीण पाठक के मार्गदर्शन एवं विकासखंड समन्वयक अनिल पाठक के नेतृत्व में किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में के.के. तिवारी वरिष्ठ समाजसेवी उपस्थित रहे। इस अवसर पर संभागीय समन्वयक प्रवीण पाठक रीवा सहित अनेक गणमान्य नागरिक एवं अतिथि मंचासीन रहे। मंचासीन अतिथियों ने अपने उद्बोधन में कहा कि मध्य प्रदेश शासन द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का उद्देश्य समाज के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति तक लाभ पहुंचाना है, जिससे समाज सशक्त, समृद्ध एवं आत्मनिर्भर बन सके। उन्होंने कहा कि समग्र विकास की यह धारा हर घर, हर द्वार तक पहुंचे और कोई भी व्यक्ति शोषित, पीड़ित या वंचित न रहे। कार्यक्रम में जनपद पंचायत के अधिकारी-कर्मचारी, विभिन्न ग्रामों से आए सरपंच एवं सचिवगण, ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति के अध्यक्ष एवं सचिव, सीएमसीएलडीपी के समस्त छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त कार्यक्रम में विकासखंड समन्वयक कुसमी अजय पांडे, परामर्शदाता विफनय सोनी, रामनिवास सोनी, जयप्रकाश गोस्वामी, श्रीमती रानू मिश्रा उपस्थित रहे। मंच संचालन नृपेंद्र कुमार कुशवाहा परामर्शदाता द्वारा किया गया तथा कार्यक्रम के अंत में विनय सोनी द्वारा अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

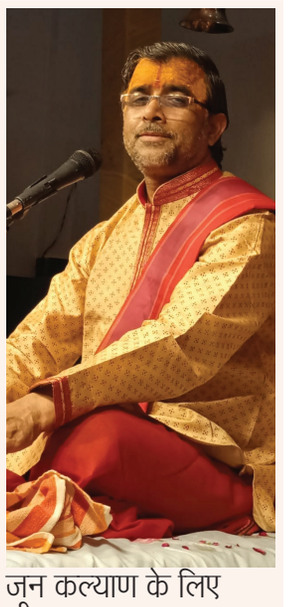

जन कल्याण के लिए श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन आज से

संक्षिप्त समाचार

ट्रम्प के प्लेन में तकनीकी खराबी, रास्ते से यूटर्न लिया, एक घंटे बाद दूसरे प्लेन से स्विट्जरलैंड रवाना हुए

जेनेवा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के विमान में तकनीकी खराबी की वजह से उसे रास्ते में यूटर्न लेना पड़ा। व्हाइट हाउस के मुताबिक, टेकऑफ के बाद क्रू को एक मामूली इलेक्ट्रिकल खराबी का पता चला था, जिसके बाद वे वॉशिंगटन लौट आए। ट्रम्प आज सुबह स्विट्जरलैंड के दावोस के लिए रवाना हुए थे। वे यहां वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम (WEF) की बैठक में शामिल होंगे और अपनी ग्रीनलैंड पॉलिसी पर भाषण देंगे। फ्लाइट ट्रैकिंग डेटा के मुताबिक, विमान ने न्यूयॉर्क के लॉन्ग आइलैंड के पास अटलांटिक महासागर के ऊपर उड़ान भरने के लगभग एक घंटे बाद वापस मुड़ने का फैसला किया। इसके बाद एयर फोर्स वन सुबह करीब 9:30 बजे मैरीलैंड में सुरक्षित उतरा। विमान उतरने के लगभग एक घंटे बाद ट्रम्प दूसरे विमान से दावोस के लिए रवाना हो गए।

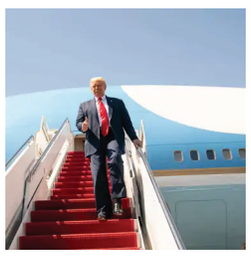

इस दूसरे विमान को भी एयर फोर्स वन के तौर पर ही इस्तेमाल किया जाता है। ट्रम्प की आधिकारिक यात्राओं के लिए फिलहाल बोइंग 747-200B का एयर फोर्स वन के तौर पर इस्तेमाल किया जाता है। इस बेड़े में ऐसे दो विमान हैं, जो करीब चार दशक पुराने हैं। अमेरिकी विमान निर्माता बोइंग इनके नए विकल्प तैयार कर रहा है, लेकिन इस प्रोजेक्ट में देरी हो रही है। पिछले साल कतर के शाही परिवार ने ट्रम्प को एक लग्जरी बोइंग 747-8 जंबो जेट दिया था, जिसे एयर फोर्स वन फ्लीट में शामिल किया जाना है। इस फैसले पर काफी सवाल उठे थे। फिलहाल उस विमान को सुरक्षा मानकों के मुताबिक तैयार किया जा रहा है।

डेनमार्क के सांसद बोले- ट्रम्प भाड़ में जाओ, ग्रीनलैंड बिकाऊ नहीं, ये 800 साल से हमारा हिस्सा

नई दिल्ली। ग्रीनलैंड को लेकर अमेरिका की दिलचस्पी बढ़ने पर डेनमार्क के एक सांसद ने बहुत कड़ा बयान दिया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, यूरोपीय संसद में डेनमार्क के सांसद एंडर्स विस्तिसेन ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से कहा कि ग्रीनलैंड कोई बिकाऊ चीज नहीं है। उन्होंने कहा कि ग्रीनलैंड पिछले 800 सालों से डेनमार्क का हिस्सा है। यह बेचने के लिए नहीं है। इसके बाद उन्होंने कहा कि इसे ऐसे शब्दों में कहूं जो आप समझें, तो मिस्टर प्रेसिडेंट, भाड़ में जाइए। इस पर यूरोपीय संसद के उपाध्यक्ष निकोलाए स्टेफानुता ने उन्हें टोकते हुए कहा कि इस तरह की भाषा सदन के नियमों के खिलाफ है। इस बयान अब तक पर ट्रम्प की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। इस मुद्दे पर फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने भी ट्रम्प को जवाब दिया है। वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम में मैक्रों ने कहा कि फ्रांस धमकी की नहीं, बल्कि आपसी सम्मान की नीति में विश्वास करता है। दरअसल, ट्रम्प ने पहले फ्रांस की वाइन और शैम्पेन पर 200% टैरिफ लगाने की धमकी दी थी। यह धमकी उन्होंने इसलिए दी क्योंकि फ्रांस ने अमेरिका के प्रस्तावित गाजा पीस बोर्ड में शामिल होने से मना कर दिया था। पिछले कुछ हफ्तों में ट्रम्प कई बार कह चुके हैं कि ग्रीनलैंड पर अमेरिका का कंट्रोल होना चाहिए। उनका कहना है कि आर्कटिक इलाके में रूस और चीन के बढ़ते प्रभाव को रोकने के लिए वहां अमेरिकी सेना की मौजूदगी जरूरी है। ग्रीनलैंड को लेकर ट्रम्प ने यूरोप के उन देशों पर भी दबाव बनाया है जो डेनमार्क का समर्थन कर रहे हैं। हाल ही में अमेरिका ने ब्रिटेन समेत आठ यूरोपीय देशों पर 10% टैरिफ लगा दिया, जिसे डेनमार्क के समर्थन के जवाब में उठाया गया कदम माना जा रहा है।

राजस्थान में कोहरे में 4 गाड़ियां टकराईं, 10 घायल

नई दिल्ली/लखनऊ/जयपुर/देहरादून। राजस्थान के सीकर जिले में बुधवार सुबह धुंध के कारण चार बस-ट्रक की भिड़ंत हो गई। इसके बाद और गाड़ियां बस से टकरा गईं। हादसे में 10 लोग घायल हो गए। बिहार के अररिया, पूर्णिया सहित 5 जिलों में कोहरा रहा। सुबह विजिबिलिटी कम होने से 5 ट्रेनें लेट चल रही हैं। औरंगाबाद समेत कई शहरों में सुबह से बादल छाए हुए हैं। मध्य प्रदेश में 23 और 24 जनवरी को ग्वालियर-रीवा समेत 10 जिलों में बारिश का अलर्ट है। इस दौरान कोहरा भी छाया रहेगा। उधर, यूपी सहित देश के 6 राज्यों में दो दिन बाद बारिश की संभावना है। राजस्थान में ओले भी गिर सकते हैं। उत्तरकाशी में चीन सीमा से लगी नेलांग घाटी में नदियां जम गईं। आदि कैलाश (पिथौरागढ़) और केदारनाथ धाम में तापमान -21 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया।

सुनीता विलियम्स 27 साल बाद रिटायर, दिल्ली में बोलीं- भारत आना घर वापसी जैसा, चांद पर जाना चाहती हूं

नई दिल्ली। भारतीय मूल की अमेरिकी एस्ट्रोनॉट सुनीता विलियम्स ने मंगलवार को कहा, इस समय दुनिया में अंतरिक्ष को लेकर एक तरह की होड़ (स्पेस रेस) चल रही है। कई देश चांद और अंतरिक्ष में आगे बढ़ने की कोशिश कर रहे हैं। लक्ष्य सिर्फ पहले पहुंचना नहीं है, बल्कि यह है कि इंसान सुरक्षित, टिकाऊ और लंबे समय तक रहने लायक तरीके से चांद पर जाए। सुनीता ने यह बात दिल्ली के अमेरिकन सेंटर में 'आंखें सितारों पर, पैर जमीं पर' सेमिनार में कहीं। उन्होंने यह भी कहा कि यह काम सबके फायदे, सहयोग और पारदर्शिता के साथ, लोकतांत्रिक तरीके से किया जाना चाहिए, ताकि किसी एक देश का दबदबा न हो और पूरी मानवता को इसका लाभ मिले। सभी देश सहयोग के साथ आगे बढ़ें, बिल्कुल अंटार्कटिका मॉडल की तर्ज पर। सुनीता ने 27 साल के बाद रिटायरमेंट ले लिया है। इसकी घोषणा NASA ने 20 जनवरी को की। उनकी रिटायरमेंट 27 दिसंबर 2025 से लागू होगी। 60 साल की विलियम्स का आखिरी स्पेस मिशन सिर्फ 10 दिन का था। लेकिन वह साढ़े नौ महीने तक इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन (ISS) पर रहीं। सुनीता 27 साल पहले 1998 में नासा से जुड़ी थीं। उन्होंने NASA के 3 मिशन में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने अंतरिक्ष में 608 दिन बिताए। पहली बार वह 9 दिसंबर 2006 में अंतरिक्ष में गई थी। सुनीता ने अंतरिक्ष में 9 स्पेसवॉक की। इस दौरान उन्होंने 62 घंटे 6 मिनट तक अंतरिक्ष में चहलकदमी की। यह किसी भी महिला अंतरिक्ष यात्री में सबसे ज्यादा है। वह अंतरिक्ष में पहली बार मैराथन दौड़ने वाली यात्री भी बनीं।

राममंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष नृत्यगोपाल दास की तबीयत बिगड़ी

अयोध्या। अयोध्या में श्रीरामजन्मभूमि ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास की तबीयत बिगड़ गई है। 87 साल के नृत्य गोपाल दास को सोमवार रात से उल्टी-दस्त हो रहे थे। बुधवार सुबह श्रीराम अस्पताल के रिटायर्ड डॉक्टर एसके पाठक ने उनका चेकअप किया। तुरंत उन्हें लखनऊ मेदांता ले जाने को कहा। जानकारी के मुताबिक, महंत ने पिछले 36 घंटे से कुछ भी नहीं खाया है। श्रीराम हॉस्पिटल के प्रशासनिक अधिकारी वाईपी सिंह ने बताया- महंत नृत्य गोपाल दास की तबीयत खराब होने की सूचना मिली थी। डॉक्टर्स की टीम ने उनकी जांच की। इसके बाद मेडिकल टीम और एक एम्बुलेंस के साथ उन्हें मेदांता अस्पताल रवाना कर दिया गया। उनके उत्तराधिकारी महंत कमलनयन दास भी उनके साथ है। अब वहां से मेडिकल रिपोर्ट आने के बाद ही आगे कोई जानकारी दी जा सकती है। बता दें कि नृत्य गोपाल दास श्रीकृष्ण जन्मभूमि न्यास के भी अध्यक्ष हैं। देश-विदेश में उनके लाखों शिष्य हैं। CM योगी जब कभी अयोध्या आते हैं तो वह महंत नृत्य गोपाल दास का हाल-चाल जानने और उनका आशीर्वाद लेने मणिरामदास जी की छावनी जरूर पहुंचते हैं। पांच साल पहले कोरोना काल में महंत को मथुरा में श्रीकृष्ण जन्मोत्सव के दौरान कोरोना हुआ था। इसके बाद से उनके स्वास्थ्य में लगातार चढ़ाव-उतार चल रहा है। उन्हें पहले भी कई बार लखनऊ के मेदांता अस्पताल में भर्ती किया जा चुका है। साल 2020 और सितंबर 2024 में भी उन्हें मेदांता लखनऊ में भर्ती कराया गया था।

कनाडाई पीएम बोले- अमेरिकी दबदबे वाली व्यवस्था का अंत हुआ

एजेंसी, दावोस

❐ पुराना सिस्टम अब वापस नहीं आएगा, टैरिफ को हथियार बनाने का आरोप लगाया

कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने कहा है कि अमेरिका के दबदबे वाली वैश्विक व्यवस्था अब खत्म हो चुकी है। उन्होंने मंगलवार को स्विट्जरलैंड के दावोस में हो रहे वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम (WEF) में यह बात कही। उन्होंने कहा, "दुनिया किसी बदलाव की तरफ नहीं, बल्कि टूटने की तरफ आगे बढ़ रही है। अब पुराना सिस्टम लौटने वाला नहीं है।" कार्नी ने कहा कि नियमों और अंतरराष्ट्रीय कानूनों के हिसाब से चलने वाली दुनिया की जो बात की जाती है, वह असल में कभी भी पूरी तरह सच नहीं रही। दुनिया हमेशा से ताकत और अपने-अपने हितों के हिसाब से चली है। कार्नी ने माना कि पुराने वैश्विक सिस्टम से कनाडा को फायदा हुआ। लेकिन उनके मुताबिक अब यह व्यवस्था टिकाऊ नहीं रह गई है।

कार्नी बोले- टैरिफ को हथियार बनाया जा रहा: कार्नी ने कहा कि नई हकीकत यह है कि ताकतवर देश अपने हित साधने के लिए आर्थिक रिश्तों का इस्तेमाल दबाव बनाने में कर रहे हैं। उनके मुताबिक, टैरिफ को हथियार बनाकर दबाव बनाया जा रहा है, वित्तीय सिस्टम के जरिए देशों को मजबूर किया जा रहा है और सप्लाई चेन की कमजोरियों का इस्तेमाल किया जा रहा है।

कार्नी ने कहा कि हाल के वर्षों में आए आर्थिक और राजनीतिक संकटों ने यह दिखा दिया है कि जरूरत से ज्यादा वैश्विक निर्भरता किसी भी देश के लिए खतरनाक हो सकती है। कार्नी ने चेतावनी दी कि अब यह मान लेना गलत है कि सिर्फ पुराने गठबंधन ही सुरक्षा और समृद्धि की गारंटी हैं। उन्होंने कहा, "जब आपसी जुड़ाव ही आपको दूसरे के दबाव में ले आए, तो आप आपसी फायदे के झूठ में नहीं रह सकते।" कार्नी ने कहा कि कनाडा को उस नीति पर चलना होगा, जो सिद्धांतों पर भी टिकी हो और जमीन पर काम भी करे। इसके तहत घरेलू क्षमताएं मजबूत करने और किसी एक देश पर निर्भरता घटाने के लिए व्यापारिक साझेदारों में विविधता लाने पर जोर दिया।

वैश्विक संस्थाएं कमजोर पड़ी, देश खुद तैयार रहे: कार्नी ने कहा कि विश्व व्यापार संगठन और संयुक्त राष्ट्र जैसी बहुपक्षीय संस्थाएं कमजोर पड़ी हैं। ऐसे में देशों को अब खुद अपनी सुरक्षा, ऊर्जा और खाद्य जरूरतों के लिए तैयार रहना होगा। उन्होंने कहा, "जो देश खुद को खिला नहीं सकता, ऊर्जा नहीं दे सकता और अपनी रक्षा नहीं कर सकता, उसके पास बहुत कम विकल्प होते हैं।"

इससे पहले फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने भी मंगलवार को वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम की बैठक की संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि दुनिया ऐसे दौर की ओर बढ़ रही है, जहां अंतरराष्ट्रीय कानून कुचले जा रहे हैं और ताकतवर की ही चल रही है। मैक्रों ने कहा कि ऐसी दुनिया खतरनाक है, जहां अंतरराष्ट्रीय कानून की कोई अहमियत नहीं रह जाती। जहां ताकतवर देश जो चाहें करते हैं और कमजोर देशों को मजबूरी में सब सहना पड़ता है। उन्होंने अमेरिका पर आरोप लगाया कि उसकी व्यापार नीतियां यूरोप को कमजोर करने और क्षेत्रीय संप्रभुता के खिलाफ काम करी हैं।

पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ने फर्जी पिज्जा हट का उद्घाटन किया

एजेंसी, इस्लामाबाद

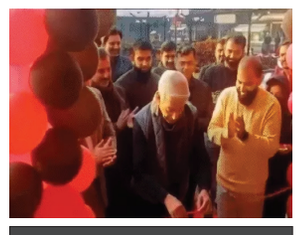

◆ कंपनी बोली- हमारा कोई लेना देना नहीं सोशल मीडिया पर मजाक बना

पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ एक अजीब विवाद में फंस गए हैं। उन्होंने सियालकोट कैंटोनमेंट में पिज्जा हट ब्रांड वाले एक आउटलेट का उद्घाटन किया। लेकिन कुछ ही घंटों बाद पिज्जा हट कंपनी ने इस आउटलेट को फर्जी बता दिया। सोशल मीडिया पर उद्घाटन की तस्वीरें और वीडियो वायरल होने के बाद पिज्जा हट पाकिस्तान ने बयान जारी कर साफ किया कि इस आउटलेट से उसका कोई लेना-देना नहीं है। वायरल तस्वीरों और वीडियो में ख्वाजा आसिफ सियालकोट कैंटोनमेंट में बने आउटलेट का फीता काटते नजर आ रहे हैं। उन्होंने हाथ में कैंची लेकर कैमरे के सामने पोज भी दिया।

यह मामला सामने आते ही सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर लोगों ने इसे लेकर मजाक उड़ाना शुरू कर दिया। एक यूजर ने लिखा, "रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने सियालकोट में एक फर्जी पिज्जा हट फ्रेंचाइजी का उद्घाटन किया। ये बेवकूफ बूढ़े लोग हम पर थोपे गए हैं।" एक अन्य यूजर ने मजाक करते हुए लिखा, "जब पिज्जा हट खुद कह दे, यह हमारी स्लाइस नहीं है।" पिज्जा हट पाकिस्तान ने बयान जारी कर कहा कि सियालकोट कैंटोनमेंट में खुला यह रेस्टोरेंटपिज्जा हट के नाम और ब्रांड का गलत इस्तेमाल कर रहा है। कंपनी ने कहा, यह आउटलेट उससे जुड़ा नहीं है यह पिज्जा हट इंटरनेशनल की रेसिपी, क्वालिटी प्रोटोकॉल, फूड सेफ्टी और ऑपरेशनल स्टैंडर्ड का पालन नहीं करता। कंपनी ने यह भी बताया कि उसने अपने ट्रेडमार्क के दुरुपयोग को रोकने के लिए संबंधित अधिकारियों के पास औपचारिक शिकायत दर्ज कराई है और इस पर तत्काल कार्रवाई की मांग की है। कंपनी के मुताबिक, पाकिस्तान में इस समय उसके कुल 16 आधिकारिक आउटलेट हैं।

प्रयागराज में एयरफोर्स का प्लेन क्रैश, तालाब में गिरा

एजेंसी, प्रयागराज

प्रयागराज में एयरफोर्स का ट्रेनिंग एयरक्राफ्ट क्रैश हो गया। एयरक्राफ्ट हवा में उड़ते-उड़ते डगमगाया और तालाब में गिर गया। 2 सीटर एयरक्राफ्ट में सवार दोनों पायलट सुरक्षित हैं। हादसा बुधवार दोपहर करीब 12:20 बजे केपी कॉलेज के पीछे हुआ। यह शहर के बीचों-बीच का इलाका है। तालाब के पास स्कूल और रिहायशी कॉलोनियां हैं। यहां से माघ मेले की दूरी 3 किमी है। हादसे के तुरंत बाद आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया, एयरक्राफ्ट क्रैश होने से पहले दोनों पायलट पैराशूट से कूद गए और तालाब में गिरे। वहां दलदल में फंस गए थे, जिन्हें स्थानीय लोगों ने बाहर निकाला। जिस तालाब में विमान गिरा है, वहां चारों तरह जलकुंभी उगी हुई है। एयरक्राफ्ट तक रेस्क्यू टीम पहुंच गई हैं। सेना, फायर ब्रिगेड, SDRF और NDRF मौके पर हैं। रेस्क्यू अभियान जारी है। PRO डिफेंस विंग कमांडर देबार्थों धर ने बताया, 'माइक्रोलाइट एयरक्राफ्ट ने दोपहर 12:15 बमरौली एयरफोर्स स्टेशन से उड़ान भरते समय तकनीकी खराबी का शिकार हो गया।' उन्होंने बताया, 'दोनों पायलटों ने सुझबूझ दिखाते हुए एयरक्राफ्ट को सुनसान इलाके में उतारा, जिससे आम लोगों की जान-माल को नुकसान नहीं हुआ।

ट्रम्प बोले-8 जंग रुकवाई, हर एक के लिए नोबेल मिले, इस बार जिसे पुरस्कार मिला, उसे भी पता कि मैं असली हकदार

एजेंसी, वॉशिंगटन डीसी

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने एक बार फिर नोबेल शांति पुरस्कार को लेकर नाराजगी जताई है। ट्रम्प ने कहा कि उन्होंने अब तक 8 जंग रुकवाए हैं, उन्हें हर जंग रुकवाने के लिए अलग-अलग नोबेल मिलना चाहिए। ट्रम्प ने कहा कि वे बात खुद नहीं कहना चाहते, लेकिन सच यही है। अगर कोई कहता है कि मुझे नोबेल नहीं देने में नॉर्वे का कोई रोल नहीं है तो यह गलत है। नोबेल वही से दिया जाता है। इसका फैसला भी वही करते हैं। इससे पहले नॉर्वे के प्रधानमंत्री जोनस स्टोर ने सोमवार को कहा था कि नोबेल शांति पुरस्कार देने का फैसला नॉर्वे सरकार नहीं, बल्कि एक स्वतंत्र नोबेल कमेटी करती है। उन्होंने कहा कि यह बात ट्रम्प को भी पहले समझाई जा चुकी है। ट्रम्प ने वेनेजुएला की विपक्षी नेता मारिया मचाडो की भी तारीफ की। उन्हें इस बार शांति का नोबेल दिया गया है। ट्रम्प ने कहा कि मचाडो ने मुझे यह प्राइज पेश किया और कहा कि ट्रम्प इसके ज्यादा हकदार हैं।

ट्रम्प बोले- दुनिया को न्यूक्लियर वॉर से बचाया: ट्रम्प ने यह भी कहा कि उन्होंने 10 महीनों में भारत और पाकिस्तान समेत आठ युद्ध खत्म करवाए हैं। उन्होंने कहा कि भारत और पाकिस्तान के हालात बेहद गंभीर मोड़ पर थे और हालात परमाणु युद्ध तक जा सकते थे, लेकिन दुनिया एक बड़े यहां तक कि न्यूक्लियर वॉर से बच गई। अंतरराष्ट्रीय संघर्षों को रुकवाने का दावा करते हुए ट्रम्प ने कहा कि उन्हें हर युद्ध रुकवाने के लिए उन्हें नोबेल शांति पुरस्कार मिलना चाहिए था। अपने दूसरे कार्यकाल के एक साल पूरे होने पर ट्रम्प ने कहा कि उनके फैसलों से अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा मजबूत हुई और दुनिया बड़े युद्धों से बची।

ट्रम्प के खिलाफ अमेरिका में विरोध प्रदर्शन: ट्रम्प के दूसरे कार्यकाल का एक साल पूरा होने पर अमेरिका के कई शहरों में उनके खिलाफ प्रदर्शन हुए। एक्टिविस्ट और आम लोग उनकी अलग-अलग नीतियों से नाराज दिखे। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि ट्रम्प की नीतियों ने दुनिया भर में अमेरिका की सालों से बनी अच्छी छवि और भरोसे को नुकसान पहुंचाया है। लोगों ने पोस्टर, पुतले, खास तरह के कपड़े और नारों के जरिए अपना विरोध दर्ज कराया। पिछले एक साल में ट्रम्प प्रशासन को कई फैसलों की वजह से आलोचनाओं का सामना करना पड़ा है। इनमें दूसरे देशों को टैरिफ लगाने की धमकी देना, अवैध प्रवासियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के लिए ICE का खुलकर इस्तेमाल करना और अमेरिका को WTO, UN और NATO जैसे बड़े अंतरराष्ट्रीय संगठनों से दूर करना शामिल है। प्रदर्शनकारियों का मानना है कि ये नीतियां अमेरिका को और अलग-थलग कर रही हैं।

कोकराझार में सेना तैनात, बोडो, आदिवासी समूह के बीच झड़प में 2 की मौत हुई थी

एजेंसी, गुवाहाटी

असम के कोकराझार जिले में बुधवार को सेना तैनात कर दी गई है। मंगलवार को यहां बोडो और आदिवासी समुदायों के बीच झड़पों में दो लोगों की मौत हो गई थी। इसके बाद यहां हिंसा भड़क गई। हमलों की आशंका के चलते कई ग्रामीण अपना घर छोड़कर भाग गए हैं। रक्षा प्रवक्ता ने न्यूज एजेंसी PTI को बताया कि सेना के जवानों ने मंगलवार रात करिगांव और उसके आसपास के इलाकों में गश्त की। बुधवार को इलाके में फ्लैग मार्च भी किया। प्रवक्ता के अनुसार, इस समय जिले में सेना की कुल चार टुकड़ियां तैनात हैं। स्थिति अब नियंत्रण में है। रैपिड एक्शन फोर्स (RAF) पहले से ही इलाके में मौजूद है। पूरे कोकराझार जिले में निषेधाज्ञा लागू है। कोकराझार और चिरांग जिलों में इंटरनेट और मोबाइल डेटा सेवाएं भी सस्पेंड हैं।

वाहन से टक्कर के बाद हिंसा की शुरुआत हुई: गृह विभाग के अधिकारी के अनुसार, सोमवार रात करिगांव आउटपोस्ट के अंतर्गत मानसिंह रोड पर तीन बोडो लोगों को ले जा रहे वाहन ने दो आदिवासियों को टक्कर मार दी। इसके बाद पास के आदिवासी गांवों के लोगों ने वाहन सवारों के साथ मारपीट की और वाहन को आग लगा दी। इस घटना में एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरे व्यक्ति ने मंगलवार को इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। तीन अन्य घायलों का अस्पताल में इलाज चल रहा है।

ग्रामीण घर छोड़कर भागे

मंगलवार को हालात तब और बिगड़ गए जब बोडो और आदिवासी समुदायों के लोगों ने करिगांव आउटपोस्ट के पास राष्ट्रीय राजमार्ग जाम कर दिया। टायर जलाए, एक सरकारी ऑफिस में आग लगा दी और करिगांव पुलिस चौकी पर हमला किया। भीड़ को तितर-बितर करने के लिए पुलिस ने लाठीचार्ज किया और आंसू गैस के गोले छोड़े। इसमें कई लोग घायल हो गए। घायलों में कुछ पुलिसकर्मी भी शामिल हैं।

श्रीनगर में एयर पॉल्यूशन 7 साल में सबसे खराब

एजेंसी, नई दिल्ली

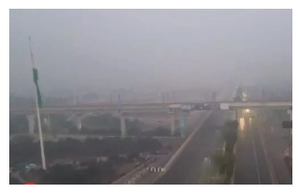

जम्मू-कश्मीर में श्रीनगर का एयर पॉल्यूशन 7 साल में सबसे खराब स्तर पर पहुंच गया है। बुधवार को शहर का एयर क्वालिटी इंडेक्स AQI-308 रिकॉर्ड हुआ। एयर मॉनिटरिंग डेटा के मुताबिक, जनवरी में शहर की एयर क्वालिटी काफी खराब रही है। श्रीनगर का मौजूदा औसत PM2.5 कंसंट्रेशन 115 माइक्रोग्राम प्रति क्यूबिक मीटर है, जो WHO की बताई गई लिमिट से काफी ज्यादा है। इस लेवल पर एक्सपोजर से हेल्थ रिस्क जुड़ा है, जो एक दिन में चार से ज्यादा सिगरेट पीने के बराबर है। 2019 के बाद से 2026 श्रीनगर का सबसे प्रदूषित साल रहा है, जिसका औसत AQI-159 रहा। इसके उलट, 2023 में पिछले सात सालों में सबसे साफ हवा रिकॉर्ड की गई, जिसका औसत AQI-49 रहा। वहीं दिल्ली में एयर क्वालिटी बुधवार को भी बहुत खराब कैटेगरी में रही। शहर का AQI-339 रिकॉर्ड किया गया। जहांगीरपुरी में AQI 390 रहा।

शाम को बढ़ता है एयर पॉल्यूशन: AQI डेटा के मुताबिक श्रीनगर में रोज शाम को पॉल्यूशन लेवल तेजी से बढ़ता है। सुबह हवा साफ रहती है। शाम को एवरेज AQI-228 तक पहुंच जाता है। पिछले 7 दिनों का AQI यदि देखें तो 100 से ऊपर ही रहा है। वहीं 16 जनवरी को श्रीनगर का AQI सबसे खराब 415 दर्ज किया गया।

मद्रास हाईकोर्ट बोला-लिव-इन में महिला तभी सुरक्षित, जब पत्नी मानें

एजेंसी, चेन्नई

मद्रास हाईकोर्ट की मदुरै बेंच ने कहा कि लिव-इन रिलेशनशिप में रहने वाली महिलाओं को सुरक्षा तभी मिलेगी, जब उन्हें पत्नी का दर्जा दिया जाए। कोर्ट ने कहा कि ऐसे रिश्तों में महिलाओं को वैवाहिक सुरक्षा नहीं मिल पाती इसलिए कोर्ट की जिम्मेदारी बनती है कि महिलाओं को संरक्षण दें। जस्टिस एस श्रीमथी ने यह टिप्पणी एक आरोपी की अग्रिम जमानत याचिका खारिज करते हुए की। शख्स पर आरोप है कि वह महिला के साथ पहले लिव-इन में रहा। फिर शादी का झूठा वादा कर महिला के साथ शारीरिक संबंध बनाए। इस पर कोर्ट ने कहा कि पुरुष पहले मॉडर्न बनकर लिव-इन का रिश्ता बनाते हैं। बाद में रिलेशनशिप खराब होने पर महिला के कैरेक्टर पर सवाल उठाते हैं। वे ऐसा इसलिए कर पाते हैं क्योंकि कानून में लिव-इन को लेकर कोई नियम नहीं हैं।

पीड़ित ने कहा कि वे और आरोपी स्कूल से एक-दूसरे को जानते थे, बाद में रिलेशनशिप में आए। अगस्त 2024 में दोनों घर से भाग गए और शादी करने का मन बनाया। लेकिन महिला के परिवार ने गायब होने की शिकायत दर्ज कराई और पुलिस ने कपल को पकड़कर घर पहुंचा दिया। बाद में आरोपी एग्जॉम देने के बहाने शादी टालता रहा। इस दौरान उनके बीच शारीरिक संबंध भी बने। रिश्ता बाद में टूट गया और महिला ने धोखाधड़ी का आरोप लगाते हुए शिकायत दर्ज कराई। आरोपी ने अग्रिम जमानत मांगी और कहा कि रिश्ता सहमति से था। उसे महिला के पिछले बॉयफ्रेंड के बारे में जानकारी मिली, जिससे उसने रिश्ता तोड़ दिया। आरोपी ने बेरोजगारी और आर्थिक तनाव का हवाला देते हुए शादी नहीं करने के कारण बताए।

राहुल गांधी हरियाणा-उत्तराखंड के जिलाध्यक्षों को ट्रेनिंग दे रहे

एजेंसी, कुरुक्षेत्र

❐ कुरुक्षेत्र में इनके परिवारों से भी मिले, सीनियर लीडर्स को एंट्री नहीं, अलग कमरे में बैठे

कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी आज (21 जनवरी) हरियाणा दौरे पर हैं। सुबह 10:20 बजे अंबाला एयरफोर्स स्टेशन पर उनका प्लेन लैंड हुआ, जहां कांग्रेस प्रभारी बीके हरिप्रसाद, प्रदेश अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह और पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने उनका स्वागत किया। इसके बाद राहुल गांधी सड़क मार्ग से कुरुक्षेत्र पहुंचे, जहां वे पंजाबी धर्मशाला में चल रहे 'संगठन सृजन अभियान' के ट्रेनिंग कैंप में हिस्सा ले रहे हैं। यहां उन्होंने सबसे पहले हरियाणा और उत्तराखंड के कांग्रेस जिला अध्यक्षों के परिवारों से मुलाकात की। अब राहुल जिला अध्यक्षों को बंद हॉल में ट्रेनिंग दे रहे हैं।सूत्रों के मुताबिक, ट्रेनिंग में जिला अध्यक्षों के अलावा किसी नेता को नहीं जाने दिया गया। नेता अलग कमरे में बैठे हैं। धर्मशाला में राव नरेंद्र सिंह, भूपेंद्र सिंह हुड्डा के अलावा, सिरसा से सांसद कुमारी सैलजा, राज्यसभा सांसद रणदीप सुरजेवाला समेत विधायक और सांसद भी मौजूद हैं। ट्रेनिंग कैंप के बाद राहुल गांधी शाम को कुरुक्षेत्र में ही ब्रह्मसरोवर पर आयोजित आरती में भी शामिल हो सकते हैं। इसके बाद वे दिल्ली के लिए रवाना होंगे।

जिला अध्यक्ष की बेटी बोली- छात्रों की बातें रखीं: राहुल गांधी से मुलाकात के बाद चरखी दादरी से कांग्रेस के जिला अध्यक्ष सुशील धानक की बेटी जसबीर बॉक्सर ने कहा- मैंने राहुल गांधी से मुलाकात की। उनसे कहा कि हरियाणा के पंचकूला में छात्र बैठे हुए हैं। उन छात्रों पर 35 प्रतिशत का क्राइटेरिया थोपा जा रहा है, इस पर विचार किया जाए।

मीडिया को कैंप में एंट्री नहीं: ट्रेनिंग कैंप में केवल प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं, जिला अध्यक्षों और कार्यकारिणी सदस्यों को ही प्रवेश की अनुमति दी गई है। मीडिया को इस कार्यक्रम से दूर रखा गया है। राहुल गांधी के काफिले में शामिल केवल तीन गाड़ियां ही धर्मशाला के अंदर जा सकीं, बाकी वाहनों को धर्मशाला के प्रवेश द्वार पर ही रोक दिया गया। राहुल गांधी की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए पुलिस ने भी कड़े इंतजाम किए हैं। पंजाबी धर्मशाला की ओर जाने वाली सड़क पर तीन स्थानों पर बैरिकेड लगाए गए हैं। ASP प्रतीक गहलोत के नेतृत्व में पुलिस बल तैनात है।

राव नरेंद्र सिंह बोले- संगठन को मजबूत करेंगे: कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह ने बताया कि हरियाणा और उत्तराखंड के जिला अध्यक्षों के लिए कुरुक्षेत्र एक केंद्रीय स्थान है, इसलिए हमने ट्रेनिंग के लिए इसे चुना। 13 जनवरी को शुरू हुआ यह कैंप 22 जनवरी तक चलेगा, जिसमें पार्टी के वरिष्ठ नेता नवनियुक्त जिला अध्यक्षों को ट्रेनिंग दे रहे हैं। कैंप का मुख्य उद्देश्य संगठन को मजबूत करना और चुनाव लड़ने की राजनीति सिखाना है। इसमें हरियाणा के 32 और उत्तराखंड के 27 कांग्रेस जिला अध्यक्ष, उनके साथ-साथ राज्यों के प्रभारी, सह प्रभारी, प्रदेश अध्यक्ष और कांग्रेस विधायक दल के नेता भी शामिल हो रहे हैं।

ट्रंप युग की नई भू-राजनीति, इंटरनेशनल गैंगस्टर की छवि और भारत-यूरोप की मदर ऑफ ऑल डील्सः-बदलती विश्व व्यवस्था का निर्णायक मोड़-एक समग्र विश्लेषण

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया

» डोनाल्ड ट्रंप की नीतियाँ, ब्रिटेन की तीखी प्रतिक्रियाएँ और भारत- यूरोप की मदर ऑफ ऑल डील्स ये तीनों घटनाएँ मिलकर एक नई विश्व व्यवस्था की आहट देती हैं

» संभावित भारत-ईयू समझौता केवल व्यापारिक करार नहीं, बल्कि उस वैकल्पिक वैश्विक भविष्य की नींव होगा,जहाँ नियम,साझेदारी और संतुलन सर्वोपरि होंगे- एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र

गोंदिया – वैश्विक स्तरपर 21वीं सदी के तीसरे दशक में वैश्विक राजनीति एक ऐसे मोड़ पर खड़ी है,जहाँ अंतरराष्ट्रीय नियम, संप्रभुता की अवधारणा और बहुपक्षीय सहयोग की नींव हिलती दिखाई दे रही है।अमेरिका के राष्ट्रपति द्वारा कथित रूप से नया अमेरिकी नक्शा पेश करना,ग्रीनलैंड,ब्रिटेन और वेनेजुएला को लेकर आक्रामक दावे करना और टैरिफ़ युद्ध को हथियार बनान ये सब संकेत देते हैं कि विश्व राजनीति अब कूटनीति से अधिक दबाव और धमकी की भाषा में बात कर रही है। इसी पृष्ठभूमि में भारत और यूरोपीय संघ के बीच प्रस्तावित भारत- ईयू मुक्त व्यापार समझौता एक वैकल्पिक वैश्विक आर्थिक धुरी के रूप में उभरता दिखाई देता है।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि,ट्रंप प्रशासन टैरिफ़ को एक रणनीतिक हथियार की तरह इस्तेमाल कर रहें है। पहले चीन,फिर यूरोप और अब सहयोगी देशों पर भी शुल्क बढ़ाने की धमकी,यह नीति वैश्विक व्यापार को अस्थिर कर रही है।यानें अब मित्रों को भी शत्रु बना रही अमेरिकी नीति। यूरोपीय संघ पर 1 फरवरी से 10 प्रतिशत और उसके बाद 25 प्रतिशत तक टैरिफ़ लगाने की चेतावनी ने यूरोप को वैकल्पिक आर्थिक साझेदार खोजने के लिए मजबूर कर दिया है।यही वह क्षण है जहाँ भारत एक विश्वसनीय और स्थिर विकल्प के रूप में उभरता है।ग्रीनलैंड को लेकर अमेरिका का आक्रामक रुख केवल यूरोप ही नहीं, रूस के लिए भी एक अवसर बन गया है। रूस द्वारा इस मुद्दे को अपनी रणनीति में शामिल करना दर्शाता है कि महाशक्तियाँ अब छोटे क्षेत्रों और संसाधनों पर नियंत्रण के लिए खुलकर प्रतिस्पर्धा कर रही हैं। यह स्थिति शीत युद्ध के बाद की उस व्यवस्था को चुनौती देती है, जिसमें सीमाएँ अपेक्षाकृत स्थिर मानी जाती थीं। साथियों बात अगर हम ट्रंप की भू-राजनीतिक सोचः नक्शे बदलने की महत्वाकांक्षा या रणनीतिक दबाव? इसको समझने की करें तो, ट्रंप की विदेश नीति पारंपरिक अमेरिकी कूटनीति से भिन्न रही है। उन्होंने अमेरिका फर्स्ट के नारे को केवल घरेलू नीति तक सीमित नहीं रखा बल्कि उसे वैश्विक व्यवस्था पर थोपने का प्रयास किया। ग्रीनलैंड को खरीदने की पेशकश,वेनेजुएला के संसाधनों पर अप्रत्यक्ष दावे और ब्रिटेन सहित यूरोपीय सहयोगियों पर दबाव ये सभी कदम एक ऐसी सोच को दर्शाते हैं जहाँ भूगोल भी सौदेबाज़ी का हिस्सा बन जाता है। यह सवाल अब गंभीर है कि क्या ट्रंप सचमुच दुनियाँ का भूगोल बदलना चाहते हैं या यह केवल आर्थिक-राजनीतिक दबाव बनाने की रणनीति है।ट्रंप की नीतियों से अब केवल प्रतिद्वंद्वी ही नहीं,बल्कि सहयोगी देश भी असहज महसूस करने लगे हैं। ब्रिटेन की संसद में तीसरी सबसे बड़ी पार्टी लिबरल डेमोक्रेट के नेता एड डेवी द्वारा ट्रंप को इंटरनेशनल गैंगस्टर और अमेरिका का अब तक का सबसे भ्रष्ट राष्ट्रपति कहना केवल एक बयान नहीं, बल्कि ट्रांस- अटलांटिक रिश्तों में आई दरार का प्रतीक है।यह प्रतिक्रिया दर्शाती है कि अमेरिका -यूरोप संबंध अब विश्वास की बजाय संदेह और असंतोष पर सटीक टिके नज़र आ रहे हैं। साथियों बात अगर हम भारत- यूरोपीय संघ संबंधों का ऐतिहासिक संदर्भ इसको समझने की करें तो,भारत और यूरोपीय संघ के बीच मुक्त व्यापार समझौते की चर्चा कोई नई नहीं है। इसकी शुरुआत 2007 में हुई थी,लेकिनटैक्स बौद्धिक संपदा अधिकार, पर्यावरण मानकों और श्रम नियमों जैसे मुद्दों पर मतभेदों के कारण यह 2013 तक लटक गई। 2022 में बातचीत फिर शुरू हुई, पर वैश्विक अनिश्चितताओं के कारण प्रक्रिया धीमी रही। अब 27 जनवरी 2026 को इसके पूर्ण होने की संभावना एक ऐतिहासिक मोड़ मानी जा रही है।यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन द्वारा इस प्रस्तावित समझौते को मदर ऑफ ऑल डील्स कहना इसके महत्व को रेखांकित करता है। दो अरब से अधिक आबादी वाला यह संयुक्त बाजार न केवल व्यापारिक नियमों को सरल बनाएगा,बल्कि वैश्विक जीडीपी का एक नया पावर हाउस भी तैयार करेगा।यूरोप के 27 देशों को फर्स्ट मूवर एडवांटेज मिलने की बात यह दर्शाती है कि ईयू इस समझौते को रणनीतिक

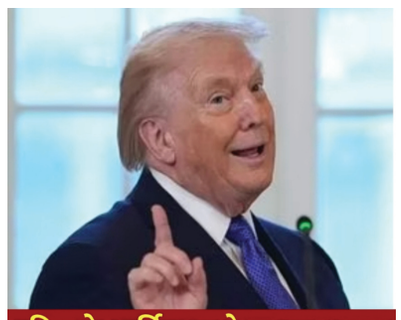

दुनिया के आर्थिक नक्शे पर बड़ा धमाका
200 करोड़ लोगों का एक साझा बाजार

दृष्टि से कितना अहम मानता है। भारत के लिए क्यों निर्णायक है यह समझौता?अमेरिकी बाजार में हालिया उतार-चढ़ाव और संभावित मंदी के डर ने भारत के लिए निर्यात जोखिम बढ़ा दिए हैं। ऐसे में यूरोपीय संघ के साथ एक स्थिर और दीर्घकालिक व्यापार साझेदारी भारत के लिए सुरक्षा कवच की तरह काम करेगी। यह समझौता भारत को केवल बाजार नहीं, बल्कि नियम- आधारित व्यापार व्यवस्था में एक मजबूत स्थान भी देगा। साथियों बात अगर हम इस समझौते से रोजगार -प्रधान उद्योगों को सबसे बड़ा लाभ मिलने की करें तो,भारत के कपड़ा, रेडीमेड गारमेंट और चमड़ा उद्योग जैसे सेक्टर, जहाँ लाखों लोग काम करते हैं, इस समझौते से सबसे अधिक लाभान्वित होंगे। अभी यूरोप में भारतीय उत्पादों पर 2 से 12 प्रतिशत तक शुल्क लगता है।एफटीए के बाद यह टैक्स घटेगा या समाप्त होगा?,जिससे भारतीय उत्पाद यूरोपीय बाजार में अधिक प्रतिस्पर्धी बनेंगे और घरेलू रोजगार सृजन को बढ़ावा मिलेगा।दवा उद्योग और फार्मेसी ऑफ द वर्ल्ड की भूमिका- भारत को पहले ही दुनियाँ की दवाइयों की दुकान कहा जाता है। यूरोपीय बाजार में जेनेरिक दवाओं की मांग लगातार बढ़ रही है, लेकिन कड़े नियमों के कारण भारतीय कंपनियों को चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। इस समझौते के बाद मंजूरी प्रक्रिया सरल होने से भारतीय फार्मा कंपनियों के लिए विशाल अवसर खुलेंगे।केमिकल समुद्री उत्पाद और नए अवसर- केमिकल उद्योग और समुद्री उत्पादों के निर्यात में भी भारत को बड़ा लाभ मिलने की संभावना है।यूरोप जैसे उच्च- मानक बाजार में भारतीय उत्पादों की पहुँच बढ़ना न केवल व्यापार बढ़ाएगा,बल्कि गुणवत्ता सुधार और तकनीकी उन्नयन को भी प्रोत्साहित करेगा।यूरोप के लिए भारत केवल एक बड़ा उपभोक्ता बाजार नहीं, बल्कि एक रणनीतिक साझेदार है जो एशिया में स्थिरता और नियम-आधारित व्यवस्था का समर्थक है। अमेरिका के अनिश्चित रवैये के बीच भारत- ईयू संबंध यूरोप को एक सटीक वैकल्पिक शक्ति संतुलन प्रदान करते हैं। भारतीय उपभोक्ताओं पर प्रभावः सस्ती लग्ज़री? इस समझौते के बाद यूरोप की कार कंपनियाँ,मर्सिडीज,बीएमडब्ल्यू ऑडी भारत में अपेक्षाकृत सस्ती हो सकती हैं। साथ ही, यूरोप से आने वाली शराब और वाइन पर टैक्स कम होने से भारतीय बाजार में उनकी कीमत घट सकती है। यह भारतीय उपभोक्ताओं के लिए एक नया अनुभव होगा, लेकिन घरेलू उद्योगों के लिए प्रतिस्पर्धा भी बढ़ाएगा। साथियों बात कर हम भारत की कूटनीतिक चतुराईः गणतंत्र दिवस और ईयू अतिथि इसको समझने की करें तो, भारत द्वारा अपने 77वें गणतंत्र दिवस पर यूरोपीय संघ के प्रतिनिधियों को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित करना केवल प्रतीकात्मक नहीं,बल्कि एक स्पष्ट कूटनीतिक संदेश है। यह दर्शाता है कि भारत वैश्विक राजनीति में किस दिशा में अपने रिश्तों को प्राथमिकता दे रहा है।जहाँ ट्रंप की नीति दबाव, धमकी और एकतरफा फैसलों पर आधारित है,वहीं भारत-ईयू समझौता संवाद, सहमति और बहुपक्षीय सहयोग का उदाहरण है। यह टकराव केवल नीतियों का नहीं,बल्कि दुनियाँ को देखने के दो अलग-अलग नज़रियों का है।अमेरिका की आक्रामक नीतियाँ और यूरोप-भारत की नजदीकियाँ संकेत देती हैं कि वैश्विक शक्ति संतुलन धीरे-धीरे बहुध्रुवीय हो रहा है। अब कोई एक देश अकेले नियम तय नहीं कर सकता।व्यापार,तकनीक और कूटनीति में साझेदारियाँ निर्णायक भूमिका निभाएँगी।आने वाले वर्षों में यह स्पष्ट होगा कि दुनियाँ टकराव के रास्ते पर जाती है या सहयोग के। ट्रंप की शैली तात्कालिक लाभ दे सकती है, लेकिन दीर्घकाल में अस्थिरता बढ़ाती है।इसके विपरीत भारत-ईयू जैसी साझेदारियाँ स्थिरता और साझा समृद्धि का मार्ग प्रशस्त करती हैं। अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि नई विश्व व्यवस्था की आहट साफ दिख रही है,डोनाल्ड ट्रंप की नीतियाँ, ब्रिटेन की तीखी प्रतिक्रियाएँ और भारत-यूरोप की मदर ऑफ ऑल डील्स ये तीनों घटनाएँ मिलकर एक नई विश्व व्यवस्था की आहट देती हैं। यह वह दौर है जहाँ कब्ज़े की राजनीति और सहयोग की अर्थव्यवस्था आमने-सामने खड़ी हैं। भारत-ईयू समझौता केवल व्यापारिक करार नहीं, बल्कि उस वैकल्पिक वैश्विक भविष्य की नींव है, जहाँ नियम, साझेदारी और संतुलन सर्वोपरि होंगे।

-संकलनकर्ता लेखक-क़र विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखक चिंतक कवि संगीत माध्यमा सीए(एटीसी) एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र 9284141425

"शहीद क्रांतिकारी रामकृष्ण विश्वास"

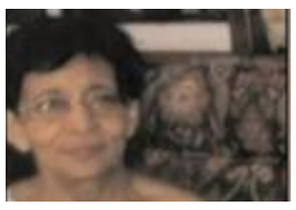

डॉ.जया शुक्ला

हमारे देश में वैसे तो अंग्रेज़ों के आने के साथ ही भारतीयों के हृदय में विद्रोह की ज्वाला जग चुकी थी, किन्तु 1920 के दशक में यह बहुत तीव्र हुई। भारत में जहाँ-जहाँ थोड़े बड़े शिक्षण संस्थान थे, वहाँ आसपास के क्षेत्रों से भी विद्यार्थीगण आते थे, और विद्यार्थियों के बड़े समूह इकट्ठे रहते थे। यह शिक्षित और विचारशील होते थे, और अपने हृदय में जल रही, स्वतंत्रता के लिये तड़प, और विद्रोह की आग को सही दिशा देने की खोज करने में सक्षम थे। इस कारण यह क्षेत्र क्रान्ति के बड़े स्थान और क्रान्तिकारियों के गढ़ बन गये थे। वैसे तो पूरे ही देश में जगह-जगह स्वतंत्रता के लिए संपूर्ण समर्पण के साथ हर बलिदान के लिये प्रतिबद्ध वीरों के संगठन कार्यरत थे, किन्तु कुछ स्थान क्रान्तिकारियों के बड़े गढ़ थे। वाराणसी, इलाहाबाद, कलकत्ता, आदि इसके कुछ प्रमुख स्थान थे। श्री रामकृष्ण विश्वास का जन्म 16 जनवरी, सन् 1910 को बंगाल के चटगाँव के सारोवातली में श्री दुर्गाकृपा विश्वास के घर हुआ। बालक रामकृष्ण बचपन से ही प्रखर बुद्धिके थे, और तत्कालीन समाज की स्थिति को गहराई से देखने लगे थे। 1928 की इन्ट्रेन्स परीक्षा में वह पूरे जिले में प्रथम स्थान पर आए। वह चाहते तो अच्छे पद पर कार्यरत हो सकते थे। किन्तु अंग्रेज़ी राज की नौकरी भला उन्हें कैसे स्वीकार होती ! उन दिनों बंगाल, विशेषकर उसके पूर्वी क्षेत्रों में मास्टर सूर्यसेन (मास्टर दा) का क्रान्तिकारी संगठन मजबूती से सकृय था। श्री रामकृष्ण विश्वास भी उससे जुड़ गये, और पूरे सकृय हो गये।1930 में बम बनाते समय वह बुरी तरह घायल भी हो गये थे। सन् 1930 में पुलिस महानिरीक्षक बनकर टी.जे. क्रेग चटगाँव आया। क्रूर और अत्याचारी तो वह था ही। मास्टरदा ने उसे मारने का काम श्री रामकृष्ण विश्वास और श्री कालीपद चक्रवर्ती को सौंपा। योजना के अनुसार 1 दिसंबर, 1930 को, उन्होंने अन्य क्रान्तिकारियों के साथ चांदपुर रेलवे स्टेशन पर हमला किया, लेकिन क्रेग के बजाय चांदपुर के एसडी और तारिणी मुखर्जी को गलती से मार दिया। क्रान्तिकारीगण फ़रार तो हुए, किन्तु 2 दिसम्बर को पुलिस ने बम और रिवाल्वर के साथ श्री रामकृष्ण विश्वास और श्री कालीपद चक्रवर्ती को घटनास्थल से 22 मील दूर गिरफ्तार कर लिया। ये बम कलकत्ता से चटगाँव तक संगठन के सदस्य श्री मनोरंजन राय लेकर आये थे। तारिणी मुखर्जी हत्या के मामले में श्री रामकृष्ण विश्वास को मृत्युदण्ड तथा श्री कालीपद चक्रवर्ती को कालापानी निर्वासन की सजा सुनाई गयी। श्री रामकृष्ण विश्वास कोलकाता के अलीपुर जेल में बन्द थे। चटगाँव से कोई भी निकट सम्बन्धी रामकृष्ण जी को देखने नहीं आ सकता था क्योंकि इसका खर्च बहुत था। यह जानने के बाद श्री मनोरंजन राय ने प्रीतिलता जी को एक पत्र लिखा जो उस समय कलकता में ही रहतीं थीं, और संगठन की सहयोगी थीं। पत्र में उन्होंने श्री रामकृष्ण विश्वास से मिलने की कोशिश करने का अनुरोध किया। जब श्री मनोरंजन राय जी की माँ हिजली में अपने बेटे से जेल में मिलने के लिए गईं, तो उन्होंने चुपके से वह पत्र लेकर प्रीतिलता जी को सौंप दिया। संगठन के सदस्य श्री गोनू पीसी की सलाह पर प्रीतिलता जी ने श्री रामकृष्ण विश्वास से मिलने के लिए छद्म नाम "अमिता दास" के तहत अलीपुर सेंट्रल जेल के अधिकारियों को आवेदन दिया। जेल अधिकारियों की अनुमति से वह श्री रामकृष्ण विश्वास से लगभग चालीस बार मुलाक़ात कर पाईं। इन बैठकों के संदर्भ में उन्होंने जो लिखाहै, वह क्रान्तिकारियों की वीरता, मातृभूमि के प्रति समर्पण, उदात्त और प्रेरणादायक चरित्र, मानवता, सादगी, को स्पष्ट दिखाता है। उन बैठकों के विषय में प्रीतिलता जी ने लिखाः- "उनकी (श्री रामकृष्ण विश्वास की) निष्ठा, स्पष्टवादिता, निर्भीक हृदय से मृत्यु को गले लगाना, ईश्वर के प्रति अटूट श्रद्धा, बच्चों जैसी सादगी, करुणा और गहन अहसास ने मुझे गहराई से प्रभावित किया। मैं पहले की तुलना में दस गुना अधिक सक्रिय हो गयी। इस देशभक्त युवा के साथ बातचीत ने मेरे जीवन की पूर्णता को बढ़ाया।" 4 अगस्त, 1932 को श्री रामकृष्ण विश्वास को फाँसी दे दी गई। इस घटना ने प्रीतिलता जी के जीवन में आमूलचूल परिवर्तन ला दिया। उनके शब्दों में, "रामकृष्णदा की फाँसी के बाद, क्रांतिकारी गतिविधियों में सीधे शामिल होने की मेरी इच्छा बहुत बढ़ गई।" क्रान्तिकारी वास्तव में वह होते हैं जो अपने हृदय की ज्योति अपने संपर्क में आए हर व्यक्ति के भीतर भी जला देते हैं। प्रीतिलता जी बहुत सकृय क्रान्तिकारी बनीं, जेलयात्रा भी की। उनका नाम भी इतिहास में स्वर्णाक्षरों में दर्ज हे।

माँ कामाख्या देवी मंदिर दिव्य दर्शन शक्तिपीठ माँ कामाख्या देवी मंदिर जहाँ सृष्टि की साधना होती है और मौन भी मंत्र बन जाता है

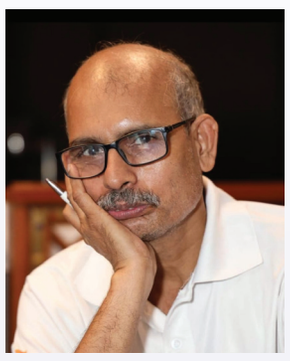

विनोद कुमार सिंह

स्वतंत्र पत्रकार एवं स्तम्भकार- धन्य है भारत की वह पवित्र धरा, जहाँ धर्म और अध्यात्म केवल मूर्तियों,मंत्रों,फूल-प्रसाद ,चढावों और कर्मकांडों तक सीमित नहीं रहते,बल्कि मानव चेतना की गहराइयों में उतरकर जीवन-दर्शन का रूप ले लेते हैं।भारत की असली पहचान उसी जीवंत परंपरा में रची-बसी है,जो प्रश्नों से भयभीत नहीं होती,बल्कि उन्हें साधना की सर्वोच्च अवस्था में रूपांतरित कर देती है।यही कारण है कि भारतीय दर्शन में देवी-देवता केवल पूजनीय प्रतीक नहीं, बल्कि सृष्टि की मूल ऊर्जा के साक्षात स्रोत माने गए हैं। इसी निर्भीक स्वीकार्यता का सबसे रहस्यमय,साहसी और वैचारिक प्रतीक है -शक्तिपीठ माँ कामाख्या। नीलांचल पर्वत की गोद में,असम के गुवाहाटी नगर में स्थित माँ कामाख्या का यह दिव्य धाम केवल एक मंदिर नहीं,बल्कि भारतीय चेतना का वह शिखर है,जहाँ श्रद्धा,तंत्र,इतिहास और स्त्री-शक्ति एक-दूसरे में विलीन हो जाते हैं। यह वह स्थल है जहाँ न देवी की कोई मूर्ति है, न कोई साकार प्रतिमा -यहाँ पूजा होती है सृष्टि के मूल स्रोत की,साक्षात योनि की। वही योनि,जिसे आधुनिक समाज ने कभी अश्लीलता में बदल दिया,तो कभी लज्जा और निषेध के आवरण में ढक दिया।किंतु भारतीय सभ्यता की गहराई यहाँ उद्घोष करती है कि स्त्री-शरीर,रक्त और सृजन अपवित्र नहीं,बल्कि पूज्य हैं। विगत दिनों,हमें अपने कुछ मीडिया मित्रों के संग इस अलौकिक आध्यात्मिक यात्रा का सौभाग्य प्राप्त हुआ।दो दिवसीय प्रवास के दौरान पहले दिन माँ के तीन बार दर्शन का अवसर मिला,किंतु स्थानीय श्रद्धालुओं की मान्यता के अनुसार, मुख्य दर्शन और साधना की पूर्णता तब मानी जाती है जब गर्भगृह के उस पवित्र स्थल का साक्षात्कार हो, जहाँ माता सती की रजस्वला शक्ति का पतन हुआ था।इसी भाव के साथ,दूसरे दिन प्रातःकालीन बेला में हम मंदिर पहुँचे।लंबी कतारें, प्रतीक्षा और धैर्य—इन सबके बाद जो क्षण मिला,वह केवल दर्शन नहीं था,वह आत्मा के भीतर उतरती हुई एक शांति थी,जिसे शब्दों में बाँध पाना कठिन है।इसी अनुभूति को यह आलेख स्वर देने का विनम्र प्रयास है। पौराणिक कथाओं के अनुसार,राजा दक्ष के यज्ञ में भगवान शिव के अपमान से आहत होकर माता सती ने यज्ञकुंड में आत्मदाह कर लिया। शोक और क्रोध से व्याकुल शिव उनके निष्प्राण शरीर

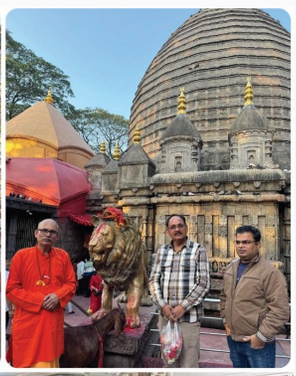

को लेकर तांडव करने लगे।सृष्टि के विनाश को रोकने हेतु भगवान विष्णु ने सुदर्शन चक्र से सती के शरीर को 51भागों में विभक्त किया।जहाँ-जहाँ ये अंग गिरे,वहीं शक्तिपीठ स्थापित हुए। कामाख्या वह पवित्र स्थल है जहाँ माता सती की योनि गिरी।यही कारण है कि यह शक्तिपीठ अन्य सभी शक्तिपीठों से भिन्न,अधिक साहसी और अधिक वैचारिक है। यहाँ पूजा सौंदर्य की नहीं,बल्कि सृजन के मूल तत्व की होती है। माँ कामाख्या को कामेश्वरी कहा गया है - इच्छा की देवी।इच्छा,जो सृष्टि का पहला स्पंदन है।बिना इच्छा न जीवन संभव है, न सृजन।यही कारण है कि कामाख्या केवल भक्ति का स्थल नहीं,बल्कि साधना का केंद्र है।तंत्र,जिसे अज्ञान और भय के कारण लंबे समय तक विकृत रूप में प्रस्तुत किया गया,वस्तुतः शक्ति के विज्ञान का नाम है।कामाख्या उसी तांत्रिक चेतना का मूल केंद्र है,जहाँ साधना का उद्देश्य शक्ति को समझना और साधना है,न कि उसका दुरुपयोग। इतिहास भी इस मंदिर की जीवंतता का साक्षी है।माना जाता है कि इसका मूल स्वरूप अत्यंत प्राचीन था।16वीं शताब्दी में कोच राजा बिस्वा सिंह ने इसका पुनर्निर्माण कराया।बाद में राजा नारायण और वीर चिलराय ने 1565 में इसका जीर्णोद्धार कर इसे राजाश्रय प्रदान किया।अहोम शासकों और कोचबिहार के राजवंशों ने भी इसे संरक्षण दिया।1897 के विनाशकारी भूकंप ने मंदिर को गहरी क्षति पहुँचाई,किंतु आस्था ने एक बार फिर इसे खड़ा कर दिया।यह केवल पत्थरों का पुनर्निर्माण नहीं था,यह भारतीय चेतना की पुनर्स्थापना थी। कामाख्या मंदिर की सबसे चर्चित और विवादास्पद परंपरा अंबुबाची पर्व है।आषाढ़ मास में तीन से चार दिनों तक मंदिर के कपाट बंद रहते हैं। मान्यता है कि इस अवधि में देवी रजस्वला होती हैं।यह बंद होना निषेध का प्रतीक नहीं,बल्कि सम्मान का संकेत है।यह मौन अशुद्धि का नहीं,बल्कि सृजन-काल का मौन है -जब प्रकृति स्वयं विश्राम करती है और मनुष्य को प्रतीक्षा का अर्थ सिखाती है।इन दिनों के बाद गर्भगृह में रखा गया श्वेत वस्त्र लाल हो जाता है,जिसे अंबुबाची वस्त्र के रूप में प्रसाद स्वरूप वितरित किया जाता है।यह वस्त्र केवल कपड़ा नहीं, बल्कि उस दर्शन का प्रतीक है,जो स्त्री-रक्त को जीवन का स्रोत मानता है,न कि कलंक। माँ कामाख्या का मंदिर यह भी स्पष्ट करता है कि भारतीय आस्था कभी उन्मादी नहीं रही।यहाँ बलि की परंपरा है, किंतु उसमें भी मर्यादा है। मादा पशुओं की बलि निषिद्ध है और मनोकामना पूर्ण होने पर कन्या-भोजन कराया जाता है।यही संतुलन भारतीय संस्कृति की आत्मा है,जहाँ श्रद्धा विवेक से अलग नहीं होती। मंदिर परिसर में दशमहाविद्याओं के मंदिर और भगवान शिव के पाँच स्वरूप—कामेश्वर,सिद्धेश्वर, केदारेश्वर,अमृतेश्वर और अघोरेश्वर—इस तथ्य को रेखांकित करते हैं कि कामाख्या केवल दर्शन का स्थल नहीं,बल्कि साधकों की साधना- स्थली है।यहाँ आने वाले अघोरी, तांत्रिक और साधु किसी चमत्कार की तलाश में नहीं,बल्कि स्वयं के भीतर की सीमाओं को तोड़ने की साधना में लीन रहते हैं।यही कारण है कि कामाख्या को लेकर भय, आकर्षण और रहस्य -तीनों एक साथ चलते हैं। आज के भारत में,जहाँ स्त्री-शरीर को लेकर गहरा दोहरापन व्याप्त है -एक ओर देवी-पूजन,दूसरी ओर दमन -माँ कामाख्या एक असहज प्रश्न बनकर खड़ी होती हैं।यह धाम पूछता है कि जब सृष्टि का मूल स्त्री है,तो उसी स्त्री को अपवित्र क्यों ठहराया गया?यह मंदिर उस औपनिवेशिक और विकृत मानसिकता को चुनौती देता है, जिसने भारतीय समाज को उसकी मूल चेतना से काट दिया।

माँ कामाख्या कोई पर्यटन स्थल नहीं,कोई सनसनीखेज कथा नहीं, बल्कि भारतीय आत्मा का वह शिखर है,जहाँ मौन भी साधना बन जाता है।यह हमें स्मरण कराता है कि सच्ची साधना आँख मूँदकर मान लेने में नहीं,बल्कि सत्य को स्वीकार करने के साहस में है -चाहे वह सत्य कितना ही असहज क्यों न हो। यही कारण है कि माँ कामाख्या का यह धाम केवल असम की पहचान नहीं,बल्कि उस भारत का प्रतीक है, जो सत्य से डरता नहीं,जो स्त्री-शक्ति को केवल शब्दों में नहीं,बल्कि दर्शन में पूजता है,और जो सृष्टि के मूल स्रोत को नमन करने का साहस रखता है।

सिल्वर डेमोक्रेसी की ओर बढ़ता भारत

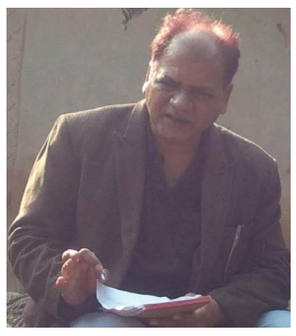

(राजेश पाठक)

सिल्वर डेमोक्रेसी शब्द का प्रयोग सर्वप्रथम येल यूनिवर्सिटी के सहायक प्राध्यापक चार्ल्स टी मैक्कलीन द्वारा कुछ वर्षों पूर्व किया गया जो प्रजातंत्र के एक उभरते स्वरूप को रेखांकित करता है एवं जिसका उपयोग एक लोकतांत्रिक प्रणाली का वर्णन करने के लिए किया जाता है, जहां बुजुर्ग आबादी एक बड़ा मतदान समूह बनाती है, जिससे उन्हें असमान राजनीतिक शक्ति मिलती है। इसके परिणामस्वरूप, अक्सर युवा पीढ़ी के हितों की अनदेखी करते हुए, बुजुर्ग पीढ़ी के पक्ष में नीतियां बनाई जाती हैं।

गहराई से देखा जाय तो जापान को अक्सर सिल्वर डेमोक्रेसी का एक प्रमुख उदाहरण माना जाता है, जहां तेजी से बूढ़ी हो रही आबादी के कारण एक राजनीतिक परिदृश्य बन गया है जो बुजुर्ग मतदाताओं और राजनेताओं द्वारा नियंत्रित है।

सिल्वर डेमोक्रेसी के प्रभाव

- पीढ़ीगत तनावः सिल्वर डेमोक्रेसी पीढ़ीगत तनाव को बढ़ा सकती है, क्योंकि युवा पीढ़ी को लगता है कि उनकी जरूरतों और चिंताओं को नजरअंदाज किया जा रहा है।
- नीतिगत असंतुलनः सिल्वर डेमोक्रेसी के कारण नीतियां बुजुर्ग पीढ़ी के पक्ष में बनाई जा सकती हैं, जो युवा पीढ़ी के हितों के लिए हानिकारक हो सकती हैं।इस प्रकार हम पाते हैं कि

सिल्वर डेमोक्रेसी एक महत्वपूर्ण मुद्दा है जो लोकतांत्रिक प्रणालियों में पीढ़ीगत असंतुलन को उजागर करता है। यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि सरकारें इस मुद्दे पर कैसे आगे बढ़ती हैं और इसके परिणामस्वरूप युवा और बुजुर्ग पीढ़ी के हितों पर क्या प्रभाव पड़ता है।

- **सिल्वर डेमोक्रेसीः एक नई चुनौती-** विंस्टन चर्चिल के नाम से एक प्रसिद्ध उद्धरण है, "अगर आप 25 साल की उम्र में उदारवादी नहीं हैं, तो आपके पास दिल नहीं है। अगर आप 35 साल की उम्र तक रूढ़िवादी नहीं हो जाते हैं, तो आपके पास दिमाग नहीं है।" यह उद्धरण युवाओं और बुजुर्गों के बीच के अंतर को उजागर करता है, जो राजनीति में एक आम बात है।
- **पीढ़ीगत संघर्ष-** पीढ़ीगत संघर्ष मानवता की प्रगति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। माओ त्से तुंग ने कहा था, "युवा, गरीब और अज्ञात" लोग ही इतिहास की दिशा बदलते हैं। हालांकि, ये युवा क्रांतिकारी भी उम्र के साथ रूढ़िवादी हो जाते हैं और अगली पीढ़ी द्वारा बदल दिए जाते हैं। 21वीं सदी की शुरुआत से, चीजें कुछ परेशान करने वाली हो गई हैं। ऐसा लगता है कि युवाओं का गुस्सा अब निराशा में बदल रहा है। बुजुर्गों के हाथों में सत्ता की पकड़ मजबूत हो रही है, जिससे युवाओं को लगता है कि उनकी आवाज नहीं सुनी जा रही है।

जापान में सिल्वर डेमोक्रेसी- जापान में सिल्वर डेमोक्रेसी एक बड़ी चुनौती है, जहां बुजुर्ग आबादी का एक बड़ा हिस्सा है और उनका राजनीतिक प्रभाव अधिक है। एक राजनेता ने बताया कि एक पार्टी ने "युवा" की परिभाषा को 60 वर्ष से कम उम्र के लोगों के लिए बदलने की सोची थी, जो चिंताजनक है।

विश्वव्यापी चिंता- सिल्वर डेमोक्रेसी की समस्या सिर्फ जापान तक सीमित नहीं है। कई देशों में लोग इस बात की चिंता कर रहे हैं कि जनसंख्या की कमी और बूढ़ा होना राजनीतिक परिदृश्य को कैसे प्रभावित करेगा।सच तो यह है कि सिल्वर डेमोक्रेसी के ज्वार के खिलाफ लड़ने के लिए, हमें युवाओं की आवाज सुननी होगी और उनकी चिंताओं को समझना होगा। हमें एक ऐसा भविष्य बनाना होगा जहां सभी पीढ़ियों की आवाज सुनी जाए और उनकी जरूरतों को पूरा किया जाए।

भारत में सिल्वर डेमोक्रेसीः एक बढ़ती चुनौती- भारत एक महत्वपूर्ण जनसांख्यिकीय परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है। जहां एक ओर इसकी युवा आबादी को "जनसांख्यिकीय लाभांश" के रूप में देखा जा रहा है, वहीं दूसरी ओर 60 वर्ष और उससे अधिक आयु वर्ग की आबादी भी तेजी से बढ़ रही है। 2011 में 10.38 करोड़ से अधिक बुजुर्गों की संख्या 2036 तक लगभग 23 करोड़ होने का अनुमान है, जो कुल आबादी का लगभग 15% होगा।

सिल्वर इकोनॉमीः एक बड़ा अवसर- इस जनसांख्यिकीय बदलाव के साथ, एक बड़ा सिल्वर इकोनॉमी विकसित हो रहा है, जिसमें वृद्ध वयस्कों के लिए स्वास्थ्य, कल्याण, आवास, और वित्तीय सेवाएं शामिल हैं।

- स्वास्थ्य और कल्याणः आयुष्मान भारत योजना के तहत 70 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों को 5 लाख रुपये का वार्षिक स्वास्थ्य बीमा कवर प्रदान किया जाता है।
- आवास और सहायक जीवनः वरिष्ठ नागरिकों के लिए आवास और सहायक जीवन की सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं।
- वित्तीय सेवाएंः प्रधान मंत्री वय वंदना योजना और सीनियर सिटिजन सेविंग्स स्कीम जैसी योजनाएं वरिष्ठ नागरिकों को गारंटीड पेंशन आय और वित्तीय सुरक्षा प्रदान करती हैं।

सिल्वर डेमोक्रेसीः एक राजनीतिक चिंता- जबकि सिल्वर इकोनॉमी को एक विकास अवसर के रूप में देखा जा रहा है, वहीं सिल्वर डेमोक्रेसी की राजनीतिक अवधारणा संभावित चुनौतियां भी प्रस्तुत करती हैः

नीतिगत प्राथमिकताएंः बुजुर्ग आबादी की बढ़ती संख्या और उनके मतदान शक्ति के कारण, नीतिगत प्राथमिकताएं अल्पकालिक लाभ और पेंशन खर्च की ओर केंद्रित हो सकती हैं, जिससे दीर्घकालिक निवेश जैसे कि बाल कल्याण और बुनियादी ढांचे पर खर्च कम हो सकता है।

- वित्तीय बोझः बढ़ती निर्भरता अनुपात के कारण राष्ट्रीय संसाधनों पर दबाव बढ़ सकता है, अगर इसे सक्रिय नीतियों के साथ प्रबंधित नहीं किया जाता है जो सिल्वर डिविडेंड - स्वस्थ और सक्रिय वरिष्ठ नागरिकों के आर्थिक योगदान का उपयोग करती हैं।

सरकारी पहल- भारत सरकार सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय और नीति आयोग जैसे संगठनों के माध्यम से एक बूढ़ा समाज की चुनौतियों और अवसरों का सामना करने के लिए नीतियों और कानूनी प्रावधानों को विकसित कर रही है।

(लेखक झारखंड सरकार के योजना एवं विकास विभाग में सांख्यिकी अधिकारी हैं)

अमेलिया वाल्वेर्डे भारतीय महिला फुटबॉल टीम की मुख्य कोच बनीं

● एएफसी एशियाई कप से पहले हुई नियुक्ति

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय महिला फुटबॉल टीम को इस साल एएफसी महिला एशियाई कप में हिस्सा लेना है। इससे पहले ही एआईएफएफ ने नए मुख्य कोच की घोषणा कर दी है। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने मंगलवार को कोस्टा रिका की अमेलिया वाल्वेर्डे को भारतीय सीनियर महिला टीम की मुख्य कोच बनाया। 39 वर्ष की अमेलिया अंताल्या में भारतीय टीम के शिविर में पहुंच गई हैं। भारतीय टीम मार्च में होने वाले एएफसी महिला एशियाई कप ऑस्ट्रेलिया 2026 की तैयारी कर रही हैं। 15 बरस पहले कोचिंग करियर की शुरुआत करने वाली अमेलिया 2015 से 2023 तक कोस्टा रिका महिला टीम की कोच रहीं। उनके कार्यकाल में कोस्टा रिका ने 2015 और 2023 फीफा महिला विश्व कप में भाग लिया। वह 2015 विश्व कप में 28 वर्ष की थी और सबसे युवा मुख्य कोच रहीं। इससे पहले वह कोस्टा रिका सीनियर और अंडर 20 महिला टीमों की कोच रहीं। उनके साथ गोलकीपिंग कोच एली अविला और स्ट्रेंथ तथा कंडीशनिंग कोच जोस सांचेज भी टीम से जुड़ेंगे।

सबसे कम उम्र में डेब्यू करने वाली खिलाड़ी बनी दीया यादव

वैभव सूर्यवंशी जैसा बनाया रिकॉर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। डब्ल्यूपीएल इंडियन प्रीमियर लीग में सिर्फ 14 साल की उम्र में डेब्यू करके वैभव सूर्यवंशी ने इतिहास रच दिया था. जिसके बाद, वैभव आईपीएल में खेलने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बन गए थे. वैभव की इस ऐतिहासिक उपलब्धि के लगभग एक साल बाद, अब महिला प्रीमियर लीग) में भी सबसे कम उम्र में डेब्यू करने वाली खिलाड़ी का नया रिकॉर्ड बन गया है. मुंबई इंडियंस और दिल्ली कैपिटल्स के बीच मंगलवार यानी 20 जनवरी को वडोदरा में खेले गए मुकाबले में 16 साल की दीया यादव ने डेब्यू करते हुए ये कारनामा किया है. इसी के साथ, दिल्ली के लिए खेलते हुए इस युवा बल्लेबाज ने अपना नाम डब्ल्यूपीएल की रिकॉर्डबुक में दर्ज करवा लिया है.

राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी को सम्मान नहीं जुर्माना

मेडल दिखाने के बाद भी खिलाड़ी और कोच को TTE ने ट्रेन से उतारा

नई दिल्ली, एजेंसी। पोल वॉल्ट में भारत के नेशनल रिकॉर्ड होल्डर देव कुमार मीणा और उनके कोच घनश्याम को पनवेल रेलवे स्टेशन पर शर्मनाक स्थिति का सामना करना पड़ा। उन्हें अपना खेल उपकरण ले जाने की इजाजत नहीं मिली और ट्रेन से उतार दिया गया।

यूरोप में शुरू हो रही नई टी-20 लीग

ईटीपीएलः अभिषेक बच्चन और स्टीव वॉ जैसे बड़े नाम जुड़े

नई दिल्ली, एजेंसी। यूरोप में क्रिकेट को नई ऊंचाइयों तक ले जाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए यूरोपियन टी20 प्रीमियर लीग (ईटीपीएल) का ऐलान किया गया है। 6 टीमों के बीच खेली जाने वाली इस लीग में ऑनर के तौर पर क्रिकेट और मनोरंजन जगत की हस्तियां जुड़ी हुई हैं। प्रमुख नामों में ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान स्टीव वॉ और बॉलीवुड अभिनेता अभिषेक बच्चन हैं। न्यूजीलैंड के पूर्व खिलाड़ी काइल मिल्स और नाथन मैकुलम भी एक फ्रेंचाइजी के मालिक हैं, और ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल भी एक फ्रेंचाइजी के मालिक हैं। स्टीव स्मिथ और मिचेल मार्श जैसे खिलाड़ी लीग में खेलते हुए नजर आ सकते हैं। बुधवार को आधिकारिक तौर पर यह पुष्टि की गई कि स्टीव वॉ और ग्लेन मैक्सवेल ईटीपीएल की फ्रेंचाइजी ओनरशिप का हिस्सा होंगे। यह लीग आयरलैंड, स्कॉटलैंड और नीदरलैंड्स में खेली जाएगी। इसका उद्देश्य यूरोप में क्रिकेट के स्तर को ऊपर उठाना है। लीग पिछली गर्मियों में लॉन्च होनी थी, लेकिन अब इसे 2026 में शुरू करने की तैयारी है। लीग की तीन फ्रेंचाइजियों में एम्स्टर्डम, बेलफास्ट और एडिनबर्ग हैं। अन्य तीन टीमें अभी बिकनी बाकी हैं। भविष्य में बिकने वाली टीमों के बेस डबलिन, रॉटरडैम और ग्लासगो में होंगे। लीग का पहला सीजन 26 अगस्त से 20 सितंबर के बीच खेला जाना है। यह आईसीसी से मान्यता प्राप्त पहली ऐसी टी20 लीग होगी, जो एक से ज्यादा देशों में आयोजित की जाएगी। मौजूदा शेड्यूल के मुताबिक, यह इंग्लैंड की द हंड्रेड लीग के फाइनल के करीब 10 दिन बाद शुरू होगी, हालांकि इसके कैरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) से टकराने की संभावना बनी हुई है। स्टीव वॉ एम्स्टर्डम फ्लेम्स फ्रेंचाइजी के मालिक निवेशक समूह का हिस्सा हैं। इस समूह में ऑस्ट्रेलिया के पूर्व

फील्ड हॉकी महान खिलाड़ी जेमी ड्वायर भी शामिल हैं। वहीं, ग्लेन मैक्सवेल आयरिश वुल्व्स फ्रेंचाइजी के को-ओनर हैं और उनके साथ ऑस्ट्रेलिया की इंश्योरेंस कंपनी एनआरएमए के पूर्व ग्रुप सीईओ रोहन लुंड जुड़े हुए हैं। नाथन मैकुलम और काइल मिल्स ने एडिनबर्ग फ्रेंचाइजी खरीदी है। ईटीपीएल, क्रिकेट आयरलैंड और भारत की रूल्स ग्लोबल का एक संयुक्त उद्यम है, जबकि क्रिकेट स्कॉटलैंड और नीदरलैंड क्रिकेट बोर्ड इसके रणनीतिक साझेदार हैं। अभिषेक बच्चन इस लीग के को-फाउंडर हैं, और उनके साथ तीन अन्य भारतीय निवेशक भी जुड़े हैं, जिनमें आईपीएल फ्रेंचाइजी दिल्ली कैपिटल्स के पूर्व सीईओ धीरज मल्होत्रा का नाम भी शामिल है। स्टीव वॉ ने ईएसपीएनक्रिकइंफो को बताया कि स्टीवन स्मिथ और मिचेल मार्श ने एम्स्टर्डम फ्लेम्स के साथ करार किया है। नीदरलैंड्स के कप्तान स्कॉट एडवर्ड्स भी इसी फ्रेंचाइजी का हिस्सा होंगे। टिम डेविड के साथ भी बातचीत चल रही है। वॉ का मानना है कि यह लीग यूरोपियन और कॉन्टिनेंटल खिलाड़ियों के लिए गेम-चेंजर साबित हो सकती है। दुनिया के बेहतरीन क्रिकेटरों के साथ चार-पांच हफ्ते खेलने का मौका स्थानीय खिलाड़ियों की प्रगति को तेज करेगा। इंडियन सुपर लीग, प्रो कबड्डी लीग और इंडियन स्ट्रीट प्रीमियर लीग के माध्यम से स्पोर्ट्स से लंबे समय से जुड़े अभिषेक बच्चन की विदेशी स्पोर्ट्स फ्रेंचाइजी में यह पहली बड़ी भागीदारी है। लीग के को-फाउंडर अभिषेक बच्चन ने ईएसपीएनक्रिकइंफो को बताया कि ईटीपीएल जल्द ही एक भारतीय ब्रॉडकास्टर के साथ करार करने वाली है। पहले सीजन के मुकाबले आयरलैंड और नीदरलैंड्स में खेले जाएंगे, जबकि फाइनल वेन्यू अभी तय किए जा रहे हैं। इस लीग का मकसद सिर्फ क्रिकेट कराना नहीं, बल्कि यूरोप में क्रिकेट इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करना और फैंस को एक यादगार टी20 अनुभव देना है।

रियल मैड्रिड की बड़ी जीत

स्पोर्टिंग ने पीएसजी को चौंकाया

मैड्रिड, एजेंसी। काइलियन एम्बाप्पे के शानदार प्रदर्शन की बदौलत रियल मैड्रिड ने यूईएफए चैंपियंस लीग के लीग फेज मुकाबले में मोनाको को 6-1 से करारी शिकस्त दी। इस बड़ी जीत के साथ ही रियल मैड्रिड ने टॉप-आठ में जगह बनाने की अपनी उम्मीदों को और मजबूत कर लिया है। अपने पुराने क्लब मोनाको के खिलाफ खेलते हुए एम्बाप्पे ने दो गोल दागे और अपनी टीम की जीत में बड़ी भूमिका निभाई। एम्बाप्पे ने फेडे वाल्वरडे की थ्रू बॉल पर पांचवें मिनट में ही पहला गोल कर रियल को बढ़त दिलाई। इसके बाद 25वें मिनट के आसपास फार पोस्ट पर शानदार स्लाइड करते हुए उन्होंने दूसरा गोल दागा और हाफटाइम तक स्कोर 2-0 कर दिया। दूसरे हाफ में रियल मैड्रिड का दबदबा और बढ़ गया। 51वें मिनट में फ्रेंको मास्टैंटुओनो ने तीसरा गोल किया, जबकि थिलो केहरर से आत्मघाती गोल हो गया। विनीसियस जूनियर ने पांचवां और जूड बेलिंगहैम ने छठा गोल किया। मोनाको की ओर से एकमात्र गोल जॉर्डन टेजे ने किया। दूसरी ओर, पुर्तगाल में खेले गए मुकाबले में स्पोर्टिंग क्लब डी पुर्तगाल ने पेरिस सेंट जर्मेन को 2-1 से हराकर बड़ा उलटफेर किया। लुइस सुआरेज ने 74वें और 90वें मिनट में गोल कर स्पोर्टिंग को अहम जीत दिलाई, जिससे टीम स्टैंडिंग में छठे स्थान पर पहुंच गई। पीएसजी का दबदबा पूरे मैच में रहा, लेकिन उसके दो गोल रद्द कर दिए गए। सब्स्टीट्यूट ख्विचा क्वारात्सखेलिया ने शानदार कर्लिंग शॉट से बराबरी जरूर की, लेकिन आखिरी क्षणों में सुआरेज ने हेडर से निर्णायक गोल कर दिया। अन्य मुकाबलों में, एजेक्स ने आखिरी मिनट में ओलिवर एडवर्डसन के गोल की मदद से विलारियल को हराया। वहीं, ओलंपियाकोस ने पिरियस में बायर लेवरकुसेन को 2-0 से मात देकर जर्मन टीम के खिलाफ 14 मैचों में पहली जीत दर्ज की। कोस्टिन्हा और मेहदी तारेमी के तेज काउंटरअटैक ने ओलंपियाकोस की जीत की नींव रखी, जबकि गोलकीपर कोस्टास जोलाकिस ने शानदार बचाव कर टीम की बढ़त बनाए रखी।

213 रन ठोकने वाली दिल्ली कैपिटल्स की तूफानी बल्लेबाज पर जुर्माना

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली कैपिटल्स की स्टार बल्लेबाज लिजेल ली पर जुर्माना लगाया गया है. इतना ही नहीं डब्ल्यूपीएल 2026 में अब तक 213 रन ठोक चुकी इस खिलाड़ी के खाते में जुर्माने के साथ एक डिमेरिट अंक भी जोड़े गए हैं. लेकिन, बड़ा सवाल ये है कि लिजेल ली से गलती क्या हुई? कब हुई? ये पूरा मामला डब्ल्यूपीएल 2026 में 20 जनवरी को दिल्ली कैपिटल्स और मुंबई इंडियंस के बीच खेले मुकाबले से जुड़ा है.

लिजेल ली ने मानी गलती, 10% जुर्माने के साथ मिली ये सजा– लिजेल ली को जब आउट दिया गया वो डब्ल्यूपीएल 2026 में अपने एक और अर्धशतक के करीब थीं. वो 28 गेंदों में 46 रन बनाकर पूरे विस्फोटक मिजाज में

खेल रही थीं. ऐसे में जब उन्हें थर्ड अंपायर ने आउट दिया तो उन्होंने उस फैसले पर थोड़ी नाराजगी जाहिर की, जिसके क्रिकेट की रूल बुक की आचार संहिता के तहत गलत पाया गया.

लाइव मैच में कब घटी घटना?

वडोदरा के बीसीए स्टेडियम में खेले मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स की इनिंग के 11वें ओवर में बल्लेबाजी कर रहीं लिजेल ली को आउट दे दिया गया. वो मुंबई इंडियंस की गेंदबाज अमनजोत कौर की गेंद पर स्टंप हुई थीं. मामला थोड़ा नजदीकी था तो उन्हें आउट देने से पहले थर्ड अंपायर ने कैमरों के कई एंगल जांचे.

व्यापार

टाटा स्टील को त्रिवेणी पैलेट्स से जुड़े सौदे के लिए हरी झंडी

नई दिल्ली, एजेंसी। घरेलू स्टील सेक्टर में एकीकरण प्रक्रिया को मंगलवार को उस समय बड़ी गति मिली जब भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) ने दो महत्वपूर्ण सौदों को मंजूरी दे दी। फेयर ट्रेड रेगुलेटर ने टाटा स्टील की ओर से ओडिशा स्थित त्रिवेणी पेलेट्स में बहुमत हिस्सेदारी के अधिग्रहण को हरी झंडी दिखा दी है। इसके साथ ही, आयोग ने जेएसडब्ल्यू समूह की कंपनियों और जापान की जेएफई स्टील कॉरपोरेशन से जुड़े एक अन्य बड़े प्रस्ताव को भी मंजूरी दी है।

636 करोड़ का सौदा सीसीआई ने टाटा स्टील के उस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है, जिसके तहत कंपनी त्रिवेणी पेलेट्स प्राइवेट लिमिटेड में 50.01 प्रतिशत इक्विटी हिस्सेदारी का अधिग्रहण करेगी। टाटा स्टील ने पिछले साल दिसंबर में घोषणा की थी कि उसने 636 करोड़ रुपये में त्रिवेणी पेलेट्स में बहुमत हिस्सेदारी हासिल करने के लिए त्रिवेणी अर्थमूवर्स प्राइवेट लिमिटेड के साथ समझौता किया है। टाटा स्टील एकीकृत स्टील विनिर्माण में शामिल है, जो माइनिंग से लेकर स्टील मेकिंग और आगे की प्रोसेसिंग तक फैला हुआ है। कंपनी पहले से ही लौह अयस्क की माइनिंग और पेलेट्स के उत्पादन में सक्रिय है।

त्रिवेणी पेलेट्स देश में लौह अयस्क पेलेट्स की बिक्री करती है। इसकी पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी, ब्रह्मिणी रिवर पेलेट्स लिमिटेड भी भारत में पेलेट्स के उत्पादन और बिक्री में लगी हुई है। इस अधिग्रहण से टाटा स्टील की बैकवर्ड इंटीग्रेशन क्षमताओं को मजबूती मिलने की उम्मीद है। सीसीआई ने भूषण पावर एंड स्टील लिमिटेड (बीपीएसएल), जेएसडब्ल्यू संबलपुर स्टील लिमिटेड, जापान की जेएफई स्टील कॉरपोरेशन और जेएसडब्ल्यू कलिंगा स्टील लिमिटेड के बीच प्रस्तावित कॉम्बिनेशन को भी मंजूरी दी है। आइए इस बारे में जानें- बीपीएसएल, जो फिनिश्ड स्टील प्रोडक्ट्स की प्रोसेसिंग और एकीकृत विनिर्माण में शामिल है, वर्तमान में जेएसडब्ल्यू स्टील की अप्रत्यक्ष सहायक कंपनी है।

जापानी भागीदारीः इस सौदे में शामिल जेएफई स्टील कॉरपोरेशन, सौदे के तहत, जेएसडब्ल्यू कलिंगा की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी जेएसडब्ल्यू संबलपुर प्रस्तावित लेनदेन के पूरा होने के बाद टारगेट बिजनेस का स्वामित्व हासिल करेगी। गौरतलब है कि जेएसडब्ल्यू कलिंगा और जेएसडब्ल्यू संबलपुर ने अभी तक अपना वाणिज्यिक परिचालन शुरू नहीं किया है।

गन्ने की अधिक आपूर्ति से चीनी उत्पादन 22 फीसदी बढ़ा

15 जनवरी तक चालू थीं 518 मिलें

नई दिल्ली, एजेंसी। गन्ने की अधिक आपूर्ति और बेहतर

पैदावार के चलते देश का चीनी उत्पादन 2025-26 सत्र में 15 जनवरी तक सालाना आधार पर 22 फीसदी बढ़कर 1.59 करोड़ टन पहुंच गया।एक साल पहले की समान अवधि में देशभर में 1.3 करोड़ टन चीनी का उत्पादन हुआथा। बायो-ऊर्जा विनिर्माता संघ (इस्मा) ने मंगलवार को बताया, इस साल 15 जनवरी तक लगभग 518 चीनी मिलें चालू थीं, जबकि एक साल पहले यह संख्या 500 थी। देश में चीनी का सत्र अक्तूबर से सितंबर तक चलता है। सबसे बड़े उत्पादक राज्य महाराष्ट्र में चीनी उत्पादन सालाना आधार पर 42.7 लाख टन से 51 फीसदी बढ़कर 64.5 लाख टन पहुंच गया।उत्तर प्रदेश में उत्पादन 42.8 लाख टन से बढ़कर 46 लाख टन के स्तर पर पहुंच गया।कर्नाटक का उत्पादन सालाना आधार पर बढ़कर 31 लाख टन पहुंच गया।

वेदांता के शेयर रिकार्ड उंचाई पर, ब्रोकरेज को आगे और तेजी की उम्मीद

प्रात: आवाज

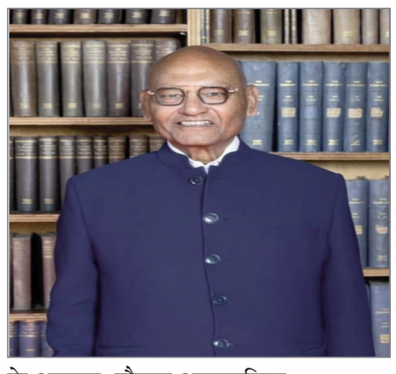

बोकारो। वेदांता लिमिटेड के शेयर हालिया कारोबार में रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। ब्रोकरेज हाउसेज का मानना है कि कमोडिटी कीमतों में मजबूती,आय की बेहतर दृश्यता और प्रस्तावित डीमर्जर के चलते कंपनी का आउटलुक सकारात्मक बना हुआ है। बेस और कीमती धातुओं में व्यापक तेजी के बीच वेदांता ने बाजार से बेहतर प्रदर्शन किया है। तिमाही आधार पर एल्यूमिनियम और जिंक की कीमतों में 8-12 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई है, जबकि सिल्वर की कीमतों में लगभग 40 प्रतिशत का उछाल आया है। इससे नॉन-फेरस मेटल उत्पादकों की लाभप्रदता में सुधार देखा गया है। कोटक इंस्टीट्यूशनल इक्विटीज के अनुसार, मौजूदा अपसाइकिल का सबसे अधिक लाभ वेदांता को मिल सकता है। ब्रोकरेज का अनुमान है कि एफवाई 2027 में कंपनी के कुल ईबीआईटीए का लगभग 85 प्रतिशत योगदान एल्यूमिनियम (950 प्रतिशत), जिंक (920 प्रतिशत) और सिल्वर (915 प्रतिशत) से आएगा। डीमर्जर प्रक्रिया और

ऊंची कमोडिटी कीमतें कंपनी के लिए अतिरिक्त सपोर्ट प्रदान कर सकती हैं। कोटक का कहना है कि पांच इकाइयों में डीमर्जर की प्रक्रिया 4 क्यूएफवाई 26 में शुरू होकर 1 क्यूएफवाई 2027 तक पूरी हो सकती है। एल्यूमिनियम और पावर डिवीजन में बेहतर मल्टीपल्स के चलते वैल्यू अनलॉकिंग की संभावना जताई गई है। ब्रोकरेज ने एफवाई 2027 ई के लिए ईबीआईटीए अनुमान 8.7 प्रतिशत और एफवाई 2028 ई के लिए 6.9 प्रतिशत बढ़ाया है। वेदांता का फेयर वैल्यू 780 आंका गया है, जबकि स्पॉट कीमतों के आधार पर यह 965 तक जा सकता है। वहीं, न्यूवामा इंस्टीट्यूशनल इक्विटीज ने भी वेदांता पर सकारात्मक रुख बनाए रखा है। ब्रोकरेज के मुताबिक, मेटल कीमतों में तेजी और ऑपरेटिंग लेवरेज के चलते कंपनी का तिमाही प्रदर्शन मजबूत रह सकता है। अनुमान है कि ईबीआईटीडीए तिमाही आधार पर करीब 28 प्रतिशत बढ़ सकता है, जिसका नेतृत्व एल्यूमिनियम और जिंक सेगमेंट करेंगे, जबकि ऑयल एंड गैस सेगमेंट में कुछ नरमी रह सकती है। न्यूवामा के अनुसार, औसत एलएमई एल्यूमिनियम और जिंक कीमतें क्रमशः यूएसडी 2,829 प्रति टन और यूएसडी 2,166 प्रति टन तक पहुंच चुकी हैं, जबकि सिल्वर की कीमत यूएसडी 55.5 प्रति औंस रही है।

रमेश दामानी ने विम प्लास्ट के खरीदे 120297 शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। शेयर बाजार के दिग्गज निवेशक रमेश दामानी ने हाल ही में जिस स्टॉक में निवेश किया है, वह निवेशकों के बीच चर्चा का विषय बन गया है। वॉरेन बफेट की निवेश शैली से प्रेरित माने जाने वाले रमेश दामानी लंबे समय से ऐसे बिजनेस में पैसा लगाते हैं, जिनका मैनेजमेंट मजबूत हो और फाइनेंशियल परफॉर्मेंस लगातार बेहतर हो रही हो। मेंबर जैसे चर्चित शो के होस्ट रह चुके दामानी की हर खरीद पर बाजार की नजर रहती है। इसी कड़ी में दिसंबर 2025 की शेयरहोल्डिंग पैटर्न के मुताबिक उन्होंने विम प्लास्ट में करीब 1 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदी है। यह 120297 शेयरों के बराबर है। इससे

पहले उनके पोर्टफोलियो में शामिल नहीं थी। विम प्लास्ट के शेयर 2 पर्सेंट तक चढ़कर 427.40 रुपये पर पहुंच गए। सेलो वर्ल्ड की सब्सिडियरी कंपनी है और इसका प्रमोटर बैकग्राउंड काफी मजबूत माना जाता है। कंपनी में करीब 56 प्रतिशत हिस्सेदारी सेलो वर्ल्ड लिमिटेड के पास है, जिसके पीछे राठौड़ परिवार का दशकों पुराना अनुभव और भरोसेमंद ब्रांड खड़ा है। यही वजह है कि निवेशक इसे एक स्थिर और लॉन्ग टर्म संभावनाओं वाली कंपनी मानते हैं। मुख्य रूप से प्लास्टिक फर्नीचर, जैसे कुर्सियां, टेबल, स्टूल और स्टोरेज प्रोडक्ट्स बनाती है, वहीं इंडस्ट्रियल सेगमेंट में क्रेट्स, पैलेट्स और मटीरियल हैंडलिंग सॉल्यूशंस भी देती है। कंपनी के हालिया फाइनेंशियल नतीजे भी निवेश के पक्ष में कहानी कहते हैं। क्यू2 एफवाय26 में विम प्लास्ट की कंसोलिडेटेड रेवेन्यू 78.2 करोड़ से बढ़कर 84.3 करोड़ हो गई, जबकि ग्रॉस प्रॉफिट मार्जिन 15.4 प्रतिशत से बढ़कर 16.2 प्रतिशत पहुंच गया। यही सुधार संभवतः रमेश दामानी को आकर्षित करने वाला फैक्टर रहा। इसके अलावा कंपनी ने ॥ह्नक्रश्च्ष्ठ सेगमेंट यानी होटल, रेस्टोरेंट, कैफे और बड़े इवेंट्स के लिए खास तौर पर डिजाइन किए गए प्रीमियम और टिकाऊ प्लास्टिक फर्नीचर लॉन्च किए हैं, जिनकी डिमांड आने वाले समय में बढ़ सकती है। शेयर के प्रदर्शन की बात करें तो हाल के दिनों में इसमें हलचल देखने को मिली है। पिछले 5 दिनों में स्टॉक 402 से बढ़कर 424 तक पहुंचा।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक सैयद ज़की हैदर के लिए इरानीयन आर्ट प्रिंटर्स 1534 कासिमजान स्ट्रीट दरियागंज नई दिल्ली 11006 से मुद्रित कराकर, 2684 गली काले खां कूचा चलान दरियागंज नई दिल्ली 02 से प्रकाशित किया।
संपादक : सैयद ज़की हैदर- हैड ऑफिस :- एफ19/4 सेकेंड फ्लोर नफीश रोड जामिया नगर दिल्ली- 110025., सम्पर्क सूत्र :- 9911371802, 9810383593
जितेन्द्र कुमार बिस्वाल ब्यूरो चीफ उड़ीसा/ गोविंद कनोडिया/ पटना/ सैय्यद यूसुफ अली नक़वी-पॉलिटिकल एडिटर। ई-मेल:- (LOKTANTRAKISHAAN@GMAIL.COM

किसी भी प्रकार के विवाद हेतु निपटारे के लिए केवल दिल्ली न्यायालय ही मान्य होगी।
नोट- किसी भी समाचार/आलेख पर दावा प्रति दावा/आपत्ति समाचार प्रकाशन के 15 दिनों के अन्तराल तक ही मान्य होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित आलेख से संपादक/प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

क्षेत्रीय कार्यालय अनवार मंजिल नया टोला गंज नंबर 01 बेतिया/ बिहार/ पिन नंबर 84 5438/>> संवाददाता, सना खान/(डॉ. अमानुल हक) स्थानीय संपादक/बिहार)